@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 28 जुलाई 2024

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 262 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नीति आयोग के सीईओ ने ममता बनर्जी के आरोपों पर भी दिया जवाब

नई दिल्ली, 27 जुलाई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जब से केंद्र सरकार पर नीति आयोग की बैठक में उनको न बोलने देने का आरोप लगाया है, तब से भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं में जुबानी जंग जारी है। वहीं इस सब के बीच अब नीति आयोग ने खुद मोर्चा संभालते हुए पूरे मीटिंग का घटनाक्रम साझा किया है।नीति आयोग के सीईओ बी. वी. आर सुब्रह्मण्यम ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में 10 राज्य नहीं शामिल हुए थे, जबकि 26 राज्यों ने इसमें हिस्सा लिया था। जो राज्य नहीं शामिल हुए थे उनमें केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और पुद्दुचेरी हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बैठक में शामिल हुईं। नीति आयोग के सीईओ ने बताया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया था कि उन्हें लंच से पहले बोलने का मौका दिया जाए। बी. वी. आर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि मैं सिर्फ तथ्य बता रहा हूं।क्योंकि आमतौर पर अल्फाबेट के आधार पर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बोलने का मौका दिया जाता है। जिसके तहत गुजरात से पहले रक्षा मंत्री ने उनको बोलने का मौका दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी बातें रखीं। बी. वी. आर सुब्रह्मण्यम ने बताया कि सभी मुख्यमंत्रियों को सात मिनट बोलने का मौका दिया गया था और स्क्रीन के सबसे उपर समय प्रदर्शित किया जा रहा था कि उनका संबोधन का कितना समय बचा है। इस दौरान जब उनका समय खत्म हो गया तो उन्होंने कहा कि मैं बोलने के लिए और समय चाहती हूं। उनके संबोधन को हम सबने सम्मानपूर्वक सुना और अहम बिंदुओं को नोट भी किया। नीति आयोग के सीईओ ने आगे कहा कि जब उनका समय खत्म हो गया, तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने माइक थपथपाया। इसके तुरंत बाद उन्होंने बोलना बंद कर दिया और बाहर चली गईं। हालांकि इसके बाद भी पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारी बैठक में शामिल रहे। नीति आयोग के सीईओ ने बताया कि प्रधानमंत्री ने आज नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता की।

हरदीप सिंह ने बजट में पक्षपात के आरोप को किया खारिज

नई दिल्ली, 27 जुलाई। केंद्रीय बजट आंध्र प्रदेश के पक्ष में है कि इस आरोप को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल कांग्रेस शासन के दौरान पारित राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत की गई प्रतिबद्धता को पूरा करता है। गुजरात भाजपा द्वारा बजट पर आयोजित सम्मेलन में शनिवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी पहुंचे। यहां उन्होंने उस आरोप का खंडन किया जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि केंद्रीय बजट आंध्र प्रदेश के पक्ष में है। हरदीप सिंह पुरी से विपक्ष के इस आरोप के बारे में पूछा गया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया बजट से केवल बिहार और आंध्र प्रदेश को फायदा दे रहा है। विपक्ष का आरोप है कि ये राज्य जदयू और टीडीपी द्वारा शासित राज्य हैं। ये केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के प्रमुख सहयोगी हैं। उन्होंने आरोपों का खंडन करते हुए कहा, उनसे पूछिए कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम पर किसने हस्ताक्षर किए? यह कांग्रेस सरकार थी। यह आपकी प्रतिबद्धता है। हम आपकी प्रतिबद्धता को पूरा कर रहे हैं। बता दें कि वर्ष 2014 के अधिनियम ने तत्कालीन आंध्र प्रदेश को विभाजित कर दिया। जिससे एक अन्य राज्य तेलंगाना बना। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पीएम मोदी ने मुंबई दौरे के दौरान महाराष्ट्र के लिए 1 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की। इसमें 76,000 करोड़ रुपये की बंदरगाह परियोजना भी शामिल है। इससे 10 लाख नौकरियां पैदा होंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बजट का लक्ष्य पूर्वोदय है, जिससे केवल बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तीनों को लाभ मिलेगा।

शक्ति प्रदर्शन और बयानबाजी से आएं बाज: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

लखनऊ, 27 जुलाई। यूपी भाजपा में मचे घमासान को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने कड़ी नाराजगी जताई है। हाईकमान ने पार्टी के सभी मंत्रियों और विधायकों को सार्वजनिक बयानबाजी और शक्तिप्रदर्शन जैसी स्थिति पैदा करने से बाज आने का फरमान भी सुनाया है। पार्टी हाईकमान की ओर से सभी नेताओं से यह भी कहा गया है कि मनभेद और मतभेद का सार्वजनिक प्रदर्शन करने की आदत पर लगाम लगाएं। सभी मंत्री अपने-अपने काम काज पर ध्यान दें, किसी दूसरे के कामकाज में दखलअंदाजी न करें। सूत्रों के मुताबिक भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में बुलाई गई दो दिवसीय मुख्यमंत्री की बैठक शुरू होने से पहले उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक पार्टी कार्यालय पहुंचे थे। दोनों नेताओं की अमित शाह से मुलाकात हुई। सूत्रों की माने तो पहले अमित शाह ने दोनों डिप्टी से सीएम से बात की। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष की मौजूद में यूपी के हालात पर चर्चा हुई है। दोनों डिप्टी सीएम ने अपने-अपने पक्ष रखे।

इस पर उन्हें आपस से मिल जुलकर काम करने के साथ ही 10 विधानसभा के लिए होने वाले उप चुनाव में जुटने को कहा गया है। उधर मुख्यमंत्री की आज शीर्ष नेतृत्व के किसी नेता से अकेले में मुलाकात तो नहीं हुई है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि शुक्रवार को दिल्ली पहुंचने पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने यूपी भवन में करीब एक घंटे से तक सीएम योगी से मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच यूपी की ताजा सियासी हालात पर चर्चा हुई है। सूत्रों का कहना है कि सीएम की भले ही शीर्ष नेतृत्व से अकेले में मुलाकात नहीं हुई, लेकिन बीएल संतोष ने सीएम के साथ हुई बातचीत का ब्योरा शीर्ष नेतृत्व के सामने रखा है। इसके बाद ही हाईकमान ने सभी नेताओं को सार्वजनिक रूप से बयानबाजी न करने की नसीहत दी है। मुख्यमंत्री रविवार को सुबह पीएम नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि शनिवार को नीति आयोग और मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में सीएम की मुलाकात तो तीनों नेताओं से हुई है, लेकिन यूपी के संदर्भ में बातचीत के लिए योगी रविवार को तीनों से नेताओं से मिल सकते हैं।

आरक्षण को लेकर मतभेद पर शरद पवार ने जताई चिंता

सौरभ शर्मा

मुंबई, 27 जुलाई। समुदायों के बीच आरक्षण के मुद्दे को लेकर शरद पवार ने चिंता जताते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार को हितधारकों के साथ बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एक समूह के लोगों के साथ बातचीत करते हैं, और सरकार के अन्य लोग दूसरे समूहों के साथ बातचीत करते हैं। इसके चलते दोनों में गलतफहमी पैदा हो रही है। महाराष्ट्र में इन दिनों आरक्षण के मुद्दे को लेकर माहौल गरमाया हुआ है। इस पर एनसीपी एसपी प्रमुख पवार ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र सरकार को हितधारकों के साथ खुलकर बात करनी चाहिए। पवार ने कहा कि उन्होंने हाल ही में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ अपनी प्रतिक्रिया साझा की जो कि बातचीत के पक्ष में थी। उन्होंने कहा, कोटा को लेकर हितधारकों के साथ जो बातचीत होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई है। मुख्यमंत्री एक समूह के लोगों से बात करते हैं, जबकि सरकार में अन्य लोग अलग-अलग समूहों के साथ बातचीत करते हैं। इससे गलतफहमी पैदा होती है। शरद पवार ने कहा कि सरकार को मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे, छगन भुजबल और ओबीसी आरक्षण की मांग कर रहे अन्य लोगों को बातचीत के लिए बुलाना चाहिए। दरअसल मनोज जरांगे उस मसौदा अधिसूचना के

क्रियान्वयन की मांग कर रहे हैं, जिसमें कुनबियों को मराठों का ऋषि सोयारे या रक्त संबंधी माना गया है। उन्हें ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण दिया गया है। कुनबियों को ओबीसी के रूप में कोटा लाभ मिलता है। वहीं मंत्री छगन भुजबल सहित ओबीसी सदस्य इस आरक्षण की मांग के बाद परेशान नजर आए। उन्होंने सरकार से जोर देकर कहा है कि उनके कोटे को कम नहीं किया जाना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि वह कोटा मुद्दे पर समुदायों के बीच आई दरार से चिंतित हैं। उन्होंने बताया कि मनोज जारंगे ने कहा है कि लिंगायत, मुस्लिम और धनगर समुदाय को भी आरक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर सही मायने में बातचीत होनी चाहिए। अगर ऐसा किया जाता है, तो समाज में कोई कड़वाहट नहीं होगी। विधानसभा चुनावों से पहले अपनी पार्टी शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस से मिलकर बनी महा विकास अघाड़ी के बीच सीट बंटवारे के बारे में शरद पवार ने कहा कि गठबंधन सहयोगियों ने चर्चा के लिए कुछ नाम सुझाए हैं। उन्होंने बताया कि इस बात पर सहमति बनी है कि सीट बंटवारे पर फैसला सर्वसम्मति से लिया जाएगा। शरद पवार ने कहा, मैंने यह भी कहा है कि पिछले लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं मांगने वाले वाम दलों को भी आगामी विधानसभा चुनाव में सीट मिलनी चाहिए।

ओयो होटल में युवती को कोल्डड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म

ग्रेटर नोएडा, 27 जुलाई। ग्रेटर नोएडा के दादरी कोतवाली क्षेत्र स्थित ओयो होटल में युवती को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ खिलाकर जबरन दुष्कर्म किया। पैसे खत्म होने पर आरोपी ने युवती की अंगूठी और चेन भी ले ली। मामले में दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी है। पुलिस ने बताया कि गाजियाबाद की एक कॉलोनी निवासी युवती को कोतवाली दादरी क्षेत्र के नगर स्थित ओयो होटल में लाया गया। युवती को ओयो होटल में लाकर बुलंदशहर के एक गांव निवासी राजीव ने युवती के साथ होटल में बैठ पहले कोल्डड्रिंक पी गई। कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ डालकर युवती को पिला दिया। नशा होने पर दुष्कर्म किया। आरोपी ने पैसे खत्म होने का हवाला देकर युवती की अंगूठी और चेन ले गया। तीन दिन बाद अभियुक्त राजीव युवती को गाड़ी में बैठकर ओयो होटल के पीजी हॉस्टल में ले गया। वहां पर आकाश द्वारा भी युवती के साथ बार-बार दुष्कर्म किया। नशीली गोली खिलाने के चलते वह नशे की हालत में रही। जब युवती का नशा हल्का हुआ तो पीड़िता ने अपने को एक होटल में पाया। वहां से दोनों आरोपी फरार मिले। उसके बाद पीड़िता ने आरोपी आकाश और राजीव के खिलाफ जबरन नशा कर दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी है।

लगता है डबल इंजन वालों के बीच में एक और इंजन आ गया है: अखिलेश यादव

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 27 जुलाई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य दिल्ली की वाई-फाई के पासवर्ड हैं। उन्होंने केशव को मोहरा बताते हुए कहा कि आप (मीडिया) बस दिल्ली के वाईफाई पासवर्ड का खेल देखिए। प्रदेश सपा मुख्यालय पर शुक्रवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने भाजपा के अंदरूनी मतभेदों को लेकर चल रहीं चर्चाओं पर निशाना साधा। इसके अलावा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के माध्यम से कहा कि लगता है डबल इंजन वालों के बीच में एक और इंजन आ गया है, जो दिल्ली-लखनऊ के बीच शंटिंग करता है। ऐसा लग रहा है कि दो राजधानियों के बीच कोई इंटरसिटी आवागमन सेवा चल रही है। अखिलेश से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा बैठक में केशव के न आने के संबंधित सवाल पूछा गया था। अखिलेश ने जवाब में कहा कि ऐसा इसलिए है कि कुछ लोग मोहरा बन गए है। उन्होंने कहा कि केशव आरक्षण को लेकर उत्तर

प्रदेश शासन को इसलिए पत्र लिख रहे हैं क्योंकि वे दोनों पालों में रहने का प्रयास कर रहे हैं। ताकि, इधर भी बदनाम न हों और उधर भी काम चलता रहे। उन्होंने कहा कि अपने मानसून ऑफर 100 लाओ-सरकार बनाओ को विंटर सीजन (शीतकाल) तक विस्तारित करेंगे। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन राज्यपाल सरकार पर चिट्ठी लिख जातिवादी होने का आरोप लगाते थे। आज भी देखा जाए कि राजनीतिक और नौकरशाही के शीर्ष नेतृत्व पर कौन लोग बैठे हैं। उन्होंने कहा कि सपा पर भाजपा मुस्लिम-यादव (माय) पार्टी होने का आरोप लगाती थी। लोकसभा चुनाव में उसके माय (मोदी-योगी) फेल हो गए। उन्होंने चुनाव में फर्रुखाबाद समेत कई जिलों के अधिकारियों पर भेदभाव खेल करने का आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि सपा के बागी विधायकों की सदस्यता खत्म करने के लिए लिखकर देंगे। हमारी विधानसभा हमको न्याय देगी। अखिलेश यादव ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर संविधान मान स्तंभ का अनावरण किया। कहा कि ये स्तंभ प्रदेश में सपा के सभी जिला व शहर कार्यालयों पर लगेंगे। संविधान मान स्तंभ की विस्तृत रूपरेखा पूर्व सांसद अरविंद सिंह ने रखी। इस अवसर पर सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अखिलेश ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे लोग जिनके पास संपर्क और पैसा है, वे लोग लखनऊ के सरोजिनी नगर के हत्या के मामले में खुलासा नही होने दे रहे हैं। कांग्रेस का मोहरा बन चुके सपा बहादुर श्री अखिलेश यादव जी भाजपा को लेकर ग़लतफ़हमी पालने, अति पिछड़ों को निशाना बनाने,अपमान करने की जगह सपा को समाप्त होने से बचाने पर ध्यान दें।

पुरानी पेंशन पर आर-पार की लड़ाई

नई दिल्ली, 27 जुलाई। केंद्रीय बजट में सरकार ने अपने कर्मचारियों को यह सख्त संदेश दे दिया है कि उन्हें ओपीएस नहीं मिलेगी। सरकार को कई बार मांग पत्र सौंपने वाले कर्मचारी संगठन भी अब पुरानी पेंशन के मुद्दे पर आरपार की लड़ाई करने का मन बना चुके हैं। अगले माह केंद्रीय एवं राज्यों के कर्मचारी संगठनों के कई बड़े प्रदर्शन देखने को मिलेंगे। पेंशन के मुद्दे पर 15 जुलाई को वित्त मंत्रालय की कमेटी की बैठक का बहिष्कार करने वाले अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, दो अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ, 13-14 अगस्त को राष्ट्रव्यापी आंदोलन पर फैसला लेगा। नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत ने सरकार को चेतावनी दी है कि एक महीने के भीतर अगर ओपीएस पर गजट नहीं आता है तो 'संसद घेराव' की तिथि का एलान कर दिया जाएगा। बता दें कि पुरानी पेंशन बहाली, जिसके लिए विभिन्न केंद्रीय संगठन लंबे समय से आवाज उठा रहे थे, बजट में उसका जिक्र तक नहीं किया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में आठवें वेतन आयोग के गठन को लेकर भी कोई घोषणा नहीं की। यह वित्त मंत्री का सरकारी कर्मियों के लिए सख्त संदेश था कि उन्हें एनपीएस में ही रहना होगा। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण के दौरान कहा, वे नेशनल पेंशन सिस्टम को लेकर सरकारी कर्मचारियों की चिंताओं से अवगत हैं। इस बाबत जल्द ही एक समाधान की घोषणा की जाएगी।

सात वर्षों में यूपी में दोगुनी हुई प्रति व्यक्ति आय: सीएम योगी

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 27 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 9वीं बैठक में कहा कि सात वर्षों में यूपी में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई है। नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की गौरवशाली उपलब्धियों को रखा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर, समृद्ध, सक्षम, समर्थ, समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत भारत के दृष्टिकोण को दिखाता है। प्रधानमंत्री के इस विजन को साकार करना ही हमारा मिशन है। उत्तर प्रदेश भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सात वर्ष पहले यह प्रदेश एक बीमारू राज्य और देश के विकास का बैरियर माना जाता था। आज यह अनलिमिटेड पोटेंशियल (असीमित संभावनाओं) वाले राज्य के रूप में स्थापित हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत कानून-व्यवस्था, कारोबारी सुगमता, निवेश अनुकूल नीतियों और सुशासन के कारण उत्तर प्रदेश आज देश में निवेश के ड्रीम डेस्टिनेशन

(अनुकूल स्थान) के तौर पर उभरा है। उन्होंने एमएसएमई, महिला सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, पीएम गति शक्ति, स्वास्थ्य एवं पोषण पर चरणवार यूपी की उपलब्धियां गिनाईं। सीएम योगी ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था को 10 खरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सभी विभागों को 10 सेक्टरों में वर्गीकृत करते हुए नियोजित प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश फ्रंट रनर कैटेगरी में शामिल हो गया है। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक प्रदेश की 351 बेस्ट प्रैक्टिसेस वर्तमान में नीति आयोग के 'नीति फॉर स्टेट्स पोर्टल' पर अपलोड हैं। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगामी जनवरी, 2025 में प्रयागराज महाकुंभ में आमंत्रित करते हुए कहा कि 12 वर्ष के बाद यह पावन अवसर आता है। राज्य सरकार महाकुंभ-2025 के स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है। सभी तैयारियां पूर्ण होने की ओर हैं। सीएम योगी ने कहा कि कानून के राज से देश-विदेश में प्रदेश के बारे में धारणा बदली है।

प्रह्लाद जोशी ने ममता की आश्रय टिप्पणी पर साधा निशाना

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 27 जुलाई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आश्रय वाली टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने निशाना साधा। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि केंद्र घुसपैठियों और रोहिंग्याओं से सख्ती से निपट रहा है। केंद्रीय बजट 2024-25 के बाद विपक्ष गठबंधन के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया। जिसकी भाजपा ने आलोचना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया जो वांछनीय नहीं था। उन्होंने तेलंगाना सीएम को भविष्य में ऐसा न दोहराने की सलाह दी। वहीं नीति आयोग की बैठक से ममता बनर्जी बाहर चली गई। इस पर प्रल्हाद ने ममता पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें सिर्फ पांच मिनट के बाद बोलने से रोक दिया गया। उन्होंने इंडी गठबंधन और ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विपक्ष बिल्कुल भी गठबंधन नहीं है क्योंकि पश्चिम बंगाल की सीएम ने राज्य में एक भी सीट की पेशकश नहीं की। यहां हर कोई जानता है कि वह कैसे काम करती हैं वे अपने राज्य में कांग्रेस को कितना सम्मान देती हैं। मंत्री यह भी कहा कि सब्जियों और फलों की कीमतें नियंत्रित करने के लिए देश के प्रमुख उपभोग केंद्रों के पास सब्जी उत्पादन के बड़े पैमाने पर क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, रोहिंग्या या कोई अन्य घुसपैठ, खासकर हमारे सत्ता में आने के बाद, हम बिना मजबूती से इससे निपट रहे हैं। लेकिन आप सीमाओं को भी जानते हैं क्योंकि 70 और 80 के दशक के बाद पिछले कई सालों से ये तुष्टीकरण अपने चरम पर पहुंच गए हैं। कोलकाता के एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने हिंसाग्रस्त बांग्लादेश का जिक्र करते हुए कहा कि वह पड़ोसी देश से संकट में फंसे लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी। इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, ममता बनर्जी का हालिया बयान और इस तरह की गतिविधि जटिलताएं बढ़ाएंगी। हालांकि केंद्र सरकार बहुत दृढ़ है। इसको रोकने के लिए सीमा को सील कर दिया गया है, इसके अलावा कई कदम उठाए गए हैं। प्रह्लाद जोशी ने दयानिधि

मारन की टिप्पणी का खंडन किया। दयानिधि मारन ने 2024-25 के बजट की आलोचना करते हुए कहा था कि यह मध्यम वर्ग के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहा है। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को सबसे अधिक धनराशि, अनुदान सहायता भी मिली है। उन्होंने कहा, चूंकि उनके पास मोदी सरकार के खिलाफ ऊंची आवाज में बात करने के लिए कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वे ऐसे मुद्दे उठाने की कोशिश कर रहे हैं, जो गैर-मुद्दे हैं। वहीं केंद्रीय बजट पर बात करते हुए प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह प्रगतिशील और विकासोन्मुखी है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार डॉ. स्वामीनाथन की सिफारिशों को लागू कर रही है कि एमएसपी उत्पादन की भारित औसत लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जब यूपीए सत्ता में थी, तो वह ऐसा नहीं कर सकी। वहीं नीति आयोग की बैठक का रेवंत रेड्डी के बहिष्कार करने पर उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होने के बाद सभी को राजनीति को अलग रखना चाहिए और विकास के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, आप तेलंगाना के लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं, जो आपको नहीं करना चाहिए। मैं रेवंत रेड्डी को सलाह दे रहा हूं कि आगे ऐसा नहीं करें। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में पिछली बीआरएस सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उठाने में विफल रही और उम्मीद जताई कि राज्य में कांग्रेस सरकार इस अवसर का लाभ उठाएगी।

गौरव गोगोई ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 27 जुलाई। लोकसभा अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के खिलाफ धमकाने वाली और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया है। कांग्रेस सांसद ने अपने पत्र में लोकसभा अध्यक्ष से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की और उम्मीद जताई कि वह संसद सदस्यों के खिलाफ निंदनीय बयान देने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेंगे। गौरव गोगोई ने पत्र में कहा कि मैं आपको लोकसभा में संसदीय आचरण के गिरते मानकों के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के लिए लिख रहा हूं, जैसा कि चल रहे मानसून सत्र के कई उदाहरणों से स्पष्ट है। अक्सर, सरकार के मंत्री ही विपक्षी दलों के सदस्यों के खिलाफ असंसदीय, आपत्तिजनक और धमकाने वाली टिप्पणियां करते हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 26 जुलाई को केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया, जो संसद के सदस्य नहीं हैं। इस कड़ी में गोगोई ने आरोप लगाया कि 25 जुलाई को केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी का जिक्र करते हुए असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने सदन में अपने हस्तक्षेप के दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की तरफ से सांप्रदायिक भाषा का इस्तेमाल करने का उदाहरण भी दिया। उन्होंने पत्र में कहा कि यह देखना निराशाजनक है कि संसदीय कार्य मंत्री सदन में मौजूद होने के बावजूद इन घटनाओं के दौरान अपने सहयोगियों को नियंत्रित करने में सक्षम थे। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कि सदन का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना एक सामूहिक जिम्मेदारी है, गोगोई ने कहा कि यह भी महत्वपूर्ण है कि सरकार एक सक्रिय और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाए। गौरव गोगोई ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस सरकार ने लगातार संसद की प्रक्रियाओं, परंपराओं और शिष्टाचार की अनदेखी की है, जिससे विपक्ष की आवाज के लिए कोई जगह नहीं बची है। गोगोई ने कहा कि सदन के प्रत्येक सदस्य की अपने मतदाताओं की आवाज का प्रतिनिधित्व करने की समान जिम्मेदारी है और इस बात पर जोर दिया कि मतभेद का परिणाम अनादर नहीं होना चाहिए। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा, सदन के संरक्षक के रूप में हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप आचार संहिता का पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी सदस्य, चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, संसद के मानदंडों का उल्लंघन न कर सके। गोगोई ने कहा- मैं आपसे इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह करता हूं और आशा करता हूं कि आप संसद सदस्यों के खिलाफ ये निंदनीय बयान देने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेंगे।

जयशंकर ने लाओस के पीएम सिफांडोन से की मुलाकात, भारतीय नागरिकों की तस्करी के मुद्दे पर की चर्चा

एजेंसी

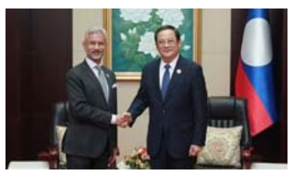

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफांडोन से वियनतियाने में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दक्षिण पूर्व एशियाई देश में साइबर घोटाला केंद्रों के जरिए भारतीय नागरिकों की तस्करी का मुद्दा उठाया तथा रक्षा एवं ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विकास साझेदारी और सहयोग पर चर्चा की। बता दें, फिलहाल जयशंकर दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस की राजधानी में मौजूद हैं। उन्होंने बैठक में भाग लेने वाले साथी विदेश मंत्रियों के साथ-साथ सिफांडोन से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'लाओस के पीएम सोनेक्से सिफांडोन से मुलाकात करते हुए खुशी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से हार्दिक बधाई दी। रक्षा, विरासत संरक्षण, ऊर्जा, डिजिटल और क्षमता निर्माण में हमारी विकास साझेदारी और सहयोग पर चर्चा की।

ओरेगन और वॉशिंगटन में जंगलों में लगी भीषण आग, 10 लाख एकड़ जंगल जलकर खाक

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के ओरेगन और वॉशिंगटन के जंगलों में हवा और बिजली गिरने से भीषण आग लग गई। इसके चलते 10 लाख एकड़ से ज्यादा जंगल जलकर राख हो गया है। अधिकारियों के मुताबिक आग लगातार आबादी की ओर बढ़ रही है। इसके चलते जंगल के किनारे बसे कई इलाकों को खाली कराया गया है। वहीं आग को बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। 17 जुलाई को अमेरिका के ओरेगन के जंगल में बिजली गिरने से आग लगी थी। इस दौरान 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चली हवाओं ने झाड़ियों और जंगलों में आग को फैला दिया। इसके चलते ओरेगन समेत वॉशिंगटन का जंगली इलाका आग की चपेट में आ गया। इसमें अब तक सैकड़ों जानवरों की मौत हो चुकी है। तक आग ने ओरेगन के 1553 वर्ग किमी और हटिंगटन के 160 किमी क्षेत्र को जलाकर राख कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि केवल 20 फीसदी आग पर ही काबू पाया जा सका। ओरेगन की नॉर्थ वेस्ट इंटरएजेंसी के मुताबिक इस साल जंगली आग में ओरेगन में लगभग 10 लाख एकड़ और वॉशिंगटन में 125900 एकड़ जंगल जलकर खाक हो चुका है।

चक्रवाती तूफान गेमी से ताइवान में मचाई तबाही, आठ की मौत, सैकड़ों घायल

ताइवान।चक्रवाती तूफान गेमी ने ताइवान में भीषण तबाही मचाई है। इस तूफान से अब तक ताइवान में आठ लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। ताइवान की सेंटल इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर ने यह जानकारी दी है। सीईओसी के आंकड़ों के अनुसार, एक व्यक्ति लापता भी है और घायलों की कुल संख्या 866 है। फिलहाल चक्रवाती तूफान गेमी कमजोर पड़ गया है और अब यह चीन पहुंच गया है। हालांकि तूफान के असर से अभी भी ताइवान में भारी बारिश की आशंका है। चक्रवाती तूफान गेमी से एक 64 वर्षीय स्कूटर सवार महिला की मौत हुई है, जिस पर कोहसिउंग इलाके में एक पेड़ गिर गया। वहीं हुआलिएन शहर में 44 वर्षीय एक व्यक्ति के घर की छत गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। कोहसिउंग इलाके में ही एक 78 वर्षीय व्यक्ति की भूस्खलन में मौत हुई है। इसी तरह चक्रवाती तूफान से जनित घटनाओं में अलग-अलग इलाकों में कुल आठ लोगों की मौत हुई है। दो लोगों के शव बाढ़ ग्रस्त खेतों से बरामद किए गए हैं, जिनकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। कुओ नाम का व्यक्ति लापता है और उसकी तलाश की जा रही है।

मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी ने पिता को बताया क्रूर; कहा- रिश्ता नहीं रखना चाहती, मुझे प्रताड़ित किया

वाशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी विवियन जेना विल्सन ने अपने पिता को क्रूर और निर्दयी बताया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विवियन ने कहा कि मैं उनके साथ कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती। दरअसल, कुछ दिन पहले मस्क ने एक इंटरव्यू में कहा था कि जेंडर बदलवाने की सर्जरी ने उनसे बेटे को अलग कर दिया था। इस पर जवाब देते हुए 20 वर्षीय विवियन ने कहा, मस्क ने कहा था कि मैं एक लड़की नहीं हूं। मैं उनके लिए मर चुकी हूं। यह कहकर उन्होंने हद पार कर दी। अगर वे लाखों लोगों के सामने झूठ बोलेंगे तो मैं इसे किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं करूंगी। बता दें कि एलन मस्क के बेटे जेवियर ने 2022 में अपना जेंडर बदलवाया था। इतना ही नहीं विवियन ने कहा कि एलन मस्क ने कभी भी एक अच्छे पिता की तरह बर्ताव नहीं किया। उन्होंने पिता के तौर पर कभी भी हमारा साथ नहीं दिया। जब हमें उनकी जरूरत थी तो मुझे और मेरे भाई-बहनों को मां के पास छोड़ दिया। वे जब भी मिलते थे तो हमसे बुरा बर्ताव करते थे। हमेशा चिल्लाते रहते थे। वे लापरवाह थे।

डोनाल्ड ट्रंप से मिले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू

एजेंसी

वांशिगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीद्वार व पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा रिसॉर्ट में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इससे एक दिन पहले नेतन्याहू ने वाशिंगटन में राष्ट्रपति जो बाइडन और हैरिस के साथ अलग-अलग बैठकों में मुलाकात की थी।

ट्रंप ने नेतन्याहू का गर्मजोशी से स्वागत किया और पत्रकारों से कहा कि उनके बीच बहुत अच्छे संबंध हैं, उन्होंने उनके बीच तनाव के किसी भी संकेत को खारिज कर दिया। हैरिस ने गुरुवार को अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों में बाइडन की तुलना में अधिक जोरदार लहजे में बात की, उन्होंने नेतन्याहू पर गाजा में युद्धविराम तक पहुंचने में मदद करने का दबाव डाला। इस बात के बाद हैरिस ने कहा, इस युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है, और फिलिस्तीनी नागरिकों पर संघर्ष के प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की।

ट्रंप ने शुक्रवार को कमला हैरिस की टिप्पणी को अपमानजनक कहा। इज़राइल के अनुसार, इस संघर्ष की शुरुआत 7 अक्टूबर को हुई जब हमास के आतंकवादियों ने गाजा से दक्षिणी इज़राइल पर हमला किया, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधक बना लिए गए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, गाजा पर इजराइल के जवाबी हमले में 39,000 से अधिक लोग मारे गए हैं और एन्क्लेव का अधिकांश हिस्सा नष्ट हो गया है। इस प्रतिक्रिया ने गाजा के 2.3 मिलियन लोगों में से अधिकांश को विस्थापित कर दिया है और मानवीय संकट पैदा कर दिया है। बिडेन प्रशासन ने फिलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए नेतन्याहू पर अधिक दबाव नहीं डालने के लिए कुछ डेमोक्रेट की आलोचना की है। ट्रम्प ने युद्ध को तुरंत समाप्त करने का आह्वान भी किया है, उन्होंने गुरुवार को फॉक्स न्यूज को बताया कि इजरायल इस प्रचार से तबाह हो रहा है।

भारत-नेपाल-बांग्लादेश त्रिदेशीय विद्युत व्यापार समझौता कार्यक्रम स्थगित

एजेंसी

काठमांडू। भारत के रास्ते नेपाल द्वारा बांग्लादेश को बिजली बेचने के लिए 28 जुलाई को यहां होने वाला त्रिदेशीय समझौता कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। बांग्लादेश में कुछ समय पहले तक हुए छात्र आंदोलन के कारण इस कार्यक्रम को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने को लेकर सहमति बनी है। ऊर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता नवीनराज सिंह ने कहा कि बांग्लादेश सरकार की तरफ से लिखित अनुरोध आने के बाद 28 जुलाई को काठमांडू में होने वाले त्रिदेशीय समझौता कार्यक्रम को स्थगित किया गया है। इस समझौते के लिए भारत से ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल तथा बांग्लादेश से ऊर्जा राज्यमंत्री के आने का कार्यक्रम तय था। बांग्लादेश की तरफ से नेपाल से बिजली खरीदने का समझौता हो चुका है। भारत के रास्ते बांग्लादेश को 400 मेगावाट बिजली निर्यात करने को लेकर नेपाल की तरफ से तैयारी पूरी हो चुकी है। इस समझौते को लेकर भारत सरकार ने नेपाल के झापा जिला स्थित पानीटंकी से पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी होते हुए बांग्लादेश की सीमा तक डेडीकेटेड ट्रांसमिशन लाइन बनाने को लेकर सहमति दे दी है।

यूरोपीय संघ ने 'फ्रीज' रूसी धनराशि के ब्याज में मिले 1.6 अरब डॉलर यूक्रेन को सहायता के तौर पर दिए

एजेंसी

हेग (नीदरलैंड्स)। यूरोपीय संघ (ईयू) ने फ्रीज रूसी धनराशि के ब्याज से मिले 1.5 अरब यूरो (1.6 अरब अमेरिकी डॉलर) यूक्रेन की सहायता के लिए देने की घोषणा की। हालांकि यह रूसी धनराशि के मुनाफे से प्राप्त ब्याज की पहली खेप है। यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देश रूसी केंद्रीय बैंक की परिसंपत्तियों में शामिल 210 अरब यूरो (225 अरब अमेरिकी डॉलर) से अर्जित ब्याज का मई में युद्धग्रस्त यूक्रेन को सैन्य सहायता पहुंचाने तथा वहां पुनर्निर्माण के प्रयासों पर खर्च करने पर सहमत हुए थे। रूस द्वारा यूक्रेन में पूर्ण युद्ध छेड़ने पर उसपर (रूस पर) पाबंदियां लगाने के तहत उसके (रूस) पैसे को 'फ्रीज' कर दिया गया था। इनमें से ज्यादातर पैसा बेल्जियम में है। ब्रुसेल्स का अनुमान है कि इन परिसंपत्तियों पर ब्याज से प्रति वर्ष लगभग तीन अरब यूरो प्राप्त हो सकता है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सूला वोन डेर लेयेन ने एक बयान में कहा, ''यूरोपीय संघ यूक्रेन के साथ खड़ा है। आज हम यूक्रेन की रक्षा और पुनर्निर्माण के लिए 'फ्रीज' रूसी परिसंपत्तियों से प्राप्त 1.5 अरब यूरो उसे अंतरित कर रहे हैं। क्रेमलिन के पैसे का इससे बेहतर उपयोग नहीं हो सकता कि यूक्रेन और पूरे यूरोप को रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाया जाए।'' यह कदम रूस द्वारा पूर्वी यूक्रेन के दो गांवों पर पुनः कब्जा करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद उठाया गया है।

लाओस में एस. जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री समेत कई देशों के समकक्षों से मुलाकात की

एजेंसी

वियनतियाने (लाओस)। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) की बैठकों में शामिल होने लाओस पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव और ब्रुनेई, न्यूजीलैंड और लाओस के अन्य नेताओं से मुलाकात की और शिक्षा तथा कृषि प्रौद्योगिकी समेत द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। लाओस पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की राजधानी में है।

रूसी विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने आसियान कार्यक्रम के इतर मुलाकात की।'' जयशंकर ने ब्रुनेई और न्यूजीलैंड के अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं और शिक्षा तथा कृषि प्रौद्योगिकी सहित द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।जयशंकर ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष और देश के उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स के साथ द्विपक्षीय बैठक की। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ÷न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स से मिलकर मुझे हमेशा खुशी होती है। शिक्षा, कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशांत द्वीप समूह और क्रिकेट पर चर्चा हुई।जयशंकर ने ब्रुनेई के अपने समकक्ष दातो हाजी एरीवान के साथ भी बैठक की। दोनों नेताओं ने भारत और ब्रुनेई के बीच राजनयिक संबंधों के 40 वर्ष पूरे होने के मौके पर 'लोगो' जारी किया। जयशंकर ने कहा, मुझे विश्वास है कि हमारे मधुर एवं मैत्रीपूर्ण संबंध और भी प्रगाढ़ होंगे। उन्होंने लाओस के गृह मंत्री विलायवो एनजी बौड्डखम, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री मलाइथोंग कोमासिथ, विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष सन्या प्रसुथ और विशेष दूत अलौंकियो किट्टीखौन से भी मुलाकात की।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय का चांसलर बनना चाहते हैं जेल में बंद इमरान खान

एजेंसी

इस्लामाबाद/लंदन। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पूर्व क्रिकेटर इमरान खान अब ब्रिटेन स्थित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में चासंलर बनना चाहते हैं। जानकारी के मुताबिक जेल में बंद इमरान खान ने चांसलर पद के लिए जेल से ही ऑनलाइन नामांकन कर चुनाव लड़ना चाहते हैं। ज्ञात रहे कि इमरान खान ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है। यह जानकारी उनके करीबी सहयोगी और मीडिया की खबरों से मिली।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री खान (71) कई मामलों में गिरफ़्तार किए जाने के बाद अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। खान को कुछ मामलों के लिए दोषी भी ठहराया गया है जिनमें सबसे लंबी सजा नौ साल की है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान अगस्त 2018 से अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे खान ने 1972 में केबल कॉलेज, ऑक्सफ़ोर्ड में अर्थशास्त्र और राजनीति का अध्ययन किया। उन्होंने 1971 में पाकिस्तान के लिए पहला टेस्ट क्रिकेट मैच खेला और साथ ही ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम की कप्तानी भी की। वर्ष 2005 में, खान ब्रैडफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के चांसलर बने और 2014 तक इस पद पर रहे।

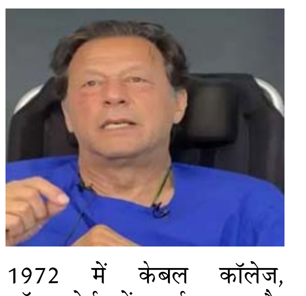

'द टेलीग्राफ', ब्रिटेन की खबर के अनुसार, ''इमरान खान पाकिस्तान की जेल से ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के चांसलर पद का चुनाव लड़ेंगे। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पूर्व क्रिकेटर खान 10 साल की जेल की सजा काट रहे हैं, इसके बावजूद वह ऑनलाइन चुनाव में हिस्सा लेंगे।अखबार ने खान के अंतरराष्ट्रीय मामलों के सलाहकार एवं उद्यमी सईद जुल्फी बुखारी के हवाले से कहा कि इमरान खान ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के चांसलर पद का चुनाव लड़ेंगे क्योंकि जनता की मांग है कि उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए।पहली बार चांसलर के लिए चुनाव ऑनलाइन होगा जबकि पारंपरिक प्रक्रिया में स्नातकों को पूरी शैक्षणिक पोशाक में प्रक्रिया में शामिल होना पड़ता है।ब्रिटेन के अखबार ने कहा कि प्रतिष्ठित चांसलर का पद विश्वविद्यालय के स्नातकों को मिलता है, जो आमतौर पर नेता होते हैं। बुखारी ने कहा कि इमरान खान इस पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री सर टोनी ब्लेयर और बोरिस जॉनसन भी विश्वविद्यालय के चांसलर बनने के लिए उम्मीदवारों में शामिल हैं। हालांकि, खुद खान या उनकी पार्टी पीटीआई की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ज्ञात रहे कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में यह पद 80 वर्षीय लॉर्ड पैटन के इस्तीफे के बाद रिक्त हुआ है, जिन्होंने 21 वर्षों तक इस पद पर रहने के बाद पद छोड़ दिया है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का दावा- गर्मी बढ़ा रही मजदूरों का तनाव, बीमारियों के हो रहे शिकार

एजेंसी

काठमांडू।अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की नई रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दुनिया भर में गर्मी के तनाव से बेहाल हो रहे श्रमिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नए आंकड़े बताते हैं कि जिन क्षेत्रों में पहले गर्मी नहीं पड़ती थी, अब वो तापमान बढ़ने के कारण बढ़ते जोखिम का सामना करेंगे। इससे पहले से ही गर्म स्थानों पर काम कर रहे लोगों को और भी खतरनाक हालात का सामना करना पड़ेगा।

अध्ययन में कहा गया कि गर्मी से होने वाला तनाव अदृश्य होता है और स्वास्थ्य पर चुपचाप असर डालता है। जिससे बहुत ही कम समय में बीमारी, लू लगने जैसे गंभीर परिणाम सामने आते हैं और कई मामलों में मौत भी हो सकती है। लंबे समय में इससे दिल, फ़ेफड़ों व किडनी की गंभीर बीमारी भी हो सकती है। रिपोर्ट में संकेत दिए गए हैं कि अफ्रीका, अरब देशों और एशिया-प्रशांत के श्रमिक गर्मी के अधिक संपर्क में आते हैं। रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक परिवर्तनशील कामकाजी स्थिति यूरोप और मध्य एशिया में देखने को मिल रही है। इस क्षेत्र में वर्ष 2000 से 2020 तक अत्यधिक गर्मी से सम्पर्क में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई। इससे प्रभावित श्रमिकों का अनुपात 17.3 फ़ीसदी के हिसाब से बढ़ा, जोकि वैश्विक वृद्धि के औसत से दोगुना था। अमेरिका और यूरोप व मध्य एशिया क्षेत्र गर्मी के तनाव की वजह से कार्यक्षेत्र में चोट लगने की घटनाओं में भी सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2020 में विश्व स्तर पर 4,200 कर्मियों को गर्म हवाओं के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी।

बराक ओबामा ने भी किया कमला हैरिस का समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को आखिरकार पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा का भी समर्थन प्राप्त हो गया है। इस प्रकार कमला हैरिस के राह की आखिरी अड़चन भी समाप्त हो गई है। यह तय हो गया है कि वे आगामी 8 अगस्त को डेमोक्रेट रूल्स कमेटी की तयशुदा शर्तों के आधार पर पार्टी की अधिकृत उम्मीदवार घोषित की जाएंगी।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने स्वयं अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल 'एक्स' पर कमला हैरिस के नाम पर सहमति जताने का संदेश लिखा है। बराक ओबामा ने लिखा, '' इस सप्ताह मिशेल और मैंने अपनी मित्र ञ्चकमला हैरिस से बात की। हम समझते हैं कि वह अमेरिका की शानदार राष्ट्रपति सिद्ध होंगी, इसलिए अपने देश के सामने खड़ी कठिन चुनौती के बीच हम उनका पूर्ण समर्थन करते हैं। हम उनके लिए हर वो काम करेंगे, जिससे वे नवंबर में होने वाले चुनाव में जीत सकें। हमें उम्मीद है कि आप सब भी हमारा सहयोग करेंगे।''

बराक ओबामा के इस ट्वीट के बाद कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से एकमात्र और सशक्त उम्मीदवार हो गई हैं और सभी आशंकाएं समाप्त हो गई हैं। दरअसल, राष्ट्रपति जो बाइडेन के पीछे हटने और उनके द्वारा ही उप राष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम आगे करने के बाद से उन्हें पार्टी में चौतरफा समर्थन मिला। बिल और हिलेरी क्लिटन के साथ ही नैन्सी पेलोसी ने भी उनके नाम का समर्थन कर दिया था। लोगों को बराक ओबामा के समर्थन का इंतजार था, जो उन्होंने गुरुवार को घोषित कर दिया।इस संबंध में कमला हैरिस ने स्वयं एक वीडियो कॉल अपने 'एक्स हैंडल 'पर जारी किया है, जिसमें बराक ओबामा उन्हें फोन कर उनका समर्थन करते हुए सुनाई दे रहे हैं। बराक ओबामा अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति हुए हैं। इस दृष्टि से भी कमला को उनका समर्थन खासा महत्व रखता है। यदि नवंबर में होने वाले

चुनावों में डोनाल्ड ट्रम्प को हराकर कमला हैरिस अमेरिका की राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो वे अमेरिका कि पहली महिला, पहली अश्वेत महिला और दक्षिण एशियाई मूल की पहली अमेरिकी राष्ट्रपति होंगी। कमला हैरिस का नाम सामने आने के बाद से ट्रम्प को मिल रही बढ़त रुक सी गई है बल्कि पापुलर वोट में कमला हैरिस थोड़ा आगे ही बढ़ती नजर आ रही हैं।

ड्रग स्मगलर्स के संगठन सिनालोआ कार्टेल पर अमेरिकी प्रहार, दुनियाभर में कुख्यात इस्माइल एल मेयो और लोपेज गिरफ्तार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के न्याय विभाग ने दुनिया के सबसे खतरनाक, हिंसक और शक्तिशाली मादक पदार्थ तस्करी संगठनों में से एक सिनालोआ कार्टेल के दो कुख्यात सरगना को गिरफ्तार किया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको के कुख्यात ड्रग माफिया और सिनालोआ कार्टेल के सह-संस्थापक इस्माइल एल मेयो जाम्बाडा को अमेरिकी संघीय एजेंटों ने टेक्सास के एल पासो में गिरफ्तार कर लिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, साथ ही ड्रग तस्करी की दुनिया का 'गॉडफादर' कहे जाने वाले एल चैपो गुजमैन के बेटे जोआक्विन गुजमैन लोपेज को भी गिरफ्तार किया गया है। जाम्बाडा पर फेंटानाइल के निर्माण तथा तस्करी और अन्य ड्रग्स (कोकीन, हेरोइन, मेथामफेटामाइन) की तस्करी के आरोप हैं। उसकी गिरफ्तारी के लिए अमेरिकी सरकार ने 125 करोड़ रुपये का इनाम घोषित किया था।

बताया गया है कि 76 वर्षीय जाम्बाडा और एल चैपो गुजमैन साथ मिलकर अपराध करते थे।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पर्यटकों के लिए सबसे खतरनाक शहरों में हैं भारत के पड़ोसी देशों के ये शहर

एजेंसी

वाशिंगटन। पाकिस्तान कई आतंकवादी संगठनों का गढ़ रहा है। पेशावर से लेकर क्वेटा तक आए दिन आतंकवादी घटनाएं होती रहती हैं। वहीं, यह आर्थिक संकटों से घिरा हुआ है। पाकिस्तान चाहता है कि उसके यहां पर्यटक आएं, जिनसे उसकी कमाई हो। मगर इसकी उम्मीदों पर एक रिपोर्ट ने पानी फेर दिया है। दरअसल, रिपोर्ट में कराची को पर्यटकों के लिए दूसरा सबसे जोखिम भरा शहर माना गया है। इसे 100 में 93.12 स्कोर दिया गया है। हालांकि, पहले नंबर यानी 100 फीसदी के स्कोर के साथ वेनेजुएला का कराकस सबसे खतरनाक शहर माना गया है। 11 जुलाई को सबसे जोखिम भरे शहरों की सूची सामने आई। इसमें पहले नंबर पर कराकस तो दूसरे नंबर पर कराची शहर रहा। जबकि तीसरे नंबर पर 91.67 स्कोर के साथ म्यांमार का यांगून दुनिया का तीसरा सबसे खतरनाक शहर रहा। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश की राजधानी ढाका भी सबसे खतरनाक शहरों की सूची में शामिल है। उसे छठे नंबर पर रखा गया है। रिपोर्ट कहती है कि कराची को अमेरिकी विदेश विभाग से दूसरी सबसे खराब यात्रा सुरक्षा रेटिंग मिली है, जो यात्रा पर पुनर्विचार करने को कहता है। रैंकिंग में आगे कहा गया है कि कराची में चौथा सबसे बड़ा बुनियादी ढांचा सुरक्षा जोखिम है। जो शहर के बुनियादी ढांचे की उपलब्धता और गुणवत्ता को दर्शाता है।रिपोर्ट में कहा गया कि पर्यटकों के लिए सबसे अधिक और सबसे कम जोखिम वाले शहरों की सूची बनाने के लिए सात प्रमुख कारक नजर में रखे गए। दुनिया के 60 शहरों की तुलना अपराध, व्यक्तिगत सुरक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, प्राकृतिक आपदाओं और डिजिटल सुरक्षा के आधार पर की गई। ऐसा नहीं है कि कराची पहली बार सबसे जोखिम भरा शहर माना गया है। वह बार-बार नहीं रहने लायक शहरों की सूची में आता रहा है। 2017 में इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट की ओर से कराची को दुनिया के सबसे कम सुरक्षित शहरों में नामित किया गया था। दुनिया के खतरनाक शहरों की ही तरह सबसे सुरक्षित शहरों की भी सूची सामने आई है। दुनिया के सबसे सुरक्षित शहरों में सिंगापुर है। सिंगापुर को 100 में से शून्य अंक मिले हैं। इसे इसकी सुरक्षा, न्यूनतम प्राकृतिक आपदा जोखिम और उत्कृष्ट स्वास्थ्य देखभाल और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के कारण रैंकिंग मिली है।वहीं, जापान का टोक्यो शहर दुनिया का दूसरा सबसे सुरक्षित शहर है। वहीं कनाडा का टोरंटो शहर तीसरा सबसे सुरक्षित शहर है।

पर्यटकों के लिए टॉप 10 सबसे खतरनाक शहर-

वेनेजुएला का कराकस,
पाकिस्तान का कराची
म्यांमार का यांगून
नाइजीरिया का लागोस
फिलीपींस का मनीला
बांग्लादेश का ढाका
कोलंबिया का बोगोटा
मिस्र का काहिरा
मैक्सिको सिटी
इक्वाडोर

पर्यटकों के लिए सबसे सुरक्षित शहर-

सिंगापुर
जापान का टोक्यो
कनाडा का टोरंटो
ऑस्ट्रेलिया का सिडनी
स्विट्जरलैंड का ज्यूरिख
डेनमार्क का कोपेनहेगन
दक्षिण कोरिया का सियोल
जापान का ओसाका
ऑस्ट्रेलिया का मेलबर्न
नीदरलैंड का एम्स्टर्डम

राहुल गांधी ने वियतनाम कम्युनिस्ट पार्टी के दिवंगत नेता गुयेन फू ट्रोंग को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वियतनाम दूतावास का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के दिवंगत महासचिव गुयेन फु ट्रोंग को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका इसी महीने हनोई में 19 जुलाई को निधन हो गया था। इस दौरान राहुल गांधी ने भारत में वियतनाम के राजदूत गुयेन थान हाई से मुलाकात की। इससे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल वियतनाम की राजधानी हनोई में कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव गुयेन फु ट्रोंग के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। गुयेन फू ट्रोंग का 19 जुलाई को हनोई में निधन हो गया था। डोभाल ने वियतनाम के राष्ट्रपति टो लाम और प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चीन्ह तथा शोक संतप्त परिवार को व्यक्तिगत रूप से भारत की ओर से अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। गुयेन फु ट्रोंग ने भारत-वियतनामी संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कांग्रेस ने एमवीए सहयोगियों से बातचीत के लिए समितियां गठित कीं

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले, कांग्रेस ने महा विकास अघाड़ी गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत करने के लिए अपनी राज्य और मुंबई इकाइयों में समितियों का गठन किया। कांग्रेस राज्य में शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के साथ गठबंधन में है और उसने गठबंधन के हिस्से के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महा विकास अघाड़ी सहयोगियों के साथ बातचीत करने के लिए महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति और मुंबई क्षेत्रीय कांग्रेस समिति के लिए समितियों के गठन के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है, पार्टी के बयान में कहा गया है।

बजट के विरोध में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस ने बजट 2024-25 को जन विरोधी बताते हुए कहा कि इसमें भेदभाव हुआ है, लोक कल्याण तथा युवा रोजगार के लिए कोई प्रावधान नहीं और सिर्फ कुर्सी बचाने का प्रयास हुआ है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व करते हुए युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि बजट संघीय ढांचे के खिलाफ है। इसमें कई राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है तथा जनता के साथ धोखा है।

बजट को मोदी सरकार का कुर्सी बचाओ अभियान करार देते हुए उन्होंने कहा कि बजट में सहयोगी दलों को खुश करने और विरोधियों से बदला लेने का प्रयास हुआ है। बजट से देश के 90 प्रतिशत राज्य और इससे अधिक लोग अलग-थलग कर दिए गए हैं। देश का बजट भाजपा की सत्ता बचाने के लिए नहीं हो सकता, बल्कि यह देश की जनता की भलाई के लिए होना चाहिए लेकिन मोदी सरकार ने इसे सिर्फ 'सत्ता बचाओ बजट' बनाया है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता वरुण पांडे ने बताया कि श्री श्रीनिवास के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और दिल्ली प्रभारी कोको पाढ़ी, राष्ट्रीय महासचिव मनीष चौधरी, राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद शाहिद, अमित पठानिया, अरुणा महाजन, राजस्थान युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभिमन्यु पुनिया, हरियाणा युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मयंक चौधरी तथा अन्य कई युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने खिचड़ीपुर में कावड़ शिविर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शिव भक्त कांवड़ियों की सुविधा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस कड़ी में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय द्वारा खिचड़ीपुर में 'खिचड़ीपुर शिव कांवड़ सेवा समिति' शिविर का उद्घाटन किया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि पूरी दिल्ली में करीब 185 कांवड़ शिविर लगाए जा रहे हैं। केजरीवाल सरकार ने सभी जिला प्रशासन को कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए हर जरूरी कदम सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। दिल्ली सरकार की तरफ से हर वर्ष भगवान भोलेनाथ के भक्त और कावड़ियों के लिए शिविर कैंप लगाए जाते हैं। यह शिविर कैंप पूरी तरह से वाटर प्रूफ है। इसके अलावा इन कैंपों के अंदर मेडिकल से लेकर पानी, सोने के लिए बेड, कूलर और शौचालय की समेत सभी सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई है। इस अवसर पर कोंडली के विधायक कुलदीप कुमार, त्रिलोकपुरी के विधायक रोहित महरोलिया, कल्याणपुरी से पार्षद बंटी गौतम , समिति के अध्यक्ष श्री सुरज मल वर्मा ,विश्वास नगर विधानसभा के अध्यक्ष दीपक सिंगला, सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम भट्ट समेत अन्य लोग मौजूद थे।

भारत ने अंतर्राष्ट्रीय संगठन एशियाई आपदा तैयारी केन्द्र की अध्यक्षता संभाली

एजेंसी

नई दिल्ली। आपदा राहत और बचाव के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे भारत ने अंतर्राष्ट्रीय संगठन एशियाई आपदा तैयारी केन्द्र की अध्यक्षता का कार्यभार संभाल लिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य और विभागाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने भारत के प्रतिनिधि के रूप में थाइलैंड के बैंकॉक में बृहस्पतिवार को वर्ष 2024-25 के लिए चीन से इस केन्द्र की अध्यक्षता का कार्यभार संभाला। यह केन्द्र एशिया और प्रशांत क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोग और कार्यान्वयन के लिए एक स्वायत्त अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। भारत और आठ पड़ोसी देश बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, नेपाल, पाकिस्तान, फिलीपींस, श्रीलंका और थाईलैंड

इसके संस्थापक सदस्य हैं। भारत ने बैंकॉक में आयोजित केन्द्र न्यासी बोर्ड की 5 वीं बैठक की भी अध्यक्षता की। भारत आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। भारत ने इस दिशा में कई वैश्विक पहल की हैं, जिनमें आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन की स्थापना जैसी पहल प्रमुख हैं।

दिल्ली की बदहाली के लिए सीएम केजरीवाल जिम्मेदार- वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निशाने पर लिया है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि दिल्ली की बदहाली के लिए सीएम केजरीवाल जिम्मेदार हैं।उन्होंने कहा कि सीएम केजरीवाल ने दिल्ली को बद से बदतर कर दिया है, छोटी-छोटी बारिश में दिल्ली जलमग्न हो जाती है। हम दिल्ली के बाशिंदे हैं, दिल्ली में पहले भी बारिश होती थी, लेकिन आधे से एक घंटे बाद पानी निकल जाता था। इस बार जो हालात हैं कि आधे घंटे की बारिश में सड़क पर 15-15 घंटे तक पानी जमा रहता है। हर जगह बुरा हाल है और इसका जिम्मेदार अरविंद केजरीवाल का भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि समय पर नालों की सफाई नहीं होती। पूरी दिल्ली में 18 ड्रेनेज हैं, लेकिन सफाई के नाम पर काम नहीं, सिर्फ भ्रष्टाचार

होता है। पीडब्ल्यूडी, जल बोर्ड, एमसीडी, तीनों अरविंद केजरीवाल सरकार के पास हैं। तीनों ने मिलकर जनता को लूटने का काम किया है। इसका खामियाजा दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यमुना में जो जहरीले झाग है, यह अक्सर सर्दियों में आती थी। लेकिन, अब मानसून के सीजन में भी यमुना में जहरीले झाग आ रहे हैं तो आप समझ लीजिए यमुना कितनी प्रदूषित हो चुकी है। एसटीपी प्लांट के नाम पर सिर्फ धोखा और भ्रष्टाचार किया गया है। केमिकल युक्त पानी यमुना में जा रहा है। केंद्र ने दिल्ली सरकार को हजारों करोड़ रुपये यमुना की सफाई के लिए दिए हैं। लेकिन, सब पैसा केजरीवाल हजम कर गए हैं। आप खुद देख सकते हैं कि यमुना का क्या हाल है?जेल में सीएम केजरीवाल के वजन घटने पर उन्होंने कहा कि केजरीवाल का नहीं, उनकी राजनीति का वजन घट रहा है। वह घर से 'लो डाइट फूड' ले रहे थे, ताकि वजन घटने को आधार बनाकर वह जमानत ले सकें। एम्स के डॉक्टर की टीम उनके स्वास्थ्य को मॉनिटर कर रही है।

नीट परिणाम: 61 घटकर 17 हुयी शीर्ष स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के संशोधित परिणाम जारी कर दिये और इसके बाद इस परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 61 से घटकर 17 रह गयी है।

संशोधित परिणाम उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद भौतिकी के एक प्रश्न के अंकों को ध्यान में रखते हुए घोषित किए गए , जिसके बारे में एनटीए ने कहा था कि उसके दो उत्तर सही हैं। जो विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए थे, वे नीट.एनटीएऑनलाइ.इन और एग्जाम्स.एनटीए.एसी.इन/नीट पर जाकर अपना परिणाम देख सकते हैं। नए स्कोर कार्ड लिंक पर 26 जुलाई भी लिखा गया है। संशोधित परिणामों में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों की संख्या घटकर 17 रह

गयी है, जबकि इससे पहले जारी नतीजों में शीर्ष स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों की संख्या 61 थी। वहीं, सबसे पहले जारी हुए नीट के परिणामों में शीर्ष स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों की संख्या 67 थी, जिनमें 44 विद्यार्थी को भौतिकी के उस विशेष प्रश्न के लिए दिए गए अंकों के कारण पूरे अंक मिले थे, जिसके एनटीए ने दो सही उत्तर बताए थे। वहीं, एजेंसी ने कुछ परीक्षा केंद्रों पर समय की बर्बादी की भरपाई के लिए छह विद्यार्थियों को अनुग्रह अंक (ग्रेस मार्क्स) दिये, जिसे बाद में वापस ले लिया था। इसके बाद शीर्ष स्थान पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 61 हो गयी थी। उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विवादित प्रश्न संख्या 19 का सही विकल्प जानने के लिए दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के निदेशक को तीन सदस्यीय विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने और मंगलवार 23 जुलाई को अपराह्न 12 तक न्यायालय के समझ राय रखने का निर्देश दिया था।नीट यूजी की परीक्षा 05 मई को देश के 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर हुयी थी और इसमें 23.33 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। नीट-यूजी की परीक्षा 14 विदेशी केंद्रों पर भी आयोजित की गयी थी, जिसमें लगभग 1,563 उम्मीदवार शामिल हुए थे।

बदलते समय को देखते हुए इंजीनियरिंग पढ़ाई में हो बदलाव: टॉम कुगलिन

एजेंसी

नई दिल्ली। विद्युतीय एवं इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरों के वैश्विक फोरम इंस्टीट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई) के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टॉम कुगलिन ने तकनीकी प्रगति और उद्योगों में बदलाव को ध्यान में रखते हुए इंजीनियरिंग की पढ़ाई में बदलाव किए जाने तथा शिक्षा जगत और उद्योग के बीच साझेदारी बढ़ाने पर बल दिया है। आईईईई के बैनर तले भारत में परिवर्तनों के बीच इंजीनियरिंग की पढ़ाई में बदलाव के विषय पर राजधानी में आयोजित उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में श्री कुगलिन ने कहा, तेज तकनीकी प्रगति और उद्योगों के बदलते परिदृश्य के लिए इंजीनियरिंग शिक्षा में कई बदलाव की आवश्यकता है।÷ उन्होंने कहा कि लचीले और अंतःविषयक दृष्टिकोण को अपनाकर और उद्योगों एवं शिक्षा जगत के बीच मजबूत साझेदारी बनाकर, हम इंजीनियरों की अगली पीढ़ी को बदलते समय और प्रौद्योगिकी के अनुरूप कौशल और ज्ञान प्रदान कर सकते हैं।

अग्निपथ योजना के लिए सेना से नहीं ली गई सलाह : खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अग्निपथ योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने योजना को लागू करने से पहले सेना से सलाह नहीं ली है। श्री खड़गे ने आज यहां कहा कि योजना को मनमाने तरीके से लागू किया गया है और इसको लेकर पहले किसी से मशविरा नहीं किया गया है। उन्होंने योजना को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया और कहा कि इससे उनका भविष्य चौपट हो रहा है इसलिए इसको लेकर देश के युवाओं में गुस्सा है। योजना का चारों तरफ इसका विरोध हो रहा है इसलिए सरकार को इसे तुरंत वापस लेना चाहिए।कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा मोदी जी कह रहे हैं कि सेना के कहने पर उनकी सरकार ने अग्निपथ योजना लागू की थी, ये सरासर झूठ है और पराक्रमी सेना का अक्षम्य अपमान है। मोदी जी, साफ़-साफ़ झूठ और भ्रम फ़ैला रहें हैं। श्री खड़गे ने पूर्व सेना अध्यक्ष का जिक्र करते हुए कहा ÷पूर्व सेनाध्यक्ष (सेवानिवृत्त)

जनरल एमएम नरवणे जी ने रेकॉर्ड पर कहा है कि 'अग्निपथ' योजना में चार वर्षों की सेवा के बाद 75 प्रतिशत लोगों को रखना था और 25 प्रतिशत लोगों को सेवानिवृत्त करना था। पर मोदी सरकार ने इससे उल्टा किया और ये योजना तीनों सैन्य बलों में जबरदस्ती लागू कर दी। खबरों के मुताबिक, पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे ने अपनी उस क़िताब में, जिसे मोदी सरकार ने प्रकाशित होने से रोक रखा है, में यह भी कहा है कि 'अग्निपथ' योजना सेना के लिए चौंका देने वाली थी और नौसेना तथा वायुसेना के लिए यह वज्रपात की तरह थी।÷

श्री खड़गे ने कहा, ÷आख़िर छह महीनों की ट्रेनिंग के बाद मोदी जी किस स्तर के सैनिकों का निर्माण कर रहे हैं। ना उन्हें किसी ऑपरेशन का अनुभव होगा ना ही उनमें परिपक्वता होगी। सैनिक देशभक्ति के जज़्बे से सेना में शामिल होते हैं, जीविकोपार्जन के लिए नहीं। कई सेवानिवृत्त अधिकारियों ने इस योजना की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा और ग्रामीण युवाओं की देशभक्ति भावनाओं से खिलवाड़ की तरह इसलिए इस योजना को पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाना चाहिए। ये सब रेकॉर्ड पर है। उन्होंने कहा, अग्निवीर को कोई पेंशन नहीं मिलती, कोई ग्रेच्युटी नहीं मिलती, कोई फेमिली पेंशन मिलती, कोई उदर पारिवारिक पेंशन नहीं मिलती और बच्चों की पढ़ाई के लिए कोई शिक्षा भत्ता नहीं मिलता।

संसद को राजनीति का हथियार बनाना घातक: जगदीप धनखड

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि संसद को राजनीति का अधिकार बनाना घातक है और कोचिंग एवं शिक्षा का व्यावसायीकरण किसी भी राष्ट्र के विकास में बाधक है।

धनखड़ ने देर शाम यहां दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय के 77वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को अपनी सीमाओं से बाहर आकर सामान्य अवसरों से आगे देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कोचिंग और शिक्षा का व्यवसायीकरण किसी भी राष्ट्र के विकास में बाधक कारक है।

उन्होंने कहा कि युवाओं को दी जाने वाली शिक्षा में आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान को पारंपरिक भारतीय मूल्यों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। शिक्षा सबसे प्रभावशाली परिवर्तनकारी तंत्र है जो समानता लाता है और असमानताओं को रोकता और खत्म करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना मानव विकास के लिए मौलिक है। संसद में व्यवधान और बाधा को राजनीति का हथियार बनाने पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री धनखड़ ने

युवाओं से इन गतिविधियों पर ध्यान देने और हमेशा अपनी अंतरात्मा, सच्चाई और राष्ट्रवाद का पक्ष लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संसद बहस, विचार-विमर्श और चर्चा के लिए एक जगह है। आसन के समक्ष आकर नारेबाजी और अनुशासनहीनता को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

धनखड़ ने युवा पीढ़ी से आग्रह किया कि वे उपलब्ध डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया टूल के माध्यम से अपनी आवाज़ बुलंद करें। युवाओं को ज्वलंत मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ानी चाहिए और साझा दृष्टिकोण के लिए समुदायों को संगठित करना चाहिए। युवाओं में यथास्थिति को चुनौती देने और सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने की क्षमता को पहचानते हुए श्री धनखड़ ने युवाओं से सकारात्मक राष्ट्रवादी भूमिका निभाने और भारत के विकास मूल्यों के साथ तालमेल रखने वाले उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित करना चाहिए और अपने अंदर छिपी उद्यमशीलता की भावना को बाहर निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश में एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र है जहाँ हर कोई अपनी क्षमता का प्रयोग कर सकता है और अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है।

दिल्ली सरकार पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर मोटर वाहन कर में देगी रियायत

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (आरवीएसएफ) में स्क्रैपिंग के लिए सौंपे गए पुराने वाहनों के लिए जारी किए गए सर्टिफ़िकेट ऑफ़ डिपोज़िट जमा करने पर परिवहन और गैर-परिवहन वाहनों के पंजीकरण के लिए मोटर वाहन कर में रियायत देने पर विचार कर रही है। इस संबंध में एक प्रस्ताव उपराज्यपाल को उनकी मंजूरी के लिए भेजा गया है। एक बयान में दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, इस क़दम का उद्देश्य पुराने, प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाना और नए, स्वच्छ वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना है। पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर मोटर वाहन कर में रियायत से हमें उम्मीद है कि वाहन मालिकों के लिए पर्यावरण के अनुकूल परिवहन विकल्पों को अपनाना आसान हो जाएगा। इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल से मंजूरी मिलने के बाद, नए पेट्रोल, सीएनजी, या एलपीजी गैर-परिवहन वाहनों की ख़रीद पर वाहनों के पंजीकरण पर देय मोटर वाहन कर में 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

एमएसपी कानून बनाने से सरकार का इनकार किसानों के साथ विश्वासघात: कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने कहा है कि कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संसद में किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून नहीं बनाने का ऐलान कर दिया है और यह मोदी सरकार का किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यहां संसद भवन परिसर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार किसानों के लिए एमएसपी कानून नहीं बना रही है और इसकी घोषणा श्री चौहान ने संसद में स्पष्ट रूप से कर दी है। उन्होंने इसे भाजपा की किसान विरोधी मानसिकता का परिणाम बताया और कहा कि उसकी यह मानसिकता आज उस समय सदन में देखने का मिली जब कृषि मंत्री ने किसानों के लिए एमएसपी कानून बनाने से साफ इंकार कर दिया। यह वही कृषि मंत्री हैं, जिन्होंने मंदरसौर में किसानों के खून से होली खेली थी कांग्रेस नेता ने आज के दिन को किसानों के लिए काला दिन करार

दिया और कहा कि सरकार ने किसानों के लिए एमएसपी कानून बनाने से साफ इनकार कर देश के अन्नदाता के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने वादे से पीछे हटी है और जिसने भी किसानों के साथ अन्याय किया है, वह आगे नहीं बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के हक की लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ेगी और उन्हें उनका हक देगी।उन्होंने कहा, ÷किसानों के लिए आज काला दिन है क्योंकि सरकार ने एमएसपी कानून बनाने से साफ इनकार कर दिया है। आज संसद में किसान और मजदूर के साथ संसद में विश्वासघात हुआ है। आज किसानों के कल्याण का काला दिवस है। कृषि मंत्री ने साफ कह दिया है कि किसानों के लिए एमएसपी कानून नहीं बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी आय बढ़ाने की बात की थी। सरकार ने किसानों के लिए जो समिति बनाई थी, उसने दो साल में कुछ नहीं किया। किसान इस सरकार को माफ नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री की अग्निवीर योजना से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि श्री मोदी देश को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना था कि 18 साल की उम्र में सेना में गया सैनिक जब चार साल में सेना से बाहर हो जाएगा और 22 साल के युवा को सेना के काबिल नहीं समझ कर उसे बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा तो देश की फौज जवान कैसे हो सकती है।

कांग्रेस नेता ने बजट में रक्षा आवंटन संबंधी सवाल पर कहा कि सरकार ने रक्षा बजट को कम कर देश की सुरक्षा से खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि चीन हमारी जमीन पर कब्जा कर चुका है लेकिन सरकार जवाब देने की बजाय रक्षा बजट में ही कटौती कर रही है। बजट को 17 प्रतिशत से घटाकर 13 कर दिया है जो देश की रक्षा के साथ खिलवाड़ है।

राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति को मिले उपहारों की नीलामी की जायेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन विभिन्न अवसरों पर राष्ट्रपति और पूर्व राष्ट्रपतियों को भेंट की गई चुनिंदा उपहार वस्तुओं की की ई-उपहार नामक एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से नीलामी करेगा।

राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार यह पोर्टल श्रीमती मुर्मू द्वारा बृहस्पतिवार को उनके राष्ट्रपति पद के दो वर्ष पूरे होने पर शुरू किया गया था। पहले चरण में करीब 250 बेहतरीन उपहारों की नीलामी की जाएगी। इन उपहारों के लिए बोली 5 अगस्त से 26 अगस्त तक खुली रहेगी। बोली अवधि समाप्त होने के बाद वस्तुएं उच्चतम बोली लगाने वालों को वितरित की जायेंगी।

इच्छुक व्यक्ति नीचे दिए गए चरणों का पालन करके राष्ट्रपति भवन की इससे संबंधित वेबसाइट पर बोली लगा सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य न केवल नागरिकों साथ संपर्क बढ़ाना है बल्कि नेक काम

का समर्थन करना भी है क्योंकि नीलामी से प्राप्त सारी आय जरूरतमंद बच्चों की मदद के लिए दान की जाएगी। नीलामी के लिए रखी गई उपहार वस्तुएं राष्ट्रपति भवन संग्रहालय में जनता के देखने के लिए उपलब्ध होंगी। आगंतुक राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट के माध्यम से संग्रहालय के लिए टिकट बुक कर सकते हैं और मंगलवार से रविवार तक सुबह सुबह साढे नौ बजे से शाम पांच बजे के बीच प्रदर्शनियों को देख सकते हैं।

विधेयक मंजूरी में कथित देरी पर सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार, नोटिस जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केरल और पश्चिम बंगाल के राज्यपालों पर विधेयकों को मंजूरी देने में कथित देरी का आरोप लगाने वाली दोनों राज्य सरकारों की याचिकाओं पर संबंधित राज्यपालों के अतिरिक्त मुख्य सचिवों को नोटिस जारी कर उन्हें तीन सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आज दोनों राज्य सरकारों की संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद याचिकाओं पर विचार करने का फैसला करते हुए यह आदेश पारित किया।केरल और पश्चिम बंगाल सरकारों ने कई विधेयकों को महीनों तक लंबित रखने, या तो उन्हें मंजूरी देने से इनकार करने या राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखने के दोनों राज्यपालों के फैसले को चुनौती देते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं।

पीठ ने केरल और पश्चिम बंगाल सरकारों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं के. के. वेणुगोपाल और ए. एम. सिंघवी की संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद कहा, ÷तीन सप्ताह में जवाब दाखिल किया जाए और राज्यों की ओर से एक संयुक्त नोट भी पेश किया जाए।

श्री वेणुगोपाल ने कहा कि अदालत को इस मुद्दे पर दिशा-निर्देश निर्धारित करने की आवश्यकता है कि राज्यपाल कब विधेयकों को वापस भेजकर राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं। उन्होंने यह भी दलील दी कि राज्यपाल को यह बताना चाहिए कि वे कब विधेयकों को मंजूरी देने से इनकार और कब राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं। देश के विभिन्न राज्यपालों के मन में इस बात को लेकर भ्रम है कि विधेयकों को मंजूरी देने के संबंध में उनकी क्या शक्तियां हैं।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान (केरल) में मामले में आठ विधेयकों में से दो को 23 महीने तक लंबित रखा गया। एक को 15 महीने, दूसरे को 13 महीने और अन्य को 10 महीने तक लंबित रखा। यह बहुत दुखद स्थिति है। उन्होंने दलील दी कि राज्यपालों के बीच यह भ्रम है और वे विधेयकों को लंबित रखते हैं। यह संविधान के विरुद्ध है।

पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश श्री सिंघवी ने पीठ के समक्ष दलील दी कि जब भी अदालत मामले की सुनवाई करता है, तो कुछ विधेयकों को मंजूरी दे दी जाती है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु मामले में भी यही हुआ।

भाजपा का शासन भ्रष्टाचार की कुतुबमीनार बना, जहां हर मंजिल पर होता है एक नया घोटाला: कुमारी सैलजा

एजेंसी

सिरसा। भाजपा का शासन भ्रष्टाचार की कुतुबमीनार बन गया है, जहां हर मंजिल पर एक नया घोटाला होता है। गरीबों की मदद के नाम पर भ्रष्टाचार के महल खड़े करने वाली भाजपा सरकार के पीएम जय योजना में भ्रष्टाचार की एक और कहानी सामने आई है। संसद की लोकलेखा समिति की रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 88,760 मृतकों के नाम पर 2.14 लाख फर्जी दावे किए गए। आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य तो गरीबों और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना था लेकिन भ्रष्टाचारियों ने आयुष्मान योजना को तिजोरी भरो योजना बना दिया है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि एक मरीज को एक समय में कई अस्पतालों में भर्ती होने से रोकने की कोई व्यवस्था नहीं थी, ऐसे में कोई भी मरीज एक समय में कई अस्पतालों में जाकर योजना का लाभ ले लेता था, ऐसे मामले कई राज्यों में उजागर हुए। कुछ ऐसे भी मरीज थे जिसकी मौत हो चुकी थी और वे इस योजना के कार्ड धारक थे, इलाज से जुड़े दावों का मृत्यु के बाद भुगतान किया, एक ही आधारकार्ड पर कई गई मरीजों का पंजीकरण हुआ। उन्होंने कहा कि संसद की लोकलेखा समिति की रिपोर्ट चौकाने वाली है और उससे साफ होता है कि बिना किसी भय के भ्रष्टाचार जमकर हुआ। उन्होंने कहा कि इस योजना की आड़ में गरीबो की मदद के नाम पर भ्रष्टाचार के महल खड़े करने वाली भाजपा सरकार मौन साधे हुए है। सरकार इस भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें अदालत के कटघरे में ले जाकर खड़ा करे।

अब एकजुट होकर विधानसभा चुनावों को लेकर जुट जाएं कार्यकर्ता: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

सिरसा। बीजेपी ने 10 साल मेंदेश व प्रदेश को पिछे धकेलने काकाम किया है। हर वर्ग बीजेपी की सरकार में तंग है। बीजेपी को सत्ता से बाहर करने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर अभी से विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुट जाएं। यह बात भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हिसार रोड़ स्थित पर्ल पैलेस में आयोजित धन्यवाद कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुटता दिखाई तो लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के पांच सांसद जीत गए। अब ऐसे ही एक जुटता दिखाते हुए विधानसभा चुनावों को लेकर काम करना ताकि इस जनविरोधी बीजेपी सरकार को बाहर किया जा सके। उन्होंने कहा कि दस साल में बीजेपी ने प्रदेश व देश का बेड़ा गर्क करने के सिवाय कुछ नहीं किया। कार्यक्रम की शुरूआत में स्थानीय नेताओं द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष उदयभान का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने भी सभी एकजुटता के साथ काम करने का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि सभी लोग एक साथ मिल कर काम करेंगी तभी प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आ पाएगी और इस जुमलेबाज बीजेपी को सत्ता से बाहर किया जा सकेगा।

नारनौंद विधानसभा से वज़ीर सिंह पूनिया ने कांग्रेस पार्टी की टिकट पर दावा ठोंका

हिसार। कांग्रेस नेता एवं ऑल इंडिया राहुल गांधी कांग्रेस कमेटी के सदस्य वज़ीर सिंह पूनिया ने विधानसभा से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में पार्टी के चंडीगढ़ कार्यालय में अपना टिकट का फॉर्म जमा करवाकर नारनौंद विधानसभा क्षेत्र से टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश की। उनका कहना है कि इस टिकट पर उनका हक बनता है। कांग्रेस टिकट के लिए दावा पेश करते हुए वजीर पूनिया ने कहा कि वे 2014, 2019 में भी कांग्रेस पार्टी की टिकट के लिए नारनौंद विधानसभा क्षेत्र से दावेदारी पेश कर चुके हैं। अब आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नारनौंद से उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस पार्टी की टिकट पर अपना दावा प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के एक निष्ठावान तथा जन्मजात कांग्रेसी है और पार्टी को उन्हें मौका देना चाहिए क्योंकि टिकट के लिए मेरा 17 साल से लगातार संघर्ष चल रहा है। उन्होंने हमेशा ही पार्टी को हमेशा मजबूत करने के लिए काम किया है।

कैबिनेट मंत्री ने फरीदाबाद में किया तीन करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

फरीदाबाद। हरियाणा के उद्योग वाणिज्य तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़वासियों को इलाके में करीब तीन करोड़ रुपये के कार्यों की सौगात दी। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बताया कि बल्लभगढ़ विधानसभा के आर्य नगर में दो करोड़ 50 लाख की लागत से सीवरलाइन डाली जाएगी। साथ ही जनता कालोनी में पार्कों का सौंदर्यीकरण, दो ट्यूबेलों की भी सौगात भी दी। उन्होंने कहा कि चावला कालोनी और भगतसिंह कालोनी में जल्द ही कंक्रीट की सडक़ भी बनेगी। बल्लभगढ़ में सभी विकास कार्य प्रगति पर है और जल्द ही पूरे हो जाएंगे। कैबिनेट मंत्री शर्मा ने कहा कि आमजन की मूलभूत सुविधाओं को ओर भी बेहतर करने और बल्लभगढ़ को सुंदर शहर बनाने के लिए पूरी मेहनत और लगन से काम कर रहा हूं। बल्लभगढ़ में पूर्व की सरकारों में सिर्फ लूट खसोट का काम किया जाता था। विपक्षी सीमेंटेड सडक़ों पर चलते हैं और कहते है कि कोई विकास नहीं हुआ। वर्ष 2014 से पहले बल्लभगढ़ की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में बाप-बेटा तो दूसरी तरफ मां बेटा को सत्ता में देखने की होड़ लगी रहती है। भाजपा राज में कोई भी आमजन पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री तक बन सकता है।

भाजपा के दिग्गजों ने हरियाणा चुनाव की बनाई रणनीति

हरियाणा चुनाव प्रभारी केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की मौजूदगी में हुई बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली/चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की दिल्ली में परिक्रमा भी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री व हरियाण चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और प्रदेश के संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा भी मौजूद थे।

नई दिल्ली में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री व प्रदेशाध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री को चुनाव को लेकर चल रही तैयारियों के बारे में बताया। साथ ही दोनों नेताओं ने फील्ड के लिए तय किए गए कार्यक्रमों की भी रिपोर्ट दी। मुख्यमंत्री व प्रदेशाध्यक्ष ने बताया कि

वे भी जिलों में प्रवास करेंगे। साथ ही दोनों नेता अलग-अलग प्रदेश के सभी नब्बे विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेंगे। उन्होंने बताया कि मोहनलाल बड़ौली 28 जुलाई से हरियाणा के जिलों का दौरा शुरू करेंगे। और 2 अगस्त से मुख्यमंत्री नायब सैनी का जिला प्रवास कार्यक्रम शुरू होगा।

जानकारी के अनुसार हरियाणा विधानसभा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान का भी हरियाणा आने का कार्यक्रम है। वे पहले पार्टी के कोर ग्रुप के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद प्रदेश पदाधिकारियों के साथ भी चुनावी रणनीति को लेकर वे मंथन करेंगे। इस बैठक में हरियाणा मामलों के प्रभारी डॉ सतीश पूनिया, सह-प्रभारी सुरेंद्र नागर, विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी बिप्लब कुमार देव, करनाल के पूर्व सांसद संजय भाटिया, राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, पूर्व मंत्री कृष्ण बेदी व संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा भी मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तीन दिन तक दिल्ली प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान उनकी पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित और भी कई केंद्रीय व संघ नेताओं के साथ मुलाकात कर सकते हैं।

जेजेपी ने अपने दो विधायकों पर जल्द कार्रवाई करने के लिए विधानसभा स्पीकर से की मुलाकात

एजेंसी

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त दो जेजेपी विधायक जोगीराम सिहाग और रामनिवास सुरजाखेड़ा के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता से मुलाकात की है। विधानसभा सभा स्पीकर से मिलने के उपरांत पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि जेजेपी द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के सामने दो जेजेपी

विधायकों की सदस्यता रद्द करने के लिए याचिका लगाई गई थी, उस पर स्पीकर से चर्चा हुई है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि विधानसभा की ओर से चार सप्ताह का नोटिस दोनों विधायकों को भेजा गया है, विधायकों के जवाब आने पर आगामी कार्रवाई होगी। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि विधानसभा द्वारा दोनों विधायकों को नोटिस भेजने में देरी हुई है। साथ ही जेजेपी ने इनेलो विधायक द्वारा हिसार एयरपोर्ट जमीन खरीद के संबंध में लगाए झूठे आरोप के खिलाफ लगाए प्रिविलेज मोशन के विषय पर भी जल्द सुनवाई करने की अपील स्पीकर से की है। इस अवसर पर जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, जेजेपी प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला, विधायक अमरजीत ढांडा, प्रदेश कार्यालय सचिव रणधीर सिंह आदि भी मौजूद रहे।

सडक़ पर भरे बरसाती पानी में दुकानदार कुर्सी डालकर धरने पर बैठे

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला के गांव बिलासपुर में सडक़ पर भरे गहरे पानी की निकासी नहीं होने से गुस्साए दुकानदारों ने पानी में कुर्सियां डालकर धरना दे दिया। इस दौरान पटौदी से तावडू जाने वाला यातायात बाधित हो गया। जाम की सूचना पाकर एसडीएम दर्शन यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने दुकानदारों को समझाया, तब जाकर उन्होंने जाम खोला।

सडक़ पर भरे बरसात के पानी में कुर्सियां डालकर धरना दे रहे दुकानदारों ने कहा कि बरसात जब आती है तो बिलासपुर गांव की सडक़ पर कई फुट पानी भर जाता है। इस दौरान यहां से निकलना दुभर हो जाता है। वाहनों के आने-जाने से यहां स्थिति और खराब हो जाती है। दुकानों में गंदा पानी भर जाता है। दुकानदारों का कहना था कि कई बार प्रशासन को इसके समाधान करने के बारे में कहा गया है। प्रशासन इसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा। कई वर्षों से वे इस समस्या को झेल रहे हैं। हल्की बारिश में भी रोड पानी से लबालब

भर जाता है। बरसात के इस पानी की कोई निकासी न होने की वजह से लोगों का निकलना दुभर हो जाता है। दुकानदारों ने कहा कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन शुरू किया जाए। बिलासपुर में जाम की सूचना पर एसडीएम दर्शन यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों से विस्तार से बात की। जाम लगा रहे दुकानदार रमेश, संजय ने बताया कि जब इस रोड को बनाया जा रहा था, उस समय ठेकेदार व अधिकारियों से कहा गया था कि इस रोड को नीचा ना करें। उन्होंने नहीं मानी। इसलिए वर्षों से वे लोग यहां बरसात में झील जैसी स्थिति को झेल रहे हैं। एसडीएम ने कहा कि जल्द ही इस समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

व्यापार एंड व्यवसाय कुंज एसोसिएशन ने नगर निकाय मंत्री सुभाष सुधा को मांग पत्र सौंपा

मंत्री ने एसोसिएशन को दिया जल्द पूरी करवाने का आश्वासन

एजेंसी

हिसार। व्यापार एंड व्यवसाय कुंज एसोसिएशन फेस-1 क्लॉथ मार्केट एसोसिएशन ने नगर निकाय मंत्री सुभाष सुधा से मुलाकात की। इस दौरान एसोसिएशन ने उन्हें मांगों व समस्याओं संबंधी एक मांगपत्र सौंपा जिसमें व्यापारियों ने डीएसएस में बेसमेंट व द्वितीय तल व एससीओ में बेसमेंट व तृतीय तल की परमिशन कह मांग उठाई।

इस संबंध में एसोसिएशन के प्रधान जयंत आहुजा की अध्यक्षता में एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्री के हिसार आगमन पर उनसे मिला। व्यापारियों ने कहा कि व्यापार एण्ड व्यवसाय कुंज फेस-1 क्लॉथ मार्केट में डीएसएस में बेसमेन्ट व द्वितीय तल व एससीओ में बेसमेन्ट व तृतीय तल की मंजूरी सरकार द्वारा दी जाये। प्रधान जयंत आहुजा ने उन्होंने बताया कि 5 दिसम्बर 2023 के एक आदेश में म्यूनिसिपल्टी और

टाउन इम्प्रूवमेंट स्कीम में बूथों में प्रथम तल व बेसमेंट की मंजूरी दी जा चुकी है। इसको ही आधार मानते हुए इसकी निर्धारित फीस वसूल कर फेस-1 व्यापार एंड व्यवसाय कुंज में डीएसएस में बेसमेंट व द्वितीय तल व एससीओ में बेसमेंट व तृतीय तल की मंजूरी दी जाए। प्रधान जयंत आहुजा के अनुसार मंत्री ने बताया कि आश्वासन दिया कि आपकी मांग जायज है जिसे जल्द ही पूरा किया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल प्रधान जयंत आहुजा के अलावा सरपरस्त ब्रह्म नागपाल, उपप्रधान आलोक कुच्छल, अशोक नागपाल, वरुण नागपाल, धर्मेंद्र मलिक, सह सचिव विजय आहुजा, अनिल सेठी, पंकज नागपाल, संजय आजूजा, संजीव आहूजा, ओमप्रकाश बंसल, सुरेश कथूरिया सहित अनेक व्यापारी शामिल थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में सिख समाज के 300 से अधिक लोगों ने थामा भाजपा का दामन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले दूसरे दलों से भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं की कतार लंबी होती जा रही है। इस कड़ी में आज शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व प्रवक्ता रहे कंवलजीत अजराना, कुरुक्षेत्र सहित सिख समाज के 300 से अधिक लोगों ने अन्य दलों से किनारा करते हुए भाजपा का दामन थामा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में कंवलजीत अजराना कुरुक्षेत्र सहित भूपेंदर सिंह असंध, दिलबाग सिंह

विर्क और विवेक बहल ने भी बीजेपी ज्वाइन की।

भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने उपरांत कंवलजीत अजराना, कुरुक्षेत्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिख समाज के कल्याण और उन्हें मान-सम्मान देने की दिशा में अनगिनत कार्य किये हैं जिसमे करतारपुर साहिब कॉरिडोर को खुलवाना और साहिबजादों के बलिदान दिवस को वीर बाल दिवस घोषित करना आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि सिख समाज आज भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ा है।

इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के राजनैतिक सलाहकार भारत भूषण बत्रा, मनजिंदर सिंह सिरसा, पब्लिसिटी एडवाइजर तरुण भंडारी, मीडिया सचिव प्रवीण अत्रेय सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

हरियाणा में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई, डॉक्टर एवं एनएचएम कर्मी हड़ताल पर गए

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में जहां लगातार दूसरे दिन डॉक्टरों की हड़ताल जारी रही वहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्य करने वाले कर्मचारी भी चार दिन के लिए हड़ताल पर चले गए हैं। इस कारण प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह से चरमरा गई हैं। रात तक बैठकों में डॉक्टरों की मांगों का कोई समाधान नहीं निकलने पर सरकार भी इस मामले में शांत होकर बैठ गई। करीब 3000 डॉक्टरों की हड़ताल के कारण मरीजों को इलाज जैसी महत्वपूर्ण सुविधा नहीं मिल रही है, वहीं एनएचएम के 13000 कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से शेष कामकाज भी प्रभावित हो गया है। अभी तक सरकार की तरफ से हड़ताल को खुलवाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। इसके चलते हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। रात तक डॉक्टरों की विभाग के एसीएस के साथ भी बैठक हुई लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इस बीच एनएचएम कर्मचारियों भी बिगुल फूंक दिया। एनएचएम के प्रदेश महासचिव हरि राज ने बताया कि एनएचएम कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ हड़ताल का ऐलान किया है। यह हड़ताल चार दिन तक जारी रहेगी। अगर इस बीच मांगों का सही और सटीक हल नहीं निकला तो राज्य कार्यकारिणी की बैठक बुलाकर आंदोलन को तेज कर दिया जाएगा।

समय आने पर पाकिस्तान का पक्का इंतजाम किया जाएगा : अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने कारगिल विजय दिवस पर पाकिस्तान को सन 1947-48, 1965, 1971 और 1999 में हुए युद्धों की हार की याद दिलाते हुए कहा कि हमने इन तमाम युद्धों में पाकिस्तान के दांत खट्टे किए हैं। लेकिन, फिर से पाकिस्तान शोर मचा रहा है और समय आने पर पाकिस्तान का पक्का इंतजाम किया जाएगा। विज अंबाला में कारगिल विजय दिवस के अवसर शहीद मेजर योगेश गुप्ता मेमोरियल चौक पर पहुंचकर शहीद मेजर और कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जब से हमारे देश से अलग हुआ है और समय-समय पर अपनी हरकतें करता रहता है। विज ने कहा कि पाकिस्तान के साथ 1965, 1971 युद्ध हुआ और 1999 में कारगिल का युद्ध हुआ। इन तमाम युद्धों में हमने पाकिस्तान के दांत खटटे किए हैं, लेकिन फिर से पाकिस्तान षोर मचा रहा है। इस मौके पर उन्होंने स्वयं लिखी पंक्तियां भी गुनगुनाई।

विज ने स्वयं लिखी पंक्तियां भी गुनगुनाई:

फिर से पाकिस्तान शोर मचा रहा है, यू ही अपना नाच नचा रहा है। ये टूटे-फूटे टेंकों के घर में शोर मचा रहा।। क्या भूल गया वो मार जो सन 1965, 1971 और 1999 में कारगिल युद्ध में खाई थी। क्या उतरा नहीं बुखार, जो हिन्दीयों ने दिखाया था। 'चलो फिर से याद करा देंगें, इसका पक्का काम करा देंगे। रहे अपने ही घोसले में छुपकर, इसका ऐसा इंतजाम करा देंगें।

हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में भी देश की रक्षा करते हैं: विज ने कहा कि आज कारगिल विजय दिवस हैं और आज का दिन हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में भी खडे होकर देष की रक्षा करते हैं और जिन जांबाजों ने देष की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए उनको श्रद्धांजलि देने का दिन हैं। ऐसा ही आज यहां पर मेजर योगेश गुप्ता, जिन्होंने देष की रक्षा करते हुए अपनी शहादत दी थी उनको पुष्पांजलि भेंट करके श्रद्धांजलि दी गई है।

उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर बहुत ही कठिन हालात होते हैं और हमारे जवान वहां पर दिन-रात सच्चे प्रहरी की तरह पहरा देते है और तभी यहां पर हम अपने घरों में सो पाते हैं तथा अपने काम धंधे कर पाते हैं। इसलिए राष्ट्र को हमेशा ही इनको याद रखना चाहिए। इस अवसर पर शहीद मेजर योगेश गुप्ता के भाई विकास गुप्ता, बीएस बिंद्रा, संजीव सोनी, अजय बवेजा, विपिन खन्ना सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार ने 10 वर्षों में प्रदेश का किया एक समान विकास : डॉ. कमल गुप्ता

मंत्री ने किया शहर में 46 लाख के सौन्दर्यीकरण कार्यों का उद्घाटन

एजेंसी

हिसार। स्वास्थ्य एवं नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि हरियाणा सरकार पिछले 10 वर्षों में प्रदेश का एक समान विकास करने पर जोर दे रही हैं। नगर निगम द्वारा शहर में विकास कार्य व सौन्दर्यकरण के कार्य बड़ी तेजी से किए जा रहे हैं। डॉ. कमल गुप्ता शहर में 46 लाख के सौन्दर्यीकरण के तीन कार्यों का उद्घाटन करने उपरांत क्षेत्रवासियों से बातचीत कर रहे थे। सौंदर्यकरण की कड़ी में निगम ने सबसे पहले क्लॉथ मार्केट के नजदीक तुलसी चौक पर लगभग 20 लाख रूपये की लागत से बने लाल किले के प्रतिरूप का उद्घाटन किया गया। इसके पश्चात लक्ष्मीबाई चौक के समीप पुराने ओवरब्रिज के साथ बनाए गये 17 लाख रूपये की लागत से बने चंद्रयान के प्रतिरूप चौक का उद्घाटन किया गया। इसके बाद सेक्टर 9-11 दिल्ली रोड़ से एंट्री

प्वाइंट पर लगभग 9 लाख रूपये की लागत से बने इंडिया गेट के प्रतिरूप का उद्घाटन किया गया। कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने सौन्दर्यकरण के कार्यों का उद्घाटन करके क्षेत्रवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि आज का दिन हिसार विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए खुशी का दिन है। हिसार में विभिन्न चौकों पर राष्ट्रीय गर्व के प्रतिरूपों की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि वे शहर में ज्यादा से ज्यादा विकास कार्य करवाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हरियाणा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में जो विकास कार्य किए हैं वो डबल इंजन की सरकार के कारण ही संभव हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान हरियाणा सरकार ने अपने अब तक के लगभग 10 वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से कार्य करते हुए क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर समान विकास सुनिश्चित किया है।

इस अवसर पर उपायुक्त व निगमायुक्त प्रदीप दहिया, निवर्तमान पार्षद जगमोहन मित्तल, निवर्तमान मनोनीत पार्षद कैप्टन नरेन्द्र शर्मा, सुरेश गोयल धूपवाला, रामचंद्र गुप्ता, प्रवीन पोपली, प्रोमिला पूनिया, लोकेश असीजा, कृष्ण बिश्नोई, सुशील बुड़ाकिया, डॉ. वैभव बिदानी, केपी गुप्ता, कार्यकारी अभियंता संदीप सिहाग, एमई संदीप बैनीवाल, एई सुमित कुमार, जेई प्रवीन चौहान, जेई संदीप काजल आदि शामिल रहे।

कृषि मंत्री ने भी शुरू किया 'एक पेड़ मां के नाम 'अभियान, कहा – व्यक्ति की सबसे पहली गुरु मां ही है

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा के कृषि मंत्री कंवरपाल ने यमुनानगर जिला के कस्बा छछरौली में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जीवन में व्यक्ति की सबसे पहली गुरु मां ही हैं। ऐसे में मां के नाम पौधारोपण अभियान में शामिल होना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। ज्ञात रहे कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने की देशवासियों से अपील की थी, अब पूरे देश में इसे अभियान के रूप में लिया गया है। कंवर पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की उस मार्मिक अपील ने देशवासियों के दिलों को छू लिया और देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों के बीच अपनी मां के प्रति अपने सम्मान की अभिव्यक्ति के रूप में पौधे रोपित करने की होड़ लग गई। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि इस मानसून सीजन में एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाएं।

उन्होंने कहा कि एक माह के अंदर ही देश भर में करोड़ों पौधे लगाए जा चुके हैं और यह अभियान तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हर भारतवासी अपूर्व उत्साह के साथ इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आतुर है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि एक पेड़ मां के नाम अभियान ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने, धरती का तापमान कम करने, भूजल स्तर को ऊपर लाने और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान करने में समर्थ होगा।

हशविपा कार्यालय में सीएम फ्लाइंग का छापा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मिला गैर हाजिर

एजेंसी

हिसार। सीएम फ्लाइंग की टीम ने हशविपा कार्यालय में छापा मारा। इस दौरान एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गैर हाजिर पाया गया। सीएम फ्लाइंग ने छापे के दौरान अन्य कागजात व सरकार के नियमानुसार होने वाले कार्य भी चैक किए। सीएम फ्लाइंग की टीम शुक्रवार सुबह निरीक्षक रिछपाल, उप निरीक्षक चन्द्रभान, कुलदीप व सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र की टीम ने हुडा कार्यालय में छापा मारा। छापे के दौरान टीम ने जांच की तो पाया गया कि कार्यालय में कुल 101 कर्मचारियों की नियुक्ति पाई गई, जिनमें से बेलदार बलराज गैर हाजिर पाया गया। टीम ने जांच के दौरान पाया कि वर्ष 2023-24 में कार्य के लिए आनलाइन व आफलाइन सीवरेज, रोड, मुरम्मत, बागवानी व बिजली संबंधी कुल 648 टेंडर जारी किए जाने पाए गए जिनमें से 534 टेंडर पूरे, 112 प्रगति पर व दो टेंडर रद करने पाए गए।

इसी प्रकार सीएम विंडो पर आई 191 शिकायतों में से 74 शिकायतों का निपटारा व 59 शिकायतें लंबित पाई गई। इसी तरह जन संवाद की कुल 81 शिकायतों में से कुल 37 का निपटारा व 24 की एटीआर भेजने व 20 शिकायतें लंबित पाई गई। वर्ष 2023-24 में सीवरेज व पानी के 55 करोड़ 45 लाख 9 हजार 969 के बिल जारी किए गए, जिसमें से 49 करोड़ 54 लाखा 8023 रुपये की रिकवरी पाई गई। इसमें 59 लाखा 11 हजार 946 की रिकवरी बकाया पाई गई। जांच पड़ताल में पाया गया कि 94.556 एकड़ भूमि पर कोर्ट केस लंबित होने के कारण अवैध कब्जा होना पाया गया, जिसकी रिपोर्ट भेज दी गई है। इसके अलावा सीएम फ्लाइंग ने छापे के दौरान अन्य कागजों व स्कीमों की भी जांच की।

रोजगार सृजन में की तालमेल बनाने के लिए कोर ग्रुप का गठन होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डा मनसुख मांडविया ने रोजगार सृजन पर सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच तालमेल पर जोर देते हुए कहा है कि इसके लिए एक कोर समूह का गठन किया जाएगा। डॉ. मांडविया यहां रोजगार आंकड़ों पर अंतर-मंत्रालयी गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विभिन्न रोजगार डेटा स्रोतों के बीच संबंध बनाने, उन्हें स्वीकार करने और एकीकृत करने की आवश्यकता है ताकि एक ऐसी प्रणाली विकसित की जा सके जो देश में रोजगार सृजन की समग्र परिदृश्य सामने आ सके। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों और उद्योग को शामिल करते हुए एक कोर ग्रुप बनाने की आवश्यकता है जो तालमेल बनाने और वर्तमान में अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद प्रयासों को एकीकृत करने के लिए नियमित रूप से बैठकें करेगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 670.86 अरब डॉलर के रिकॉर्ड नए उच्चतम स्तर पर

मुंबई। अर्थव्यस्था के मोंचे पर अच्छी खबर है। लगातार तीसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 जुलाई को समाप्त हफ्ते में चार अरब डॉलर उछलकर 670.86 अरब डॉलर के अबतक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 19 जुलाई को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार अरब डॉलर बढ़कर 670.86

अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर रहा है। इससे पहले 12 जुलाई को समाप्त हफ्ते में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.69 अरब डॉलर बढ़कर 666.85 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान मुद्रा भंडार का अहम घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.58 अरब डॉलर बढ़कर 588.05 अरब डॉलर हो गईं। आंकड़ों के अनुसार स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 1.33 अरब डॉलर बढ़कर 59.99 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 9.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.21 अरब डॉलर हो गया है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा इस दौरान 4.61 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित रही।

एक राष्ट्र, एक दर : सोने की दरों में एकरूपता के लिए पूर्वी भारत से शुरुआत

कोलकाता। सोने के आभूषण उद्योग ने 'एक राष्ट्र, एक दर' नीति की मांग की है, जो अगस्त से पूर्वी भारत के लिए एकीकृत दर के साथ शुरू होगी। स्वर्ण शिल्प बचाओ समिति के अध्यक्ष समर कृष्ण डे ने यह जानकारी दी। समर कृष्ण डे ने बताया, सभी हितधारकों ने देशभर में एकीकृत सोने की दर के विचार में रुचि दिखाई है। हम अगस्त से बंगाल और पूर्वी भारत के लिए एकल दर के साथ शुरुआत करेंगे और इस पहल के लिए बुलियन विक्रेताओं को शामिल किया है।ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के अध्यक्ष सैयम मेहरा ने कहा, इसका उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए एक समान मंच बनाना और अंडरकटिंग रोकना है। डे ने बताया कि वे अगले छह महीनों में 'एक सोने की दर' नीति को पूरे देश में विस्तारित करने का लक्ष्य रखते हैं और बड़े राष्ट्रीय ज्वैलरी रिटेल चेन के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में नौ प्रतिशत की शुल्क कटौती उद्योग के लिए अप्रत्याशित थी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट प्रस्तावों में सोने और चांदी पर आयात शुल्क को 15 प्रतिशत से घटा कर छह प्रतिशत कर दिया है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि तेज शुल्क कटौती से अवैध आयात को समाप्त करने में मदद मिलेगी। हीरा आयातक सनी ढोलकिया ने कहा, कुल आयात में लगभग 950 टन में से 100 टन सोने की तस्करी होती है।

ओपनएआई ने दी गूगल सर्च को टक्कर, एआई-संचालित सर्चजीपीटी को किया लॉन्च

सैन फ्रांसिस्को । चैटजीपीटी निर्माता ओपनएआई ने सर्चजीपीटी लांच किया है, जो एक एआई संचालित सर्च इंजन है, यह वेब पर रियल टाइम पर सूचना तक एक्सेस प्रदान करता है। सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित कंपनी ने कहा कि वह सर्चजीपीटी का टेस्टिंग कर रही हैं, जो नए एआई सर्च फीचर्स का एक टेंपरेरी प्रोटोटाइप है, यह आपको तेज और समय पर जवाब देता है। ओपनएआई ने कहा कि वह सबसे पहले फीडबैक प्राप्त करने के लिए यूजर्स और पब्लिशर्स के एक छोटे ग्रुप के साथ सर्च इंजन लॉन्च कर रहा है। कंपनी ने कहा, हालांकि यह प्रोटोटाइप टेंपरेरी है, लेकिन हम भविष्य में इनमें से बेस्ट फीचर्स को सीधे चैटजीपीटी में एकीकृत करने की योजना बना रहे हैं। यूजर्स को सर्च में पब्लिशर्स को लिंक कर उनसे जुड़ने में मदद करने के लिए सर्चजीपीटी को डिजाइन किया गया है। आप फॉलो-अप सवाल पूछ सकेंगे, जैसे आप किसी व्यक्ति से बातचीत में करते हैं। ओपनएआई ने कहा, रिस्पांस में क्लीयर, इन-लाइन, नेम और लिंक होते हैं।

हवाई कंपनियों के किराया वसूलने की मनमानी रोकने की लोकसभा में की गई मांग

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेशों में रहने वाले भारतीयों से हवाई कंपनियों की ओर से अत्यधिक किराया वसूले जाने का मुद्दा लोकसभा में उठा और सदस्यों ने इसे लूट बताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की और कहा कि इस मामले में सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। अध्यक्ष ओम बिरला ने भी इसे गंभीर मुद्दा बताया और कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्री को इस मामले में सभी हवाई सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को बुलाकर उनकी इस मनमानी पर रोक लगानी चाहिए। उनका कहना था कि कंपनियों को मंत्री बुलाएं और किराया किस वजह से ज्यादा वूसला जा रहा है इस बारे में उनसे पूछा जाना चाहिए तथा लोगों की इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए। कांग्रेस के शफी परम्बिल ने हवाई सेवाओं की मनमानी से जुड़े 'गैर सरकारी सदस्यों के लिए संकल्प' पर चर्चा के दौरान हवाई सेवा देने वाली कंपनियों का इसे गैरजिम्मेदाराना

व्यवहार बताया और कहा कि यात्रियों से यह मनमानी वसूली की जा रही है। उन्होंने एक उदाहरण तिरुवनंतपुर से दुबई का दिया और कहा कि पहले दिन हवाई जहाज का किराया 90 हजार से ज्यादा लिया जाता है और अगले दिन उसी फ्लाइट से उसी समय उसी गंतव्य तक पहुंचाने के लिए 77 हजार रुपए वसूले जाते हैं। उनका कहना था कि देश की हवाई कंपनियां लोगों को लूट रही है और विदेश में रहने वाले देश के नागरिकों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि हवाई सेवा देने वाली सभी कंपनियां एक साथ हैं और वे मिलकर यात्रियों को लूट रही हैं। उन्होंने इसे लोगों के साथ अन्याय बताया और कहा कि सरकार को इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए। हवाई कंपनियां इस तरह का व्यवहार कर लोगों के साथ अत्याचार कर रही है और सरकार को इस अत्याचार से लोगों को बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस सांसद ने जब यह आरोप लगाए तो उस समय नागरिक उड्डयन मंत्री राम बाबू नायडू भी सदन में मौजूद थे। अध्यक्ष ने श्री शफी की बात को गंभीरता से लेते हुए मामले में हस्तक्षेप किया और श्री नायडू को हवाई सेवा देने वाली सभी कंपनियों को बुलाकर और उन्हें निर्देश देने को कहा कि वे लोगों के साथ न्याय करें और जो बातें सदस्य बोल रहे हैं उनसे संबंधित सवाल इन कंपनियों के अधिकारियों से पूछे। अध्यक्ष द्वारा नागरिक उड्डयन मंत्री को विदेशों में रहने वाले भारतीयों से ज्यादा किराया वसूले जाने संबंधी मसले पर संबंधित मंत्री को उचित कदम उठाने को कहने के लिए कांग्रेस सांसद ने उनका धन्यवाद किया और कहा कि सभी सदस्यों को देश से बाहर रहने वाले भारतीयों के साथ होने वाली इस लूट को रोकने में मदद करनी चाहिए।

अबतक 5 करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न हुआ दाखिल : आयकर विभाग

एजेंसी

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अब तक पांच करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किया जा चुका हैं। ये पिछले साल 27 जुलाई तक दाखिल आयकर रिटर्न की तुलना में अधिक है।

इनकम टैक्स विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि 26 जुलाई तक आकलन वर्ष 2024-25 के लिए पांच करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए जा चुके हैं। ये पिछले साल 27 जुलाई की तुलना में ज्यादा है। विभाग ने कहा कि हम पांच करोड़ आयकर रिटर्न के लक्ष्य तक पहुंचने में हमारी मदद करने के लिए करदाताओं और कर पेशेवरों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। विभाग ने कहा कि हम उन सभी लोगों से आग्रह करते हैं, जिन्होंने आकलन 2024-25 के लिए आईटीआर दाखिल नहीं किया है, वे अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए जल्द से जल्द अपना आयकर रिटर्न दाखिल करें। आयकर विभाग ने करदाताओं से कहा कि कृपया ध्यान दें! अगर आपने अभी तक अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल नहीं किया है, तो उसे दाखिल करना न भूलें क्योंकि आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2024 है।

आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 31 जुलाई तक दाखिल कर दें आईटीआर, नहीं तो लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 और आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई तय की गई है। ऐसे में अगर आपने अब तक अपना आईटीआर फाइल नहीं किया है, तो जल्द ही कर दें। तय तारीख के अंदर आईटीआर दाखिल नहीं करने पर जुर्माना चुकाना पड़ सकता है।

इनकम टैक्स इंडिया ने एक बयान में करदाताओं को कहा कि कहा कृपया ध्यान दें! अगर आपने अभी तक अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल नहीं किया है, तो उसे दाखिल करना न भूलें, क्योंकि आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है।इनकम टैक्स एक्सपर्ट अमित रंजन का कहना है कि टैक्स पेयर्स आईटीआर फाइल करते समय पुरानी और नई कर व्यवस्था में से अपने लिए सही ऑप्शन चुनें। उन्होंने कहा कि करदाताओं को आयकर रिटर्न फाइल करने के दो ऑप्शन मिलते हैं। पहली यानी पुरानी कर व्यस्था को चुनने पर आपकी 2.5 लाख रुपये तक की इनकम ही टैक्स फ्री रहेगी। हालांकि, इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 87ए के तहत आप 5 लाख रुपये तक की

इनकम पर टैक्स बचा सकते हैं। नई कर व्यवस्था को चुनने पर 7 लाख रुपये तक की इनकम पर अब टैक्स नहीं देना होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में नई कर व्यवस्था को और आकर्षक बनाने का ऐलान किया। हालांकि, पुरानी कर व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा नई कर व्यवस्था के तहत पेंशनभोगियों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती को 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। इन दोनों बदलावों से टैक्सपेयर्स को 17,500 रुपये तक का फायदा मिलेगा।

एलआईसी ने बनाया नया रिकॉर्ड, मार्केट कैप 7.34 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का शेयर हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन लाइफ-टाइम हाई के रिकॉर्ड स्तर 1,178.60 पर पहुंच गया। इसके साथ ही एलआईसी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 7.34 लाख करोड़ पर पहुंच गया है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर एलआईसी का शेयर भाव कारोबार के दौरान 1,178.60 रुपये के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले कंपनी का शेयर 9 फरवरी, 2024 को 1175 रुपये प्रति शेयर के ऑल-टाइम हाई पर था। इस शानदार प्रदर्शन के कारण इस साल की शुरुआत से अबतक इस स्टॉक ने 38.61 फीसदी का रिटर्न दिया है।

ये आंकड़ा बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी से बहुत अधिक है, जिन्होंने क्रमशः 11.24 फीसदी और 12.86 फीसदी का रिटर्न दिया है।

शेयर बाजार में एलआई के शेयर में आई तेजी की वजह से एलआईसी देश की आठवीं सबसे

बड़ी लिस्टेड कंपनी बन गई है। इसके साथ ही सरकार द्वारा सूचीबद्ध पीएसयू कंपनियों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बाद दूसरे स्थान पर है।

फिलहाल बीएसई सेंसेक्स पर एलआईसी का शेयर 30.55 अंक यानी 2.63 फीसदी की तेजी के साथ 1,191.05 पर ट्रेंड कर रहा है। उल्लेखनीय है कि चालू वित?त 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एलआईसी का शुद्ध लाभ 9,544 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 683 करोड़ रुपये मुनाफा हुआ था।

सैनस्टार लिमिटेड का शेयर 15 फीसदी उछलकर 109 रुपये पर सूचीबद्ध

एजेंसी

मुंबई। प्लांट बेस्ड स्पेशल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी सैनस्टार लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 95 रुपये से करीब 15 फीसदी की उछाल के साथ शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 90 से 95 रुपये प्रति शेयर तय किया था। इस इश्यू के जरिए कंपनी 510.15 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इश्यू प्राइस से 14.73 फीसदी ऊपर 109 रुपये रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 12 फीसदी के ऊपर 106.40 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ है। इसका आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का

प्राइस बैंड 95 रुपये था। कंपनी का आईपीओ निवेशकों के निवेश के लिए 19 जुलाई से 23 जुलाई तक खुला था।

शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक बीएसई पर कंपनी के शेयर ने निर्गम मूल्य से 12 फीसदी की बढ़त के साथ 106.40 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो बाद में 33.15 फीसदी की बढ़त के साथ 126.50 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 14.73 फीसदी की बढ़त के साथ 109 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी को इस निर्गम के आखिरी दिन मंगलवार को 82.99 गुना अभिदान मिला था।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के धुले और गुजरात के कच्छ में स्थित अपनी दो विनिर्माण सुविधाओं के माध्यम से सैनस्टार की स्थापित क्षमता 1,100 टन रोजाना है। कंपनी भारत में खाद्य, पशु पोषण और औद्योगिक इस्तेमाल के लिए प्लांड बेस्ड स्पेशल प्रोडक्ट बनाती है। इसके प्रोडक्ट्स एशिया, अमेरिका, यूरोप और ओशिनिया, और मध्य पूर्व अफ्रीका समेत 45 से ज्यादा देशों में निर्यात किए जाते हैं। इन सामग्रियों के निर्यात से कंपनी को 30 फीसदी से अधिक राजस्व प्राप्ति होती है।

सरसों की कीमतों में मामूली गिरावट, सीड में 50 रुपए की नरमी

एजेंसी

जयपुर। सरसों सीड की कीमतें एक बार फिर मंदी की ओर हैं। जयपुर मंडी में सरसों मिल डिलीवरी 42 प्रतिशत तेल कंडीशन 50 रुपए घटकर 6100 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास आ थमी। हालांकि इन दिनों सरसों का बाजार काफी संवेदनशील हो गया है। सुबह के भाव शाम को बदल जाते हैं। कुछ ऐसे फैक्टर भी हैं, जो लगातार बाजार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे ही भाव में थोड़ी सी गिरावट आती है निचले भावों पर खरीद निकलने लग जाती है और माल नहीं मिलने के कारण भाव फिर से ऊपर की ओर चलने लग जाते हैं। फिलहाल सरसों सीड में कोई उल्लेखनीय फेरबदल होने के आसार नहीं हैं। बाजार डिमांड एंड सप्लाई के आधार पर ही चलता रहेगा। यूं तो देश की मंडियों में सरसों की दैनिक आवक घटकर वर्तमान में तीन लाख बोरी के आसपास रह गई है। मूंगफली तेल में इन दिनों थोड़ी मजबूती देखी जा रही है। इस बीच मुंबई की आर.आर. उमरभॉय प्राइवेट लिमिटेड ने जयपुर की कृष्णा मार्केटिंग को प्रीमियो मूंगफली रिफाइंड तथा प्रीमियो मूंगफली फिल्टर तेल का राजस्थान के लिए वितरक नियुक्त किया है। कंपनी उक्त दोनों ब्रांडों को एक लीटर, दो लीटर, पांच लीटर, 15 लीटर तथा 15 किलो की पैकिंग में विपणन कर रही है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 73 प्रतिशत बढ़ा, राजस्व में भी 43 फीसदी की वृद्धि

एजेंसी

अहमदाबाद । अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने अप्रैल-जून तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किये। साल-दर-साल आधार पर कंपनी का परिचालन राजस्व 47 प्रतिशत बढ़कर 5,379 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं, कर भुगतान के बाद का लाभ 315 करोड़ रुपये रहा जो 73 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्शाता है। अदाणी समूह की कंपनी ने बताया कि उसका ऑपरेशनल ईबीटीडीए 1,628 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 29.7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि दहानू पावर प्लांट को अलग करने के कारण 1,506 करोड़ रुपये का एक्सेप्शनल आइटम दिखाया गया है जिसका प्रभाव शुद्ध लाभ पर दिख रहा है।

कंपनी 2050 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए दहानू पावर प्लांट को अलग कर रही है। इससे कंपनी उन निवेशकों को आकर्षित कर सकेगी जो निवेश से पहले कंपनी के ईएसजी (इनवायरनमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस) पर ध्यान देते हैं। अब तक ऐसे निवेशक एईएसएल के

पोर्टफोलियो में दहानू पावर प्लांट के शामिल होने के कारण कतराते थे। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के प्रबंध निदेशक अनिल सरदाना ने कहा, ÷एईएमएल और एमयूएल के अपने वितरण क्षेत्रों में बिजली की मांग में तेज बढ़ोतरी के साथ एईएसएल की नई लाइनों की कमीशनिंग पर लगातार फोकस कर रहा है। मुंबई में नवीकरणीय ऊर्जा की पहुंच 37 प्रतिशत हो चुकी है।

सरदाना ने कहा, नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान देकर (उदाहरण के लिए खावड़ा) तथा मौजूदा ग्रिडों को और शक्ति प्रदान करने के साथ अपने स्मार्ट मीटरिंग कार्यक्रम के जरिये देश में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देकर हम गर्व महसूस कर रहे हैं। कंपनी ने बताया कि राजस्व में तेज वृद्धि के कारकों में परिचालन में शामिल नई ट्रांसमिशन परिसंपत्तियों का योगदान, निर्माणाधीन परियोजनाओं में अतिरिक्त लाइनों को जोड़ना और मुंबई तथा मुंद्रा के वितरण कारोबार में बिजली की मांग बढ़ने से बेची गई यूनिटों में बढ़ोतरी और स्मार्ट मीटरिंग कारोबार से प्राप्त आय शामिल है। उसने बताया कि मुंबई के वितरण कारोबार में बिजली की मांग आठ प्रतिशत बढ़ी। वहीं, डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 5.18 प्रतिशत के निचले स्तर पर रहा और विश्वसनीय तथा सस्ती बिजली आपूर्ति के कारण नये उपभोक्ताओं के जुड़ने से उपभोक्ताओं की कुल संख्या 32 लाख पर पहुंच गई।

ट्रांसमिशन सेगमेंट में हाल की तिमाहियों में कंपनी की पाइपलाइन में कई परियोजनाएं शामिल हुई हैं और ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए उसका ऑर्डर बुक 17 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने बताया कि पूरे देश में बढ़ती ऊर्जा मांग के अनुरूप अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई में बिजली की मांग (बेची गई इकाई) वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में साल-दर-साल आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 296.2 करोड़ इकाई पर पहुंच गई।

पांच दिनों की गिरावट के बाद शेयर बाजार में तेजी, निफ्टी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच कारोबारी दिनों से जारी गिरावट के सिलसिले पर आज रोक लग गई। शेयर बाजार आज शानदार मजबूती के साथ बंद हुआ। इस मजबूती के साथ ही बाजार ने पिछले सप्ताह के शेयर बाजार में हो रहे नुकसान की पूरी भरपाई भी कर ली। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से शुरुआती मिनट में दबाव की स्थिति भी बनी। लेकिन इसके बाद खरीदार पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए। लगातार हो रही खरीदारी के कारण सेंसेक्स ऑल टाइम हाई के स्तर के काफी करीब पहुंच गया। वहीं, निफ्टी ने मजबूती का नया इतिहास रच डाला। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.62 प्रतिशत और निफ्टी 1.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद शेयर बाजार के सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। मेटल, आईटी, रियल्टी, फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, मीडिया और टेलीकॉम इंडेक्स 1 से लेकर 3 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.12 प्रतिशत उछल कर बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 456.92 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 7.10 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,040 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,652 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,286 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 102 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,349 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,593 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 756 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 29 शेयर बढ़त के साथ और सिर्फ 1 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 47 शेयर हरे निशान में और 3 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 118.70 अंक की मजबूती के साथ 80,158.50 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत में बिकवाली के दबाव की वजह से कुछ मिनट के लिए ये सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर 26.20 अंक की कमजोरी के साथ लाल निशान में 80,013.60 अंक तक गिर भी गया। थोड़ी देर में ही खरीदारों ने बाजार पर कब्जा कर लिया और चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। हालांकि बाजार को बीच-बीच में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का मामूली झटका भी लगता रहा। इसके बावजूद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक लगातार ऊपर चढ़ता चला गया। लगातार हो रही लिवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स निचले स्तर से 1,400 अंक से भी अधिक उछल कर 1,387.38 अंक की मजबूती के साथ 81,427.18 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1,292.92 अंक की तेजी के साथ 81,332.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 17.25 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,423.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

यूपी की तरह विभिन्न राज्यों में 12 नए औद्योगिक शहर बनेंगे, विनिर्माण व रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

नई दिल्ली।उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया, ऐसे दो औद्योगिक शहर आंध्र प्रदेश और एक बिहार में विकसित किए जा रहे हैं। वहीं, आठ औद्योगिक शहर पहले से ही कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जबकि बजट में 12 नए औद्योगिक शहरों की घोषणा की गई है।?इससे देश में इन शहरों की संख्या बढ़कर 20 हो जाएगी।

आठ शहर पहले से ही विकास चरण में

सचिव ने कहा, आठऔद्योगिक शहरों में से गुजरात के धोलेरा, महाराष्ट्र के ऑरिक, मध्य प्रदेश के विक्रम उद्योगपुरी और आंध्र प्रदेश के कृष्णापत्तनम में इनकी बसावट के लिए बुनियादी ढांचा विकसित किया जा चुका है। भूखंड आवंटन का काम चल रहा है। चार अन्य शहरों में भी सड़क संपर्क, पानी व बिजली

आपूर्ति जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

कैबिनेट से करेंगे संपर्क

सिंह ने कहा, इन शहरों के लिए योजनाएं तैयार हैं और जमीन राज्य सरकारों के पास है। हमें बस इसके लिए गठित विशेष उद्देश्य वाली इकाइयों (एसपीवी) को इक्विटी मंजूरी देनी है। डीपीआईआईटी नए शहरों के लिए कैबिनेट से संपर्क करेगा।

फिच रेटिंग्स ने कहा, भारत का चुनाव बाद का बजट इस बात की पुष्टि करता है कि सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। गठबंधन में शामिल दलों की मांग के बावजूद नई सरकार राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर टिकी हुई है। फिच ने कहा, हमारा मानना है कि यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, क्योंकि 2024-25 में सरकार का अनुमान बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि 10.5 फीसदी रहने का है, जो हमारे मौजूदा पूर्वानुमान से थोड़ा कम है।

सावधान! बरसात में बढ़ जाता है Hepatitis का खतरा, डॉक्टर के बताए इन टिप्स से रखें अपना ख्याल

मानसून के दौरान Hepatitis का खतरा काफी बढ़ जाता है। यह दूषित खाने या पानी की वजह से होने वाला एक वायरल संक्रमण है जो मलाशय या मुंह के जरिए शरीर में प्रवेश करता है। ऐसे में इस बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल 28 जुलाई को 2श्वह्म्द्यस्र hep-atitis da4 मनाया जाता है। इस मौके पर जानते हैं इससे बचने के लिए कुछ उपाय।

बरसात के मौसम में कई सारी बीमारियां अक्सर लोगों के लिए परेशानी की वजह बनी रहती हैं। इस दौरान पानी,खाने और मच्छरों से होने वाली बीमारियों का आतंक चरम पर होता है। हेपेटाइटिस (Hepatitis) इन्हीं में से एक है, जो एक गंभीर संक्रमण है। यह वायरस आमतौर पर मलाशय या मुंह के जरिए शरीर में प्रवेश करता है। इसके कई प्रकार होते हैं, जिसमें हेपेटाइटिस ए और ई, जो खाने और वॉटर बॉडीज के दूषित होने के कारण होते हैं, इस समय एक प्रमुख चिंता का विषय है।

ऐसे में इस गंभीर संक्रमण के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे (world hepatitis day 2024) के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद वायरल हेपेटाइटिस को खत्म करने के लिए जागरूकता फैलाना है। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे हेपेटाइटिस से बचने के लिए न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स, नोएडा में पैथोलॉजिस्ट सलाहकार डॉ.विज्ञान मिश्र के बताए कुछ टिप्स-

साफ-सुथरा पानी पिएं

मानसून के दौरान, जल प्रदूषण एक आम समस्या होती है, जो हेपेटाइटिस का कारण बन सकती है। इसलिए इससे बचने के लिए हमेशा उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं। घर में वॉटर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें और कहीं से भी पानी पीने से बचें। इसके अलावा यात्रा करते समय अपनी पानी की बोतल साथ रखें।

हाथों की साफ-सफाई बनाए रखें

हेपेटाइटिस, विशेष रूप से हेपेटाइटिस ए और ई, जो मलाशय-मुंह के जरिए फैलता है, को रोकने के लिए हाथों की स्वच्छता महत्वपूर्ण है। इसके लिए खाने से पहले, टॉयलेट का इस्तेमाल करने के बाद और संभावित दूषित सतहों के संपर्क में आने के बाद अपने हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं।

साफ और ताजा खाना खाएं

प्रदूषण की संभावना बढ़ने के कारण मानसून के दौरान स्ट्रीट फूड और कच्चे फूड आइटम्स को खाना विशेष रूप से खतरनाक हो सकता है। इसलिए सुरक्षित रहने के लिए ताजा और पका हुआ भोजन चुनें। कच्चा सलाद खाने से बचें और सुनिश्चित करें कि फल और सब्जियां ठीक से धोई या छीली हुई हों।

बाढ़ वाले इलाकों से बचें

मानसून के दौरान, बाढ़ के पानी में जाने से बचें, क्योंकि इनमें ऐसे वायरस हो सकते हैं जो हेपेटाइटिस का कारण बनते हैं। अगर बाढ़ के पानी के संपर्क में आना भी पड़े, तो सुनिश्चित करें कि आप बाद में खुद को अच्छी तरह से साफ कर लें और संक्रमण को रोकने के लिए किसी भी खुले घाव का तुरंत इलाज करें।

वेस्ट प्रोडक्ट्स को अच्छे से डिस्पोज करें

हेपेटाइटिस को फैलने से रोकने के लिए किसी भी तरह के वेस्ट प्रोडक्ट खासकर ह्यूमन वेस्ट को सही तरीके डिस्पोज करें। सुनिश्चित करें कि सीवेज सिस्टम ठीक से काम कर रहे हों और ऐसी जगह जाने से बचें, जहां डिस्पोज की अच्छी व्यवस्था न हो। साथ ही सही सैनिटेशन सुविधाओं का इस्तेमाल करें और खुले में शौच न करें और न करने दें।

वैक्सीन लगवाएं

कुछ प्रकार के हेपेटाइटिस से बचाव के लिए वैक्सीनेशन एक बेहद प्रभावी तरीका है। हेपेटाइटिस ए और बी की वैक्सीन लगवाने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें, खासकर अगर आप हाई रिस्क में हैं या इस बीमारी के फैलने की संभावना वाले क्षेत्रों में रह रहे हैं।

सावरकर जैसा न बन जाए आपातकाल का मुद्दा

इन पचास वर्षों में भाजपा को आपातकाल की ऐसी याद कभी न आई, यह सवाल भी है। और इन पचास सालों में देश में आई दो पीढ़ियों को उसकी याद कितनी है और अब कितनी महत्वपूर्ण लगेगी यह सवाल भी बना ही हुआ है। इन्हीं लोगों से आज देश का बहुमत बनता है और उनकी चिंताऐं कुछ बातों को लेकर हैं। उन्हें संविधान की या लोकतंत्र की चिंता न हों ऐसा नहीं।आम चुनाव में हुई धुलाई और चुनाव के बाद ज्यादा उत्साह में दिख रहे विपक्ष के जबाब में अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह लाने और कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के लोगों को बैकफुट पर लाने के लिए भाजपा आपातकाल का मुद्दा जोर-शोर से उठाने जा रही है। इसकी तैयारी कई स्तर पर है और जैसा नरेंद्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी के अब तक के कार्यक्रमों में होता रहा है, इस बार भी अगले कई दिनों तक हर कहीं आपातकाल और उस अवधि में संविधान के मौलिक अधिकार तक स्थगित रहने जैसे न जाने कितने ही सवाल बौद्धिक चर्चा में भी आएंगे। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने चार सौ पार के नारे और भाजपा के कुछ कोनों से उठी संविधान संशोधन की मद्धिम सी आवाज को मुद्दा बनाकर दलित वोटों को अपने पक्ष में ध्रुवीकृत कर लिया वह भाजपा को, खासकर उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान पहुंचा गया। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने कहा कि अगर भाजपा को चार सौ सीटें मिलीं तो वह संविधान में बदलाव करके दलितों, पिछड़ों और कमजोर लोगों के आरक्षण को समाप्त कर देगी। बाबा साहब का बनाया संविधान धीरे-धीरे दलितों के बीच एक बड़ा मुद्दा बन गया क्योंकि उनका अनुभव बताता है कि आजाद भारत में उनको जो थोड़ा बहुत हासिल हुआ है वह संविधान के चलते ही है।विपक्ष का यह दांव सही बैठा। भाजपा ने भी पहले इसी तरह मोदी को चायवाला, %नीच% और मौत का सौदागर कहने जैसे कई मुद्दों को नया स्वरूप देकर विपक्ष की घेराबंदी की थी और चुनावी सफलता हासिल की थी। चुनाव में सब कुछ चलता है, जैसे जुमलों की जगह इन सवालों में पक्ष-विपक्ष की अपनी क्षमता, विश्वसनीयता और पुराना रिकार्ड भी सफलता असफलता तय करता कराता है। भाजपा और संघ परिवार इस मामले में हाल में सब पर भारी पड़ा है। और इस बार विपक्ष का दांव चल जाने की एक वजह संघ का मोदी-शाह की कार्यशैली से नाराजगी भी थी। यह बात चुनाव तक उतनी जाहिर न हुई थी लेकिन चुनाव बीतते ही खुद संघ प्रमुख मोहन भागवत से लेकर जाने किस किस ने स्पष्ट ढंग से समझा दिया। इस दांव के चल जाने की उससे भी ज्यादा बड़ी वजह बसपा के भाजपा के साथ चिपक जाने और दलितों में राजनैतिक बेचैनी का होना भी था। पिछले चुनाव से पहले रोहित बेमुला की मौत से लेकर की जगह दलितों की पिटाई का मामला अम्बेडकरवादी जमातों और कुछ प्रगतिशील जमातों ने बड़े जोर-शोर से उठाया था लेकिन आम दलित और उनके बीच की फांक का लाभ लेते हुए भाजपा ने काफी सारा दलित वोट हासिल किया और ये जमात और इनको समर्थन दे रही कांग्रेस जैसी पार्टियां खाली हाथ रहीं।इसलिए भाजपा अब संविधान बचाओ और उस पर अब तक के सबसे बड़े हमले, आपातकाल के पचास साल पूरे होने पर कांग्रेस और उसका समर्थन कर रही पार्टियों को घेरने की योजना पर काम कर रही है तो किसी को भी इस रणनीति में कुछ तर्क दिखेगा। लेकिन जैसे ही आप पचास साल की अवधि, इस बीच खुद इंदिरा गांधी और कांग्रेस के कामकाज पर नजर पड़ते ही भाजपा की इस तैयारी में कमियां दिखने लगेंगी। एक तो इंदिरा गांधी ने ही आपातकाल हटाया और उसके बाद जबरदस्त ढंग से चुनाव जीती भी थीं। दूसरे आपातकाल के दौरान संघ परिवार और भाजपा की पूर्ववर्ती पार्टी, जनसंघ का खुद का रिकार्ड भी संदेहास्पद है। उसके काफी लोग माफी मांग कर जेल से बाहर आए थे। फिर इंदिरा गांधी और उनके पुत्र राजीव गांधी की जिस तरह से शहादत हुई और उन सबके बीच भी कांग्रेस ने चुनावी हार-जीत हासिल की, लोकतान्त्रिक प्रक्रिया को नहीं छोड़ा वह रिकार्ड सबके सामने है। और इन पचास वर्षों में काफी पानी बह चुका है और कल जिन लोगों ने आपातकाल के चलते जेल सहा, लाठी-गोली खाई उसमें से अधिकांश या उनके राजनैतिक वारिस आज इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं या भाजपा से दूर हो चुके हैं।फिर इन पचास वर्षों में भाजपा को आपातकाल की ऐसी याद कभी न आई, यह सवाल भी है। और इन पचास सालों में देश में आई दो पीढ़ियों को उसकी याद कितनी है और अब कितनी महत्वपूर्ण लगेगी यह सवाल भी बना ही हुआ है। इन्हीं लोगों से आज देश का बहुमत बनता है और उनकी चिंताऐं कुछ बातों को लेकर हैं। उन्हें संविधान की या लोकतंत्र की चिंता न हों ऐसा नहीं यही लेकिन आप अपनी राजनीति के लिए कभी एक तो कभी दूसरे मुद्दे को उठाएं तो इसकी पहचान उन्हें है। पचास साल के इतिहास का ज्ञान भी उनको है और उनके अनुभव में भी आपातकाल का असर रहा है। यह कितना गहरा या हल्का रहा है, यह आपको बताने की जरूरत नहीं है।

और लोकतंत्र की इस यात्रा की लड़खड़ाहटों ने इसे सीख दी है, बेहतर करने का रास्ता दिखाया है और गिरावटों की पहचान भी बताई है। आज पहले की तरह राष्ट्रपति शासन लगाना, सरकार गिराना, पार्टियां तोड़ना, दलबदल कराना असंभव है। वह खेल नए रूप में शुरू हुआ है यह सबको दिख रहा है।कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी भी हाल के वर्षों में अपने अत्यधिक क्रांतिकारी वामपंथी सलाहकारों की राय मानकर संघ और सावरकर के सवाल को अलग-अलग ढंग से उठाकर भाजपा और संघ परिवार को घेरने की कोशिश करते हुए एक %फर्जी किस्म की बहस% में फंसते रहे हैं। गांधी की हत्या हमारे लिए एक शर्म और शोक की बात है और उसने काफी चीजों को प्रभावित किया। लेकिन संघ और सावरकर का योगदान की मामलों में अलग किस्म का भी रहा है जिसकी अनदेखी नहीं हो सकती या जिसके सहारे इन आरोपों को मद्धिम किया जा सकता है।इंदिरा गांधी देश में सबसे प्रभावी प्रधानमंत्रियों में एक रही हैं और सिर्फ आपातकाल की गलती या कुछ अन्य गलतियों को उठाकर उनके सारे कामकाज को नकारा नहीं जा सकता। सावरकर के दो रूप रहे हैं और वे किन वजहों से माफी मांगने तक आगे या बाद की भूमिका निभाई यह उनके क्रांतिकारी कामों के रिकार्ड को खत्म नहीं कर सकता। इसलिए जो गलती राहुल गांधी सावरक र पर बार-बार हमला करके कर रहे थे, भाजपा आपातकाल के सवाल को उठाकर वैसी ही गलती करती लगती है। इससे लाभ क्या होगा कहना मुश्किल है लेकिन इसमें ऊर्जा और साधन बहुत लगेगा जिसे किसी और काम में लगाना ज्यादा फायदेमंद रहता।

संपादकीय

सत्ता के खेल और तिकड़में

सरकार बनाये रखने या चुनाव जीतने के लिये भारतीय जनता पार्टी किस प्रकार से हथकंडे अपनाती है, इसका एक और उदाहरण महाराष्ट्र में देखने को मिला है जहां पूर्व मंत्री अनिल देशमुख ने आरोप लगाया है कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने उन पर दबाव डाला था कि वे शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनके पुत्र आदित्य ठाकरे, नेशनल कांग्रेस पार्टी के अजित पवार और पूर्व परिवहन मंत्री अनिल परब को फंसाने वाले हलफनामे पर हस्ताक्षर कर दें जिसके लिये उन्होंने मना कर दिया था।यह तब की बात है जब राज्य में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना, एनसीपी तथा कांग्रेस की सरकार चल रही थी। भारतीय जनता विपक्ष में थी। देशमुख के अनुसार एक मध्यस्थ के माध्यम से उनके पास यह संदेश आया था। वह मुलाकात एक होटल में हुई थी जिसमें उन्हें प्रस्ताव दिया गया था कि अगर देशमुख ऐसा करते हैं तो उन्हें उनके खिलाफ चल रहे मामले में राहत मिल जायेगी। देशमुख के अनुसार उन्होंने इस प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया था। उल्लेखनीय है कि देशमुख ने इसी सरकार में गृह मंत्री के पद से अप्रैल, 2021 में इस्तीफा दे दिया था क्योंकि उन पर मुंबई के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह द्वारा आरोप लगाया गया था कि उन्होंने उनसे कहा था कि पुलिस वालों से वे शहर भर के होटलों व बार मालिकों से हफ्ता वसूली के लिये कहें। देशमुख अब एनसीपी (शरद पवार) के नेता हैं।यह मामला इसलिये उठा है क्योंकि बुधवार को फडनवीस ने आरोप लगाया है कि उद्धव ठाकरे और शरद पवार के खिलाफ़ अनिल देशमुख बातें करते रहे हैं जिसकी वीडियो क्लिप उनके पास है। इसी के जवाब में देशमुख ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर फडनवीस को चुनौती दी कि वे कथित वीडियो क्लिप को सार्वजनिक करें। इसी सन्दर्भ में बुलाई मीडिया कांफ्रेंस में खुद देशमुख ने यह आरोप जड़ दिया। उनका आरोप है कि उनसे कहा गया था कि अगर वे ऐसा करते हैं तो उनके पीछे न ही ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) लगेगी और न ही सीबीआई।वैसे देशमुख की इस चुनौती का जवाब भी फडनवीस की ओर से आ गया है। उन्होंने कहा कि देशमुख के खिलाफ उनकी पार्टी के ही नेता उनसे मिले थे। उन लोगों के पास उद्धव ठाकरे, शरद पवार, विवादास्पद पुलिस अधिकारी सचिन वाजे आदि के खिलाफ उनकी (देशमुख) टिप्पणियों वाले सबूत भी थे। फडनवीस ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें चुनौती दी गयी तो उनके पास वीडियो क्लिप सार्वजनिक करने के अलावा और कोई चारा नहीं रह जायेगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि परमबीर सिंह द्वारा उन पर लगाये 100 करोड़ रुपये की वसूली वाले आरोप के मामले में देशमुख जमानत पर हैं।इस प्रकरण में जिस वीडियो क्लिप को लेकर विवाद हो रहा है, वह सार्वजनिक होती है या नहीं और क्या उस क्लिप से कुछ साबित होता है, यह तो पता नहीं लेकिन एक बात साफ है कि विरोधी दलों के नेताओं को फंसाने और स्थिर सरकारों को गिराने या डांवाडोल करने का भाजपायी खेल लम्बे अरसे से जारी है, उसकी महाराष्ट्र में गहरी जड़ें होने का एक और सबूत मिला है। वैसे तो भाजपा ने अनेक सूबों में विरोधी दलों की सरकारों को इन्हीं तरह के दांव-पेंचों से गिराया है, लेकिन महाराष्ट्र में यह खेल बड़े पैमाने पर खेला गया था जिससे देश का लोकतंत्र शर्मसार हुआ था। याद हो कि 2022 के विधानसभा चुनावों में एक बार भाजपा की सरकार बनी थी जो बाद में पलट गयी थी। यहां एनसीपी व कांग्रेस के समर्थन से उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में सरकार तो बनी थी लेकिन बाद में शिवसेना व एनसीपी को तोड़कर भाजपा ने सरकार बनाई है। शिवसेना जहां एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में टूटी वहीं एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के भतीजे अजित ने प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल आदि के साथ अलग पार्टी बना ली थी। अजित पवार तो उप मुख्यमंत्री हैं जिनके बारे में भाजपा भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोप लगाती थी।इस प्रकरण के सामने आने से एक बार फिर से आरोप प्रबल हो गए हैं कि भाजपा अपनी जांच एजेंसियों के बल पर किस प्रकार से विरोधी दलों के नेताओं को तोड़ने का काम करती है। यह आश्चर्य की बात है कि हाल के लोकसभा चुनावों में इसी महाराष्ट्र में झटका खाने के बाद भी भाजपा का नेतृत्व अपनी इन क्षुद्र हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें जबर्दस्त ढंग से घटी हैं।

केन्द्रीय बजट 2024-25 में आम आदमी के लिए बहुत कम प्रावधान

सरकार के खजाने को सार्वजनिक भलाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एक सच्ची लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी राजनीतिक दल हमेशा सत्ता में नहीं रहता है। हालांकि, आर्थिक प्रदर्शन और राजनीतिक ईमानदारी की तुलना अक्सर एक पार्टी को ब्रेक के बाद सत्ता में वापस आने में मदद करती है।वार्षिक सरकारी बजट पूरी तरह से व्यय और उसकी दिशा के बारे में है। आम तौर पर कर और गैर-कर राजस्व और व्यय का ध्यान रखने के लिए उधार के माध्यम से आय उत्पन्न होती है। प्राय- व्यय भाग में सात मुख्य पहलू शामिल होते हैं - सरकार की अपनी रखरखाव लागत, रक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल और ऋण सेवा। यहां तक कि चीन की केंद्रीकृत अर्थव्यवस्था में भी, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुजुर्गों की देखभाल को उसके वार्षिक बजट व्यय में विशेष ध्यान दिया जाता है। परन्तु केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश किये गये 85 मिनट के भाषण में भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के नये बजट में इस बात पर पर्याप्त प्रकाश नहीं डाला गया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार के प्रस्तावित 48.21 लाख करोड़ रुपये के सकल व्यय से आम आदमी को कैसे लाभ होगा।

2014 में जब से एनडीए सरकार सत्ता में आई है, तब से इसका वार्षिक बजट वर्ष के अपने तात्कालिक एजंडे की तुलना में भविष्य के लक्ष्यों पर अधिक केंद्रित रहा है। पिछले 10 वर्षों से,कोविड महामारी वर्ष को छोड़कर, यथोचित अच्छा आर्थिक विस्तार हुआ। परन्तु इसके बावजूद देश की वार्षिक शुद्ध रोजगार वृद्धि दर में लगभग लगातार गिरावट देखी गई। सरकार ने इस पहलू पर बहुत कम ध्यान दिया। यह स्थानीय नौकरियों की कीमत पर वस्तुओं और सेवाओं के आयात को बढ़ाती रही।

चालू वर्ष के बजट में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए पांच योजनाओं पर 200,000 करोड़ रुपये खर्च का प्रावधान किया गया है परन्तु एक बार फिर पांच साल की अवधि में इसे उपयोग में लाने की बात कही गई, वह भी वास्तविक मुद्दे को संबोधित किये बिना जिसमें भारी आयात कटौती और घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने की आवश्यकता है।भविष्य के इस बजट मेंआम आदमी, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में बेरोजगार युवाओं, अंशकालिक नौकरी करने वालों, मौसमी बेरोजगारों और बुजुर्गों के लिए बहुत कम प्रावधान है। सरकार के बजट-पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश को 2030 तक गैर-कृषि क्षेत्र में औसतन 78.5 लाख नौकरियां प्रति वर्ष

पैदा करने की जरूरत है। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और खुदरा उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति, जिसे अक्सर कम करके आंका जाता है, देश के गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को लगभग पागल कर रही है, जिसमें आबादी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा शामिल है।चालू वर्ष के बजट में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे पिछले 10 वर्षों में लागू नहीं किया जा सकता था। बजट सूखे सपने बेच रहा है। यह इस तथ्य से बेपरवाह है कि रुपये का मूल्य या हमारी मुद्रा की क्रय शक्ति दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। बजट का मुख्य व्यय फोकस चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले बिहार को बड़े पैमाने पर आवंटन और रियायतें देकर एनडीए को एक साथ रखना प्रतीत होता है। तेलुगू देशम के नायडू और जनता दल (यूनाइटेड) के सुप्रीमो नीतीश कुमार मिलकर एनडीए पर मजबूत पकड़ रखते हैं।

भारत की वार्षिक बजट परंपराएं, जिसमें कर दरों में बदलाव एक प्रमुख आकर्षण है, जारी हैं। यह ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, जापान, यूके और एशियाई पड़ोसी इंडोनेशिया जैसे प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के वार्षिक राष्ट्रीय बजट सार्वजनिक भलाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिकी सरकार ने वित्त वर्ष 2024 में 50.2खरब डॉलर के बजट व्यय का प्रस्ताव रखा था। उसके बजट व्यय का अधिकांश हिस्सा सामाजिक सुरक्षा पर था। अमेरिकी सरकार का प्राथमिक व्यय स्वास्थ्य सेवा, सेवानिवृत्ति और रक्षा कार्यक्रमों पर है। जर्मनी में, संघीय सरकार की तीन शीर्ष प्राथमिकताएं हैं- सुरक्षा, सामंजस्य और विकास। 2025 का मसौदा बजट और विकास पहल यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई है कि जर्मनी एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से मजबूत देश होगा।

फ्रांस में, बेरोजगारी बीमा भुगतान सहित सामाजिक व्यय, जो 2022 में फ्रांसीसी सकल घरेलू उत्पाद का 31प्रतिशत से अधिक था, इसके व्यय बजट का एक बड़ा केंद्र बना हुआ है। फ्रांस में आवंटित भत्ते के ढांचे में अन्य व्यय में बुजुर्गों और विकलांगों के लिए सहायता और बच्चों की देखभाल शामिल है। यू.के. में कर प्रणाली, जिसे पारंपरिक रूप से मजबूत सामाजिक सुरक्षा उपायों के लिए जाना जाता है, अत्यधिक व्यावहारिक है। यह निष्पक्ष और सरल है, कड़ी मेहनत के लिए पुरस्कार प्रदान करता है। घरेलू विनिर्माण और निर्यात द्वारा समर्थित उपभोग वृद्धि ने साम्यवादी चीन की राष्ट्रीय बजट प्रणाली का एक प्रमुख फोकस प्रदान किया। बजट फोकस चीन के लिए अत्यधिक फायदेमंद रहा है, जिसने इसे पिछले 25 वर्षों की अवधि में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है।अब समय आ गया है कि भारत की राष्ट्रीय बजट प्रणाली करों और राजनीति से प्रेरित व्यय के साथ छेड़छाड़ करना बंद करे और आम आदमी के जीवन और जीवन पर सीधा प्रभाव डालने वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करे। इसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा, घरेलू विनिर्माण, रोजगार सृजन, मुद्रास्फीति नियंत्रण, रुपये की स्थिरता, अधिशेष व्यापार और एक ऐसा कारोबारी माहौल बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो चुने हुए देशों से बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करे। चीन की तरह, उच्च घरेलू विनिर्माण और खपत को देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना चाहिए और बढ़ावा देने में मदद करनी चाहिए।सरकार के खजाने को सार्वजनिक भलाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एक सच्ची लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी राजनीतिक दल हमेशा सत्ता में नहीं रहता है। हालांकि, आर्थिक प्रदर्शन और राजनीतिक ईमानदारी की तुलना अक्सर एक पार्टी को ब्रेक के बाद सत्ता में वापस आने में मदद करती है।

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

काम करते-करते थक जाती हैं आपकी कलाइयां

तो रोजाना करे ये 6 स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

क्या आप भी दिनभर काम करने के बाद अपनी कलाइयों के दर्द से परेशान रहते हैं? तो आप भी अब इन तरीकों से अपने कलाइयों की एक्सरसाइज कर कलाइयों के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। अक्सर लोगों के साथ ऐसा कई बार होता है कि जब वह पूरा दिन कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करने के बाद शरीर में थकावट हो जाती है। इसके साथ ही लगातार काम करने से उनकी कलाइयों में दर्द महसूस होता है। जरूरी नहीं की काम की वजह से ही ऐसा हो कई बार ज्यादा बाइक चलाने से भी या फिर जिम करने से इस तरह का दर्द होने लगता है। इन सब चीजों से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना कलाइयों की एक्सरसाइज कर सकते हैं। यहां आपको कलाइयों के एक्सरसाइज के बारे में कुछ तरीके बताएंगे जो आपको आपकी कलाइयों के दर्द या फिर उसे आराम देने का काम करेगी।

कलाई को नीचे की ओर खीचें

आप अपने हाथ को अपने सामने लाकर सीधा करें और कलाई को नीचे की तरफ खींचें। आप अपने दूसरे हाथ से अपनी कलाई को नीचे की और खींचने की कोशिश करें। अपनी कलाई को करीब 20 से 30 सेकेंड खींचे रखे। ऐसा ही अपने दूसरे हाथ की कलाई को करें। यह आपकी कलाई की नसों को खोलने का काम करेगी और साथ ही आपकी कलाई को आराम देगी।

मुट्ठी बनाएं और आराम से खोलें

कलाई को आराम देने के लिए आप एक मुट्ठी बनाएं जिसे आप करीब 4 से 5 सेकेंड के बाद खोलें और अपनी उंगलियों को खींचें। इस एक्सरसाइज से आपकी उंगलियों पर भी असर होगा। और साथ ही आपकी उंगलियां का दर्द कम होगा और काम करने के लिए तैयार हो जाएंगी। उनमें किसी तरह की कोई थकावट महसूस नहीं होगी।

टेनिस बॉल का करें प्रयोग

अगर आपको लग रहा है की आपकी कलाई से आपको काफी थकावट महसूस हो रही है तो आप टेनिस बॉल के साथ एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपको रोजाना करनी चाहिए खासकर उन लोगों को जिनका रोजाना का काम कंप्यूटर या फिर लैपटॉप का होता है।

कलाई को चारों और घूमाएं

आप अगर अपनी कलाई को जकड़ा हुआ या फिर दर्द महसूस कर रहे हैं तो आपको अपनी कलाई को चारों और घुमाकर एक्सरसाइज करनी होगी। आप पहले तो अपनी कलाई में मुट्ठी बना लें। इसके बाद आप अपने हाथ को अपने सामने लाएं और धीरे-धीरे इसे चारों और घुमाएं। इस एक्सरसाइज में आप पहले अपनी कलाई को घड़ी की तरह घुमाएं फिर उल्टा घुमाना शुरू करें। इससे आपकी कलाइ को धीरे-धीरे आराम मिलेगा। और जकड़न को खत्म करने में मदद मिलेगी। अगर जिम करते समय आपको महसूस हो रहा है कि कलाई में दर्द या फिर कमजोर हो रही है यानी उतनी मजबूत नहीं है जितनी होनी चाहिए। तो आप जिम में ही कलाई की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

जिम में करें कलाई की एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज खासतौर पर कलाइयों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए पहले बैठ जाएं और अपने हाथ को जांघ पर रखते हुए हथेलियों को नीचे की तरफ रखें। अब 8-10 किलो वजन वाले डम्बल को हाथ से पकड़े और कलाइयों पर जोर डालते हुए उसे थोड़ा सा उठाने की कोशिश करें। इसे करते समय अपनी कोहनी को न उठाएं सिर्फ कलाइयों और हथेली का प्रयोग करें। इसे कम से कम 20 बार दोहराएं।

डम्बल के साथ करें एक्सरसाइज

कलाइयों को मजबूत करने के लिए आप 4-5 किलो के डंबल को हथेली पर रखें और फिर उंगलियों को अंदर की तरफ मोड़कर उसे पकड़कर हथेली से कलाई तक रोल कराएं। फिर उंगलियों को वापस शुरुआती पोजीशन में ले जाएं। इसे कम से कम 10-15 बार करें। यह आपकी कलाई को और मजबूत करने में मदद करेगी।

क्या जीवन बीमा बीच जिंदगी के संकट दूर करने में सहायक हो सकता है?

जीवन काल के मध्य में हर व्यक्ति संकट की स्थिति से गुजरता है, जब उम्मीदों का वास्तविकता से सामना होता है। सामान्य तौर पर, युवावस्था में भावनात्मक एवं वित्तीय दृष्टि से व्यक्ति काफी संतुष्ट रहता है लेकिन 30 की उम्र शुरू होने के बाद से 45 और 55 की उम्र के बीच संतुष्टि का स्तर लगातार घटता जाता है। यही वो समय होता है, जब व्यक्ति भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से अपने जीवन सफर के हासिल को लेकर मजबूती से सवाल करता है। और यदि इस तरह के विश्लेषण के बाद, उसके जीवन का हासिल उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप नही होने पर, उसे मानसिक तनाव हो सकता है।जानिए कैसे एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान उन्हें बेहतर प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

चिंता 1: क्या मैं अपने बच्चे केभविष्य की आर्थिक रूप से रक्षा कर सकूंगा?

हम जानते है कि एक कुलीन संस्थान में 2 साल का एमबीए कोर्स, जिसकी कीमत आज लगभग 6 लाख रुपए है, 20 साल बाद लगभग 40 लाख रुपए हो जाएगी। लेकिन अच्छी खबर यह है कि कई बीमा योजनाएं हैं जो आपके बच्चे की भविष्य की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए हैं। यह एक बच्चे की योजना, एक यूलिप या एक पारंपरिक मनी-बैक योजना हो, आप अपनी आवश्यकता के अनुकूल एक का चयन कर सकते हैं। यहां अनुशासित आवधिक भुगतानों के साथ आप बच्चे के भविष्य के लिए एक कोष जमा कर सकते हैं। यदि पॉलिसी की परिपक्वता से पहले आपके साथ कुछ होता है, तो लंबित प्रीमियम यह सुनिश्चित करने से छूट जाते हैं कि पॉलिसी जारी है, और आपके बच्चे के सपने सुरक्षित हैं।

चिंता 2: बहुत अधिक और सेवानिवृत्ति केबारे में नहीं सोचना?

आपको सेवानिवृत्ति के बाद कितने पैसे की आवश्यकता होगी? यह निश्चित रूप से चिंता का कारण बन सकता है। जीवन बीमा का उपयोग सेवानिवृत्ति की योजना के लिए कई तरीकों से किया जा सकता है। आप ऐसे उत्पादों का चयन कर सकते हैं जो जीवन रक्षा की पेशकश करते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित आय पैदा करने में मदद करेंगे। एक संपूर्ण जीवन बीमा बचत योजना या एक गारंटीकृत रिटर्न योजना, ऐसी नीतियां हैं जो न केवल असामयिक मृत्यु के मामले में सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि नियमित आय की पेशकश भी करेंगी या आय पोस्ट रिटायरमेंट में मदद करने के लिए एकमुश्त कॉर्पस बनाएंगी।

चिंता 3: चिकित्सा आपात स्थिति के लिए वित्त?

आप गंभीर बीमारी नीतियों या सवारों के लिए चुन सकते हैं जो कैंसर, दिल के दौरे या कई अंग विफलता जैसी बीमारियों के निदान पर पॉलिसीधारकों को नकद भुगतान की पेशकश करते हैं। ये योजनाएं आपको एकमुश्त भुगतान के साथ कम प्रीमियम पर उच्च कवर प्रदान करती हैं। वे न केवल आपके आय प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि व्यय प्रबंधन करने में सहायता भी प्रदान करते हैं जैसे कि अस्पताल के दौरे, डॉक्टर के शुल्क, घर के किराए आदि पर खर्च किए गए पैसे।

चिंता 4: क्या होगा अगर मैं 40 के दशक में अपनी नौकरी खो दूं?

जीवन में कई घटनाएं हो सकती हैं, जिससे आय में कमी हो सकती है जैसे कि आर्थिक मंदी, स्वास्थ्य की समस्या, दुर्घटना के कारण आ शिक या स्थायी विकलांगता आदि के कारण जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जो आपकी आय को सुरक्षित करती हैं और मासिक भुगतान की गारंटी देती हैं। नौकरी छूटने के दौरान निर्दिष्ट अवधि। इसके अलावा, जीवन बीमा कवर के लिए गारंटीकृत बचत योजनाओं या व्यक्तिगत दुर्घटना और प्रीमियम की छूट जैसी सवारियां वित्तीय रूप से सहायता करने के लिए सुसज्जित होती हैं, जब कोई नौकरी छूट जाती है। देखें कि क्या आप इसे से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं, और अपने मध्य जीवन की चिंता से मुक्त जश्न मनाने के लिए एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान के साथ अंतर के भरें।

पराग राजा, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस

काबुली चने की चाट

सामग्री

- 200 ग्राम काबुली चने या छोले
- 50 ग्राम मटर के दाने
- 1 मध्?यम आकार का प्याज
- 2 हरी मिर्च
- 2 चम्मच तेल
- 1 चुटकी सरसों
- 1 चुटकी उड़द की दाल
- मीठा नीम
- 1 चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक।

विधि

शाम की चाय के साथ चटपटी काबुली चना चाट बनाने के लिए सबसे पहले छोलों को 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद अब छोलों में थोड़ा सा नमक और चुटकी भर सोड़ा डालकर उन्हें उबाल लें। अब मटर के दाने को गरम पानी में एक-दो बार उबालकर उसका पानी निथार लें। अब प्याज और हरी मिर्च बारीक काटकर एक कढ़ाई में तेल गरम करके उसमें उड़द की दाल, राई या सरसों में से एक चीज डालकर भून लें। अब इसमें मिर्च, मीठा नीम डालकर फ्राई करे लें। इसके बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनने के बाद उसमें चने मिला दें। इस से थोड़ा नमक डालकर चनों को अच्छे से मिला लें। अब ऊपर से नींबू का रस धनिया काटकर बुरक दें। आपकी स्पाइसी काबुली चना चाट बनकर तैयार है। इसे शाम की चाय के सर्व करें।

सेब की चटनी

सामग्री

- हरे सेब- चार
- गुड़- एक बड़ा चम्मच (कतरा हुआ)
- जीरा- एक छोटा चम्मच
- सरसों- एक छोटा चम्मच
- मिर्च पाउडर- एक छोटा चम्मच
- गरम मसाला पाउडर- एक छोटा चम्मच
- आलिव/रिफाइंड ऑयल- एक बड़ा चम्मच
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले सेब का छिलका उतारकर उसे कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में ऑलिव ऑयल डालकर उसे गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें सरसों डालकर भूनें। इसके बाद मिर्च, जीरा, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर डालें और उसे हल्का सा भूनें। मसाले भुनने के बाद सेब, नमक और गुड़ पैन में डालें और मध्यम आंच पर लगभग पन्द्रह मिनट तक पकाएं। जब चटनी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तो समझ जाएं कि यह तैयार हो गयी है। अब गैस को बंद कर दें। लीजिए, सेब की चटनी तैयार हुई। ठंडा होने पर इसे स्नैक्स अथवा भोजन के साथ परोसें। चाहें तो सेब की चटनी फ्रिज में रख कर 7-8 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को यह चटनी बेहद पसंद आएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 5023

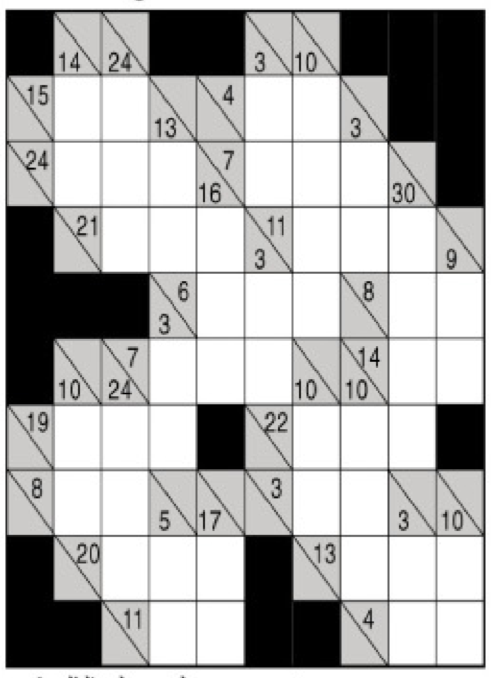

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

16/23 → 1 2 3 4 6 ; ↓ 6, 8, 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो -5022 का हल

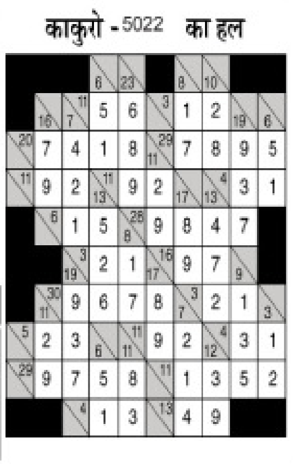

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

▯ ▯ ▯

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

▯ ▯ ▯

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

▯ ▯ ▯

फिल्म वर्ग पहेली- 5023

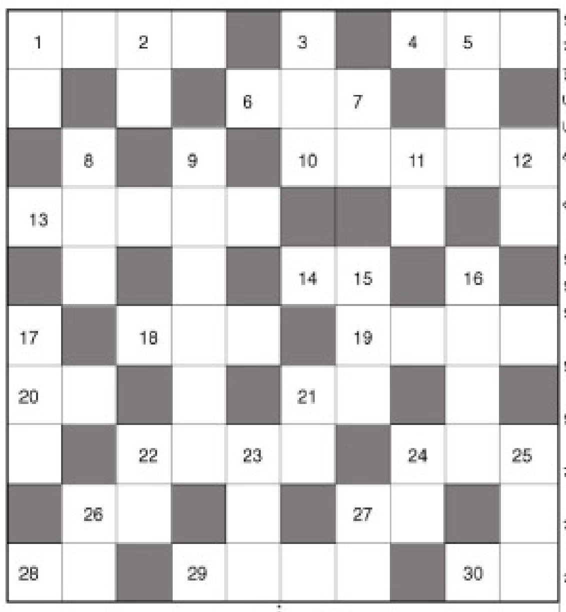

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5022

सूडोकु -5023

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5022 हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 5023

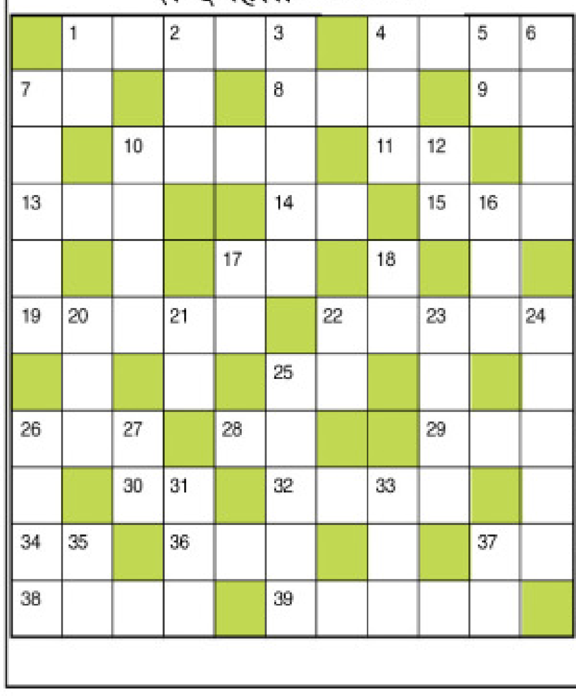

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -5022 का हल

भोपाल सहित प्रदेश भर में बारिश

एजेंसी

भोपाल। मौसम प्रणालियों के सक्रिय रहने के चलते मध्यप्रदेश में श्रावण माह के प्रारंभ से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला लगातार जारी है। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के अनेक स्थानों पर श्रावण की रिमझिम बारिश से मौसम में ठंडक घुल गयी है। अनेक स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केन्द्र भोपाल के वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में मौसम की अलग-अलग प्रणालियां सक्रिय हैं, जिसके चलते राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के अधिकतर स्थानों पर रिमझिम बारिश का दौर लगातार जारी है। इस बीच कुछ स्थानों पर तेज बारिश हुयी, जिसके चलते उन जगहों पर बाढ़ के हालात भी निर्मित हो गए। पिछले चौबीस घंटों के दौरान राजधानी भोपाल में 40 8 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा दर्ज की गयी। इसके अलावा रायसेन में 84 4 मिमी, नर्मदापुरम में 61 6 मिमी, पर्यटन स्थल पचमढ़ी में 54 8 मिमी, जबलपुर में 44 8 मिमी, सीधी में 46 0 मिमी, छिंदवाड़ा में 27 6 मिमी, टीकमगढ़ में 27 मिमी, छतरपुर के नौगांव में 24 8 मिमी सहित प्रदेश के अन्य स्थानों पर वर्षा दर्ज की गयी है। राजधानी में कल दिन भर श्रावण की झड़ी लगी रही। हालांकि रात में इसमें राहत रही, लेकिन आज सुबह से फिर बारिश का दौर प्रारंभ हो गया।

यादव ने एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

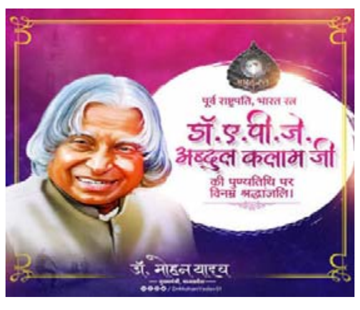

भोपाल। पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी पुण्यतिथि पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। मिसाइल मैन डॉ कलाम ने भारत को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने में अहम योगदान देते हुए विश्व पटल पर मां भारती का मान बढ़ाया और देशवासियों को गौरवान्वित किया। अपनी विलक्षण प्रतिभा और समर्पण के लिए वे सदैव युवाओं के प्रेरणास्रोत रहेंगे।

खनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों से मिले मुख्यमंत्री, दो चेहरे रहे गायब

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतिदिन एक मंडल के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर रहे हैं। इसी क्रम में लखनऊ मंडल के सदस्य विधान परिषद एवं विधायकों से मुख्यमंत्री ने मुलाकात की।

मुख्यमंत्री से मिलकर निकले विधायक नीरज बोरा ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हम सभी के अभिभावक हैं और विकास कार्यों को लेकर कई बिन्दुओं पर चर्चा करते रहते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने वाले जनप्रतिनिधियों में विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, विधायक योगेश शुक्ला सहित कई चेहरे उपस्थित रहे। इस दौरान लखनऊ कैण्ट विधानसभा से जनप्रतिनिधि ब्रजेश पाठक जो उपमुख्यमंत्री भी हैं, बैठक में शामिल नहीं हुए। इसी तरह सरोजनी नगर के विधायक राजेश्वर सिंह भी लखनऊ मंडल की बैठक से गायब रहे।

आपदा प्रबंधन में उत्तराखंड की? चर्चा एक मॉडल राज्य के रूप में : राज्यपाल

देहरादून। राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह (से.नि) ने उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कंट्रोल रूम से मानसून के दृष्टिगत प्रदेशभर में हालात की समीक्षा की। उन्होंने जिलाधिकारियों से वार्ता कर जमीनी स्तर पर किए जा रहे राहत और बचाव कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्तराखंड की चर्चा एक मॉडल स्टेट के रूप में होती है। राज्यपाल ने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्तराखंड राज्य की देश-विदेश में प्रशंसा होती है। उत्तराखंड में बहुत ही पेशेवर ढंग से आपदा के दौरान राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं। आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण को लेकर भी उत्तराखंड के उदाहरण दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड आपदाओं के लिहाज से काफी संवेदनशील राज्य है तथा मानसून के तीन महीने काफी चुनौतीपूर्ण रहते हैं। ऐसे में जिलाधिकारियों पर बड़ा दारोमदार है। उन्होंने मानसून को लेकर सभी जनपदों तथा विभागों की तैयारी पर संतोष व्यक्त किया।

गहरी पाकिस्तानी साजिश: 46 दिन में 7 आतंकी हमले, 11 जवान बलिदान

रक्षा विशेषज्ञ बोले- अब निर्णायक रणनीति का समय

एजेंसी

रांची। डेढ़ महीने से जम्मू संभाग अशांत है। वर्ष 2008 के बाद एक बार फिर लगातार आतंकी वारदातों से लोग डरे और चिंतित हैं। पिछले 46 दिन से सात आतंकी वारदातों में 11 सैन्य जवान बलिदान हो चुके हैं और 10 आम नागरिकों की मौत हो गई। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, अब इस पर निर्णायक रणनीति का समय आ चुका है। हर बार आतंकी हमला कर गायब हो गए। इन आतंकियों की जंगलों में अब भी मौजूदगी लोगों को परेशान कर रही है। सेना के पूर्व कर्नल सुशील पठानिया का कहना है कि बीहड़ और कठिन इलाकों में जल्दबाजी में आतंकवादियों का पीछा करने से हमारे सैनिकों को हाईनि हो रही है। जिन इलाकों में आतंकवादियों के होने की सूचना है। यहां वहां ग्रेनेड, मोर्टार और गनशिप हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके उन्हें मार गिराया जाना चाहिए। इस रणनीति का इस्तेमाल पहले भी किया जा चुका है और इसके बहुत अच्छे परिणाम मिले हैं। पूर्व डीजीपी एसपी वेद कहते हैं कि पहले भी आतंकी वारदातें होती थीं। तब आतंकी फिदायीन के रूप में आते थे। हमला कर सात आठ लोगों को मारा और खुद भी मर गए। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा। वह मारने से पहले भागने का रास्ता तय कारते हैं। ताकि एक हमला करने के बाद फिर से हमला कर सकें। यह आतंकियों की नई रणनीति है। वह अब फिदायीन बनकर नहीं आते। वह अपने लिए ठिकाना बनाते हैं। फिर घात लगाकर हमला करते हैं। हमला कर भाग जाते हैं। वह जंगल, पहाड़ और युद्ध में लड़ने का प्रशिक्षण लेकर आए हैं। इन तक पहुंचने के लिए ठोस रणनीति बनानी पड़ेगी। पूर्व कर्नल सुशील पठानिया कहते हैं कि सुरक्षा बलों को आतंकवाद विरोधी अभियान चलाते समय सेक्शन और प्लाटून अभ्यास पर ही टिके रहना चाहिए।

जम्मू संभाग में हुए हमलों के बाद चलाए गए सिर्फ तलाशी अभियान, मिला कुछ नहीं

पहला हमला: 9 जून, रियासी में शिवखोड़ी में यात्रियों की बस पर हमला। इसमें 10 यात्री मारे गए और 40 घायल हो गए। आतंकियों की तलाश में सेना और पुलिस पिछले 46 दिन 25 सर्च आपरेशन चला चुकी है। लेकिन एक आतंकी नहीं मिला अभी तक।

दूसरा हमला: 11 और 12 जून को डोडा और भद्रवाह में पुलिस और सेना के अस्थायी कैंप पर हमला हुआ। इसमें 7 जवान मायल हो गए। आतंकियों की तलाश अब तक जारी है। हमले के बाद आतंकियों का पता नहीं चला।

तीसरा हमला: 7 जुलाई राजौरी जिले में सुरक्षा चौकी पर हमले में एक सैन्यकर्मी घायल हुआ।

चौथा हमला: 8 जुलाई को कठुआ आतंकी हमले में 5 जवान बलिदान हो गए। इनकी तलाश में 3000 जवान लगे हुए हैं। लेकिन हमले के बाद अब तक एक भी आतंकी नहीं मारा गया है।

पांचवां हमला:16 जुलाई को डोडा के जंगल में सेना पर आतंकियों में घात लगाकर हमला किया। इस हमले में 4 जवान बलिदान हो गए। लेकिन अभी तक एक भी आतंकी नहीं मारा गया। इनकी तलाश में अभी तक सर्च ही चल रही है।

छठा हमला: 22 जुलाई राजोरी के गुंदा क्रास में शौर्य चक्र से सम्मानित बीडीसी सदस्य के घर पर हमला। एक बीडीसी सदस्य विजय कुमार और सेना का जवान घायल। अब तक सर्च चल रही। आतंकियों का पता नहीं चल पाया।

सातवां हमला: 7 जुलाई को राजोरी के मंजाकोट के गलुति में सेना के कैंप पर आतंकी हमला हुआ, इसमें जवान घायल हो गया। आतंकियों का पता नहीं चल पाया।

पाकिस्तान की बदली साजिश

केरन, गुरेज और उड़ी सेक्टर में हाल ही में घुसपैठ के प्रयास पाकिस्तान की गहरी साजिश को उजागर करते है। पाकिस्तान अत्याधुनिक अमेरिकी और ऑस्ट्रियाई हथियारों से लैस अफगान युद्ध-प्रशिक्षित आतंकवादियों को कश्मीर घाटी में भेजकर हिंसा को बढ़ाना चाहता है। आतंकियों के पास आस्ट्रिया, अमेरिका, चीन, जर्मनी के हथियार हैं। इनके पास नाइट विजन वाले स्नाइपर राइफल हैं। -एसपी बैद, पूर्व डीजीपी

पिथौरागढ़ में भारी बारिश का कहर, गंगोत्री में भागीरथी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही

एजेंसी

गंगोत्री/पिथौरागढ़। उत्तराखंड में भारी बारिश का कहर जारी है। पहाड़ी जिलों में मौसम विभाग ने पहले ही भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। वहीं पिथौरागढ़, बागेश्वर, उत्तरकाशी, टिहरी इन सभी जिलों में जमकर भारी बारिश हो रही है। राज्य की सभी नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य की सभी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पिथौरागढ़ में रामगंगा और काली नदी उफान पर चल रही है। वहीं पिथौरागढ़ में भारी बारिश से कई सड़कों पर मलबा आ गया है, जिसे रोड बंद हो गए। भारी बारिश से थल मुनस्यारी मोटर मार्ग, धारचूला तवाघाट मोटर मार्ग, गंगोलीहाट बेरीनाग मोटर मार्ग, राईआगर सेराघाट अल्मोड़ा मोटर मार्ग बंद हो गया है। मौसम विभाग ने पिथौरागढ़ में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। जिसके चलते पिथौरागढ़ डीएम ने स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है। वहीं गंगोत्री धाम में भागीरथी नदी का जल स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। भागीरथी नदी का पानी गंगोत्री धाम में घाट में ऊपर तक आ गया है। जिसके बाद यहां पुलिस प्रशासन ने लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट करना शुरू कर दिया है। श्रद्धालुओं को घाट से हटाया जा रहा है। नदी के तेज बहाव को देखते हुए सभी श्रद्धालुओं को नदी में स्नान करने पर रोक लगा दी है। जन सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने श्रद्धालुओं को नदी के आस पास जाने से रोका दिया है।

रोडवेज बस अड्डा अस्थाई रूप से तीन जगह शिफ्ट किया गया

हरिद्वार। कांवड़ मेले के दृष्टिगत कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने के बाद शहर के बीचो-बीच स्थित रोडवेज बस स्टैंड को तीन अलग-अलग जगह शिफ्ट कर दिया है। इसके साथ ही हरिद्वार से दिल्ली तक का किराया 40 रुपये बढ़ा दिया गया है। हरिद्वार में कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने के बाद परिवहन निगम की बसों के संचालन के लिए तीन स्थानों पर वैकल्पिक बस स्टैंड की व्यवस्था शाम से लागू की गई है। कांवड़ मेला अवधि के दौरान मोतीचूर, चंडीघाट और ऋषिकुल मैदान में अस्थाई बस स्टैंड पर उत्तराखंड परिवहन निगम के साथ अन्य राज्यों से आने वाली बसें रुकेंगी और रवाना होंगी। दो अगस्त तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। हरिद्वार रोडवेज के एआरएम सुरेश चौहान ने बताया कि भीड़ के कारण बस अड्डों को शिफ्ट कर दिया गया है। दो अगस्त तक बसों का संचालन अस्थाई बस अड्डों से होगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शांति धारीवाल के अपशब्द, कांग्रेस के मोहब्बत की असली दुकान : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान में कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने सभापति को अपशब्द बोले। इससे भड़की भाजपा ने कांग्रेस आलाकमान की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के चहेते नेता की यह जुबान ही कांग्रेस के मोहब्बत की असली दुकान है। राजस्थान में हुए घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस आलाकमान की कड़ी आलोचना करते हुए भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राज्य की विधानसभा से जो वीडियो निकल कर सामने आया है, उसमें यह दिख रहा है कि विधायक शांति धारीवाल अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे सभापति को अपमानित कर रहे हैं और यहां तक धमकी दे रहे हैं कि विधानसभा में बोलने का समय दे दो, नहीं तो कोटा में रह नहीं पाओगे। भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि शांति धारीवाल ने राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान को एक बार फिर से एक्सपोज कर दिया है। ये वही शांति धारीवाल है, जिन्होंने राज्य के मंत्री (अशोक गहलोत सरकार) के रहते हुए बलात्कार के मामले में राजस्थान के नंबर वन राज्य बनने को सही ठहराते हुए कहा था कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है। ऐसे व्यक्ति को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने टिकट भी दिया और जीतने के बाद अब वो विधानसभा में सभापति को अपशब्द बोलते हैं, धमकी देते हैं और इनके खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं होती है। यही कांग्रेस के मोहब्बत की असली दुकान है।

नीति आयोग की बैठक का सीएम एमके स्टालिन ने किया बहिष्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया है। सीएम ने एक सोशल मीडिया के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया बजट भाजपा का बहिष्कार करने वाले राज्यों और लोगों के प्रति प्रतिशोध की कार्रवाई जैसा लगता है। उन्होंने इंडिया गठबंधन को वोट देने वालों से बदला लेने के लिए बजट तैयार किया है। आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार लगातार तमिलनाडु की उपेक्षा कर रही है।

पीएम मोदी आज नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। बैठक में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने पर फोकस रहेगा। जबकि एमके स्टालिन के अलावा देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बैठक का बहिष्कार किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तमिलनाडु समेत सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बैठक में आने से इनकार कर दिया है। तमिलनाडु के अलावा बैठक में तेलंगाना, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल और झारखंड के मुख्यमंत्री शामिल नहीं हो रहे हैं।

वहीं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, असम के सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा, राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और गोवा के सीएम प्रमोद सावंत बैठक में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति भवन के कल्चरल सेंटर में पहुंच गए।

बता दें कि नीति आयोग की बैठक एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की जाती है। इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है, जैसे कि विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, और आर्थिक विकास। बैठक में प्रधानमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होते हैं, जो देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं। नीति आयोग की बैठक का उद्देश्य देश को विकसित और समृद्ध बनाना है।

अरुणाचल सरकार पूर्व अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में देगी प्राथमिकता, सीएम पेमा खांडू ने किया एलान

एजेंसी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने पूर्व अग्निवीर जवानों के लिए बड़ी घोषणा की है। सीएम ने घोषणा में कहा है कि सरकार स्थानीय युवाओं को अग्निपथ योजना के तहत भर्ती के लिए प्रशिक्षण देगी। वहीं, सेवानिवृत्त अग्निवीरों को अरुणाचल प्रदेश पुलिस, आपातकालीन और अग्निशमन सेवाओं में भर्ती के दौरान प्राथमिकता दी जाएगी। सीएम खांडू ने कहा कि यह पहल अरुणाचल प्रदेश के युवाओं को देश की सेवा करने में सक्षम बनाएगी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अरुणाचल प्रदेश सरकार स्थानीय युवाओं को अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर के रूप में भर्ती के लिए तैयार करने के लिए प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करेगी।

अग्निशमन सेवाओं के लिए भर्ती में वरीयता दी जाएगी

उन्होंने कहा, इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश के रिटायर अग्निवीरों को अरुणाचल प्रदेश पुलिस, अरुणाचल प्रदेश बटालियन, आपातकालीन और अग्निशमन सेवाओं के लिए भर्ती में वरीयता दी जाएगी।बता दें कि केंद्र सरकार ने 2022 में सेना, नौसेना और वायु सेना में 17 से 21 साल की उम्र के युवाओं की भर्ती के लिए महत्वाकांक्षी अग्निपथ योजना शुरू की थी। इस सेवा में सेना में चार साल की नौकरी करने का मौका मिलेगा। इस योजना के तहत भर्ती होने वाले युवाओं को अग्निवीर के नाम से जाना जाएगा। चार साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद हर बैच से 25 प्रतिशत भर्तियों को सेना की नियमित सेवा की पेशकश की जाएगी।

मसूरी में मालरोड पर पहाड़ी से गिरा बोल्डर

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। मसूरी में भारी बारिश के कारण मालरोड पर तिब्बती मार्केट के सामने पहाड़ से एक बड़ा बोल्डर गिर गया। जिससे बिजली का फीडर पिलर क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि सड़क किनारे कोई वाहन नहीं खड़ा था नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था। बिजली का फीडर पिलर क्षतिग्रस्त होने से मालरोड और आसपास के क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो गई, जिसको करीब चार घंटे के बाद सुचारू कर दिया गया। भारी बारिश के कारण मसूरी नगर पालिका परिषद मार्ग पर गेस्ट हाउस के ऊपर एक पेड़ गिर गया, जिससे गेस्ट हाउस को नुकसान पहुंचा है। गेस्ट हाउस के स्वामी विरेन्द्र ने कहा कि उनके गेस्ट हाउस के पास तीन बड़े पेड़ हैं। कल रात की तेज बारिश में दो पेड़ गिर गए, जिसमें से एक पेड़ उनके गेस्ट हाउस की छत पर गिर गया जिससे छत क्षतिग्रस्त हो गई। तिब्बती मार्केट के नीचे निवास कर रहे सुरेन्द्र सहदेव ने बताया कि भारी बारिश के चलते देर रात को पुश्ता गिर गया जिससे आसपास की आवाजाही बंद हो गई है।

राजनाथ सिंह ने असम में तीसरा रक्षा गलियारा बनाने का दिया आश्वासन : मुख्यमंत्री सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने असम के प्रस्ताव के जवाब में देश का तीसरा रक्षा गलियारा राज्य में स्थापित करने का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में दो अधिसूचित रक्षा गलियारे उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में हैं। असम में प्रस्तावित गलियारे से राज्य की अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सरमा ने हाल ही में दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। उन्होंने यहां मीडिया से कहा, हमारा लक्ष्य असम में तीसरा (रक्षा गलियारा) लाना है। सेमीकंडक्टर के साथ-साथ हम असम को विमान, हेलीकॉप्टर, मिसाइल और अन्य हथियार प्रणालियों के निर्माण के लिए एक केंद्र के रूप में स्थापित करेंगे।

असम के सीएम ने कहा कि रक्षा गलियारे की स्थापना का प्रस्ताव विचार अग्रिम चरण में है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता के कारण इसमें कुछ समय लग सकता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 23 जुलाई को लोकसभा में पेश केंद्रीय बजट 2024-25 पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए सरमा ने कहा कि पहली बार केंद्रीय बजट में स्वीकार किया गया है कि असम की बाढ़ देश के बाहर से आने वाले पानी के कारण होती है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने इस चुनौती से निपटने के लिए व्यापक समर्थन देने की अपनी तत्परता की घोषणा की है।सरमा ने राष्ट्रीय राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की और गुवाहाटी के पास एक सैटेलाइट टाउनशिप के लिए फंडिंग, नामरूप में ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन का विस्तार और इसकी चौथी इकाई के चालू होने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बोंगाईगांव रिफाइनरी और लेपटकाटा में ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) के विस्तार पर भी चर्चा हुई। सरमा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ अपनी बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने मंत्री से राम मंदिर के तीर्थयात्रियों के लिए गुवाहाटी से एक विशेष ट्रेन सेवा शुरू करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, असम एक लाख तीर्थयात्रियों को अयोध्या भेजने की योजना बना रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा 22 जुलाई को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि असम देश के शीर्ष पांच सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक के रूप में उभरा है। पिछले वित्त वर्ष के अंत में राज्य की अर्थव्यवस्था 13.9 प्रतिशत बढ़ी है।

मुख्यमंत्री योगी ने बलिया में स्कूल वाहन हादसे का संज्ञान लिया, घायलों के उपचार के निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। बलिया जनपद के फेफना थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह बच्चों को लेकर जा रही स्कूली पिकअप खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि 14 बच्चे घायल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना को संज्ञान में लिया है। उन्होंने घटना को लेकर मृतक छात्र के प्रति दुख व्यक्त किया है। मृतक छात्र के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। घायल छात्रों के समुचित उपचार के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि फेफना थाना क्षेत्र के कपूरी नारायनपुर गांव के पास एनएच 31 पर स्कूली छात्रों से भरी पिकअप शनिवार सुबह सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकरा गई। हादसे में 14 स्कूली बच्चे घायल और एक छात्र की मौत हो गई। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

मेरे पिता भारत-पाकिस्तान लड़े थे, समझती हूं सैनिकों का दर्द- दीया कुमारी

एजेंसी

दौसा। कारगिल विजय दिवस के मौके पर दौसा पहुंची उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का भव्य स्वागत हुआ। इस दौरान उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित करते पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी और ध्वजारोहण भी किया। पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए दीया कुमारी ने कहा कि वह सबसे पहले एक सैनिक की बेटी हैं। उन्होंने कहा, मेरे पिताजी ब्रिगेडियर भवानी सिंह ने वर्ष 1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनको वीर चक्र भी मिला था। इसलिए मैं फौजियों की पीड़ा समझ सकती हूं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं जानती हूं कि हमारे सैनिक विषम परिस्थितियों में सब कुछ छोड़कर अपनी जान जोखिम में डालकर देश की रक्षा करते हैं। सैनिक हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जो भी सैनिकों की मांगें हैं उनको पूरा करने का प्रयास हमारी सरकार करेगी। दीया कुमारी कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर त्योहार मनाने अलग-अलग बॉर्डर क्षेत्रों में जाते हैं। लद्दाख, जैसलमेर सहित अलग-अलग जगहों पर त्योहार मनाते हैं। जो सैनिकों की मांग होगी, उसके लिए सरकार से बात की जाएगी। जो वाजिब मांगे हैं, उन पर अधिकारियों से बात करके पूरी की जाएंगी।

पट्टा जारी करने की प्रक्रिया होगी ऑनलाइन, आवेदक को 30 दिन में मिलेगा पट्टा: झाबर सिंह खर्रा

एजेंसी

जयपुर। नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास को मूल मंत्र मानकर राजस्थान के विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का कार्य कर रही है। कठिन परिश्रम से हम यह मुकाम हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि पट्टा जारी करने की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर आवेदक को 30 दिन में पट्टा देना सुनिश्चित किया जाएगा। सफाईकर्मी भर्ती को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाएगा। खर्रा ने कहा कि राज्य के प्रमुख शहरों में इसी वर्ष से 500 ई-बसें संचालित की जाएंगी। झाबर सिंह खर्रा विधानसभा में नगरीय विकास एवं आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग की अनुदान मांगों पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने नगरीय विकास एवं आवासन विभाग की 89 करोड़ 7 लाख 12 हजार रूपए एवं स्वायत्त शासन विभाग की 1 खरब 23 अरब 66 करोड़ 97 लाख 92 हजार रूपए की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दीं। नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल करते हुए पट्टा जारी करने की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर पूर्ण पारदर्शी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहाकि पट्टे के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया आरंभ की जाएगी, जिसमें संबंधित निकाय आवेदन के 30 दिन के भीतर आवेदक को पट्टा जारी करेगा या निरस्त करेगा।

उन्होंने कहाकि आवेदन में कोई कमी-खामी होने पर नगरीय निकाय एक सप्ताह की अवधि में उसकी जानकारी आवेदक को देगा। पट्टा निरस्त होने की स्थिति में आवेदक प्रशासनिक अधिकारियों की समिति के समक्ष पुनः आवेदन कर सकेगा। अगर गलत तरीके से पट्टा निरस्त करना पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

खर्रा ने कहा कि जमीन मुआवजे के संबंध में गत 12 जुलाई को आदेश जारी कर पूर्व के आदेशों की खामियों को दूर किया गया है। उन्होंने कहा कि एक ही जोन में डीएलसी दर अलग-अलग हो सकती है, लेकिन आरक्षित दर एक ही होती है। नए आदेश में समतुल्यता लाते हुए मुआवजे का आधार डीएलसी दर को रखा गया है, जिससे अब कोई भी मुआवजे का नाजायज फायदा नहीं उठा सकेगा। खर्रा ने सफाईकर्मी भर्ती में वाल्मिकी समाज को प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि पूर्व में सफाईकर्मी भर्ती में नगरीय निकायों में दो वर्ष कार्य अनुभव का प्रावधान था, जिसे बाद में एक वर्ष कर दिया गया। तत्पश्चात् निजी संस्थाओं के अनुभव को भी इसमें शामिल कर लिया गया, जिससे यह प्रक्रिया दूषित हो गई। अब सभी के सकारात्मक सुझावों को शामिल कर सफाईकर्मी भर्ती को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि विभाग से सम्बन्धित नियम-कानूनों में कोई खामी है तो उन्हें संशोधन कर दुरूस्त किया जाएगा। नगरीय निकायों की टाउनशिप पॉलिसीज को बदलकर इन्हें और बेहतर बनाया जाएगा। नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री ने कहा कि जमीन अधिग्रहण के मामलों में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अंतिम रूप से जमीन जिसके नाम थी, उसे मुआवजा मिले। वहीं यूडी टैक्स के सरलीकरण का भी प्रयास किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न राज्यों के यूडी टैक्स मॉडल का अध्ययन करने के लिए विभागीय अधिकारियों की टीम इन राज्यों के दौरे पर भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि जवाहर नगर कच्ची बस्ती को फॉरेस्ट डिनोटिफाई कराने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

पैरेंटहुड से आप कभी रिटायर नहीं होते। पैरेंटेहुड जीवन भर का काम है, इसमें कोई पेंशन नहीं होती। जब आपके बच्चे 40 वर्ष के हो जाते हैं और आगे उनके भी बच्चे हो जाते हैं तब भी आपके बच्चे आपकी मृत्यु तक आपके लिए 18 वर्ष के ही रहते हैं। उन्हें हमेशा आपकी स्वीकृति तथा हमदर्दी की जरूरत रहेगी।

बिना शर्त करें बच्चों से प्यार

पूरे घर में शांति का माहौल है। आपके बच्चे कालेज, जॉब्स या विवाह कर चुके हैं। आप आशा करते हैं कि आपके बच्चे खुश होंगे, वे अच्छा कर रहे होंगे और सही राह पर चल रहे होंगे। फिर भी आप बीते समय के माता-पिता नहीं होंगे, पेरैंटहुड से आप कभी रिटायर नहीं होते। पेरैंटेहुड जीवन भर का काम है, इसमें कोई पेंशन नहीं होती। जब आपके बच्चे 40 वर्ष के हो जाते हैं और आगे उनके भी बच्चे हो जाते हैं तब भी आपके बच्चे आपकी मृत्यु तक आपके लिए 18 वर्ष के ही रहते हैं। उन्हें हमेशा आपकी स्वीकृति तथा हमदर्दी की जरूरत रहेगी।

बदलती भूमिकाएं

परिवर्तन जीवन का सार है। आप अपनी जॉब पर सर्वाधिक जूनियर से लेकर कंसल्टेंट तक अपनी भूमिका बदल चुके हैं। आपके जीवन साथी के साथ आपका रिश्ता विकसित, परिवर्तित होता है और आगे बढ़ता है इसलिए भी आपके बच्चों के साथ आपका रिश्ता तब उतार-चढ़ावों से गुजरता है जैसे-जैसे वे कानूनी तौर पर वयस्क होते जाते हैं। 'बिग बॉस' होने के कई वर्ष बाद बच्चों के साथ एक वयस्क रिश्ता रखना मुश्किल होता है।

पीछे की ओर कदम

आपके पास अपने बच्चे के पथ को आलोकित करने वाली मार्गदर्शक रोशनी बनने के लिए 21 से अधिक वर्ष थे। यदि उन्होंने आपके मूल्य-मान्यताओं को नहीं अपनाया है तो अभी से आपको उन्हें बताना होगा कि क्या करना है। आप उनके विकास के वर्षों में उनके रोल मॉडल रहे हैं। अब वक्त उनके पंख फैलाने का, उनकी जिंदगी में किताबें, अनुभव तथा अन्य लोगों को शामिल करने का है। वे क्या सीखते हैं, कैसे सीखते हैं, कहां से सीखते हैं और किसके साथ सीखते हैं, इसका चुनाव करने के लिए आपको उन्हें उनके पैरों पर खड़े होने देना चाहिए। आपने उन्हें जो सिखाया है उसे व्यवहार में लाने को कहें। यदि आप उनकी ई-मेल्स या फेसबुक अकाऊंट पर नजर रखते हैं, उनकी लेट नाइट पार्टियों के निमंत्रणों और दोस्तों को बहुत निर्दयता से नकार देते हैं, तो इसका अर्थ यह है कि आप उन्हें बता रहे हैं कि वे अपनी खुद की जिंदगी नहीं चला सकते।

बच्चों से अपेक्षा न करें

जब आप अपने बच्चों से सहायता की अपेक्षा करते हैं तो या तो आप अपने बच्चों से झूठ बोल रहे होते हैं या फिर आप उन्हें भावनात्मक तौर पर ब्लैकमेल कर रहे होते हैं। इस प्रकार वे दोषी महसूस करते हैं। यह एक ऐसी बात है जो आपको बच्चे के साथ नहीं करनी चाहिए। जैसे-जैसे वे बड़े होते जाते हैं वे बड़ी चीजों के लिए आपकी जरूरत महसूस करेंगे। आपको इस बात पर गर्व होना चाहिए कि संकट के समय आप अपने बच्चे के लिए पहले व्यक्ति हैं जिन्हें वह सहायता के लिए पुकारता है। बच्चों की सहायता करने वाला बनने से भावनात्मक संतोष मिलता है। इसके साथ ही प्यारा, स्वतंत्र तथा जिम्मेदार बच्चा बनाने की प्राप्ति की भावना भी आपके मन में जगती है।

निर्णय लेने में सहायता करें

यदि आपसे किसी बात पर आपका मत पूछा जाए चाहे यह जीवनसाथी के बारे में हो या कॉलेज के किसी कोर्स के बारे में, अपना मत अवश्य दें। उन्हें प्रवचन न दें और न ही उनका मजाक उड़ाएं। आपके बच्चे को इस बात का विश्वास होना चाहिए कि एक संवेदनशील उत्तर के लिए वह आप पर निर्भर कर सकता है।

उनके लिए हमेशा मौजूद रहें

जब आपके बच्चे छोटे थे तो जिस प्रकार आप उन्हें चूमते या दुलारते थे, उस प्यार का प्रदर्शन करना कभी भी बंद न करें। आप हमेशा उनके कंधों पर बांहें रख सकते हैं, उन्हें गले लगा सकते हैं और साधारण शब्दों में उन्हें आई लव यू कह सकते हैं। उनके साथ बिना शर्त प्यार करें। किसी भी प्रकार की उपलब्धि हासिल करने पर अपने बच्चों का स्वागत करें।

मुल्तानी मिट्टी के असाधारण फायदे

- त्वचा के रूखेपन को दूर करने के लिए साबुन की जगह मुल्तानी मिट्टी रगड़ कर स्नान करें। त्वचा कोमल व मुलायम हो जाएगी।
- गर्मी में मुल्तानी मिट्टी मल कर स्नान करने से शीतलता मिलती है।
- गर्मी में पैरों के तलवों में मुल्तानी मिट्टी का लेप करने से ठंडक मिलती है व तलवों की जलन शांत होती है।
- मुल्तानी मिट्टी में कुछ बूंदें सिरके की डाल कर आंखों के नीचे सावधानीपूर्वक लगाएं। काले घेरे धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे।
- तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी में खीरे का रस, दही व चुटकी भर हल्दी मिक्स करके चेहरे पर पैक की तरह लगाएं। सूखने पर धो दें। लाभ मिलेगा।
- मुल्तानी मिट्टी में संतरे का रस या टमाटर का गूदा मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद धो दें। चेहरा खिल उठेगा।
- मुल्तानी मिट्टी में खीरे का रस व आलू का गूदा मिला कर आंखों के नीचे रखें। 10-15 मिनट बाद धो दें। काले घेरों से निजात मिलेगी।

...ताकि मेकअप न लगे 'मेडअप'

मेकअप किसी भी महिला का मेकओवर कर उसे खूबसूरत बना सकता है। सही तरीके और कलात्मकता के साथ किया गया मेकअप आपकी लुक्स को और भी निखार देता है और दिन भर आपको प्रैजैंटेबल बनाए रखने में मदद भी करता है।

खूबसूरती देखने वाले की आंखों में होती है लेकिन खूबसूरत या प्रैजैंटेबल दिखना आपकी पर्सनैलिटी का प्लस प्वाइंट हो सकता है, बशर्ते कि आपने मेकअप सही तरीके से अप्लाई किया हो। मेकअप करने के लिए चेहरे को तैयार करना बेहद जरूरी है। चेहरे की क्लीजिंग, टोनिंग और माइश्चराइजिंग के बाद चेहरा मेकअप के लिए तैयार होता है।

याद रखें कि ज्यादा माइश्चराइजर लगाने से मेकअप कुछ देर में काला हो जाता है। प्रैक क्रीम चेहरे की कमियों को छुपा कर उसे सुंदर दिखाती है, उसके बाद फाऊंडेशन लगाएं। फाऊंडेशन आपकी स्किन टोन से मेल खाता हुआ या फिर एक टोन ऊपर होना चाहिए। फाऊंडेशन को चेहरे पर अच्छी तरह से ब्लैंड करना चाहिए। कंसीलर लगाने के बाद चेहरे की कोटिंग करें। इसके लिए शैडर का यूज करें। कोटिंग करने से नाक और चीक बोन्स उभर कर दिखती हैं और मेकअप कई गुना सुंदर हो जाता है। चेहरे के मेकअप के बाद आंखों का मेकअप करते समय हमेशा हाईलाइटर यूज करना चाहिए।

आंखों की देखभाल

अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे अधिक हैं लेकिन आप काजल भी लगाना चाहती हैं तो मायूस न हों। पहले किसी अच्छे कंसीलर का इस्तेमाल कर लें। अगर आपका रंग सांवला है तो लाल रंग के कंटैंट कंसीलर का इस्तेमाल करें। वहीं रंग गोरा है तो पीले कंटैंट वाले कंसीलर का प्रयोग करें। इससे आपके काले घेरे छुप जाएंगे। अगर आपकी आंखों पर काजल फैल जाता है लेकिन काजल लगाना आपको पसंद है तो बाजार से पाऊडर ब्लैक कलर केक का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप कुछ भी कर लें अगर आपकी आंखों पर काजल फैलने की समस्या रहती है तो सिल्वर लाइनिंग का प्रयोग कर सकती हैं। इससे यह फैलेगा नहीं, साथ ही थकी हुई बेजान आंखों में यह नई ताजगी ले आएगा।

लिप्स की देखभाल

- लंबे समय तक लिपस्टिक की चमक बरकरार रखने के लिए लिपस्टिक लगाने के बाद टिश्यू पेपर से एक्सट्रा लिपस्टिक को निकाल दें। इससे लिपस्टिक की चमक पूरा दिन बनी रहेगी।
- डार्क कलर की लिपस्टिक लिप्स को स्माल लुक देती है। अगर आप अपने लिप्स को बड़े साइज का दिखाना चाहती हैं तो नैचुरल कलर यूज करें।
- अगर लिप्स बहुत मोटे हैं तो कंसीलर और फाऊंडेशन की मदद से उन्हें पतली शेप दें। लिप लाइनर से आऊटलाइन ड्रॉ करें और डार्क कलर की लिपस्टिक लगाएं।
- अगर लिप्स को हॉट लुक देना हो तो स्ट्राबेरी और चेरी शेड्स वाली लिपस्टिक भी लगा सकती हैं।

पार्टी मेकअप

पार्टी की जान बनना हो या भीड़ में अलग दिखना हो, इसके लिए मेकअप भी कुछ अलग व अनोखा होना चाहिए। पार्टी चाहे कैसी भी हो, उस में ग्लैमरस दिखने के लिए मेकअप कुछ ऐसा हो जो आप को महफिल की रौनक बना दे। पार्टी में जाने का शौक तो हम सभी को होता है लेकिन कई बार हम यह सोच कर कन्फ्यूज हो जाते हैं कि किस पार्टी में कैसा मेकअप करें।

जानें कुछ टिप्स

- मेकअप में बेस में शीयर फाऊंडेशन का इस्तेमाल करें। मेकअप ऐसा हो जो शाइनिंग लुक लिए हुए तो हो ही, साथ ही ज्यादा देर तक टिका भी रहे।
- मेकअप में कुछ लोग पेल शेड्स का यूज करने लगते हैं लेकिन ये शेड्स इंडियन स्किन टोन पर सूट नहीं करते। इसलिए लाइट कलर्स से एक शेड डार्क के ऑप्शन पर जाएं। पिंकिश मॉव कलर हर स्किन टोन पर सूट करता है। अगर आप इसे आईशैडो में यूज करती हैं, तो चीक्स पर रोजी ब्लशर लगाएं और लिप्स पर रोज पिंक शेड अप्लाई करें।
- आईलाइनर का इस्तेमाल करते हुए ध्यान रखें कि अब 1960 के दशक के फैशन का चलन दोबारा लौट आया है। इसलिए आईलाइनर आंखों से थोड़ा बाहर निकला हुआ होना चाहिए।
- यदि आप पार्टी के लिए मेकअप कर रही हैं तो ड्रैस से मैच करता आईशैडो अच्छा लगता है। आईशैडो में मॉव, पिंक, लाइट ब्ल्यू और ग्रीन लाइट शेड्स यूज करें। इसमें लुक पेंटेड नहीं, बल्कि नैचुरल लगती है। आईलाइनर, मस्कारा और काजल आंखों की खूबसूरती बढ़ाता है।
- आईशैडो की आऊटर साइड पर डार्क और इनर कॉर्नर पर लाइट शेड का यूज करें। इसके साथ कलर्ड आईलाइनर का यूज कर सकती हैं। नैचुरल कलर के आईशैडो को कलर्ड आईलाइनर जैसे वॉयलैट, डार्क ब्ल्यू जैसे शेड्स के साथ लगाएं। नैचुरल ग्लो के लिए चीक्स पर लाइट शेड्स के ब्रॉन्जर का यूज कर सकती हैं।
- अगर आपको सैंसुअस दिखना है, तो साड़ी से बेहतर और कोई ड्रैस नहीं है। इसके साथ आप खूबसूरत मैचिंग ज्यूलरी जरूर कैरी करें। मैट फिनिश्ड गोल्ड ज्यूलरी जैसा बैटर आप्शन और कोई नहीं है।
- होंठों को उभारने के लिए लिप लाइनर, लिपस्टिक और लिप ग्लॉस लगाएं। होंठों को शाइनी लुक देने के लिए उस पर कॉपर रस्ट लिप कलर लगाएं।
- बालों को स्ट्रेट करा के खुला छोड़ दें। यह अपने आप में एक खूबसूरत व मॉडर्न लुक देता है। हेयरस्टाइल में क्रिंपिंग, रोलर व ड्रायर सैटिंग भी करवा सकती हैं। हेयर कट में लेयर्स और रेजर फैशन में हैं।

आफिस मेकअप

आजकल दफ्तरों में भी बेहद अनौपचारिक वेशभूषा तथा वातावरण का चलन है लेकिन फिर भी दफ्तर का एक अनुशासन और प्रोटोकोल होता है। इसलिए यदि आप वर्किंग वूमन हैं तो मेकअप का सही तरीके से अप्लाई किया जाना और भी आवश्यक हो जाता है। दफ्तर में भी यदि आप भड़कीला मेकअप लगा कर चली जाएं तो आप बेहद फूहड़ दिखेंगी। वर्कप्लेस पर मेकअप आपकी पर्सनैलिटी को उभार सकता है यदि आपने इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया हो तो।

जानें कुछ टिप्स

- आपका मेकअप आपके कार्यस्थल के लिहाज से होना चाहिए। उदाहरण के लिए यदि आप कॉर्पोरेट सैक्टर में काम कर रही हैं तो फॉर्मल लुक अपनाएं और लाइफस्टाइल प्रोफैशन के लिए सैमी-फॉर्मल लुक को चुनें। हमेशा नैचुरल लुक को ही तवज्जो दें यानी ब्राइट मेकअप की जगह लाइट मेकअप को अपनाएं।
- आफिस जाने वाली महिलाओं के पास वक्त की कमी होती है, ऐसे में केवल दो मिनट में मेकअप कर आप खूबसूरत लग सकती हैं। चेहरे पर पैनकेक, आंखों में काजल व आईलाइनर और होंठों पर लिप लाइनर व लिपस्टिक लगाने में केवल दो मिनट का समय लगता है।
- दिन के समय आप एकदम हल्का मेकअप रखें और केवल आंखों को हाईलाइट करने पर ध्यान दें। आंखों पर नैचुरल शेड की आईशैडो की परत लगाएं। इससे आपके पूरे चेहरे को चमक मिलेगी। स्किन कॉम्प्लैक्शन से मैच करते हुए ब्लैक या ब्राऊन मस्कारा चुनें। मस्कारा का सिंगल कोट काफी होगा। ढेर सारे काजल और आईलाइनर से बचें क्योंकि इससे आपकी लुक बहुत हैवी हो जाएगी।
- होंठों पर डार्क कलर की लिपस्टिक लगाने से परहेज करें। लिपबाम या क्लियर ग्लॉस लगाएं। अगर आप लिपस्टिक पसंद करती हैं तो नैचुरल शेड्स ही चुनें। सैमी-फॉर्मल प्रोफैशन या ऐसे प्रोफैशन के लिए जहां आपकी पब्लिक डीलिंग हो, आप थोड़े रंगों का प्रयोग कर सकती हैं।

ये भी जान लें

जब सोने जाएं, तो अपना सारा मेकअप उतार दें, वरना स्किन खराब होने का चांस ज्यादा होता है।

चिपोटले बीन बरीटोज

सामग्री - 1 टेबलस्पून कैनोला ऑयल, 1 तुरीं लहसुन अच्छी तरह पिसी हुई, 1/2 टेबलस्पून चिपोटल मिर्च पाऊडर, 1/4 टेबल स्पून नमक, 1/3 कप पानी, 1 कप आर्गेनिक ब्लैक बीन्स (रैडी टू ईट), 1 कप आर्गेनिक किडनी बीन्स (रैडी टू ईट), 3 टेबलस्पून फ्रैश सालसा, 6 (10 इंच की) रिड्यूस फैट टोरटिल्स (रैडीमेड चपाती), 1 कप कटा मैक्सिकन पनीर मिश्रण, 1/2 कप बारीक कटा टमाटर, 1/2 कप ताजा छोटे लेटिस लीव, 6 टेबलस्पून कटा हुआ हरा प्याज, 6 टेबलस्पून लाइट सोर क्रीम

विधि - 1. एक नॉनस्टिक पैन में ऑयल डालकर गर्म करें और उसमें लहसुन डालें तथा एक मिनट तक पकाएं। अब इसमें नमक और चिली पाऊडर डाल कर 3 मिनट तक लगातार हिलाती रहें। अब इसमें 1/3 कप पानी तथा बीन्स डालकर उबालें। आंच कम कर 10 मिनट तक पकने दें। आंच से हटाकर सालसा डालें तथा फोर्क से बींस के मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं। 2. गर्म टोरटिल्ज (पैकिंग पर लिखे अनुसार) पर लगभग 1/3 कप बींस के मिश्रण को मध्य में डालें और फैलाएं। उस पर अढ़ाई चम्मच चीज, 1/4 कप टमाटर, 1/4 कप लैटिस लीव, 1 टेबलस्पून प्याज तथा एक टेबलस्पून सोर क्रीम डालकर रोल करें। बाकी के टोरटिल्ज को भी इसी तरह तैयार करें। इन्हें आप 6 लोगों को सर्व कर सकती हैं।

एरोमैटिक स्लो-रोस्टेड टोमैटोज

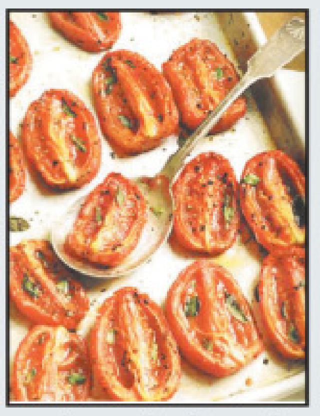

सामग्री - 1 टेबलस्पून चीनी, 1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल, 1/2 टेबलस्पून नमक, 1/2 टेबलस्पून सूखे तुलसी के पत्ते, 1/2 टेबलस्पून सूखे अजवायन के पत्ते, 1/4 टेबलस्पून ताजा पिसी काली मिर्च। 16 टमाटर मध्यम आकार के (बीच से लम्बाई में कटे हुए) तथा कुकिंग स्प्रे

विधि- 1. ओवन को 200 डिग्री पर प्री-हीट करें, 2. पहले सात इन्ग्रेडिएंट्स एक बड़े बाऊल में डालें। टमाटरों पर सारे मसाले कोट हो जाएं इसलिए उन्हें हल्के हाथ से पलटाएं। एक बेकिंग शीट पर टमाटरों को व्यवस्थित करें। कटी हुई साइड ऊपर रखें। अब कुकिंग स्प्रे करें और इसे आप ओवन में रख दें। रोस्ट होने पर इसे बाहर निकाल लें और सर्विंग डिश में सजा लें। इसे आप 8 लोगों में सर्व कर सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा में होगा अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट, पक्की हुई तारीख

एजेंसी
नई दिल्ली । अफगानिस्तान उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के अपने घरेलू मैदान पर सितंबर में न्यूजीलैंड के साथ अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगा। यह अफगानिस्तान का कुल 10वां तथा वर्ष 2024 में तीसरा टेस्ट मैच होगा। इसके अलावा यह ग्रेटर नोएडा में भी पहला टेस्ट मैच होगा। यह टेस्ट मैच 9 से 13 सितंबर के बीच होने की संभावना है। इसके बाद केवल इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ही ऐसी टीमें बचेंगी, जिनके साथ अफगानिस्तान ने टेस्ट मैच नहीं खेला है। इसके लगभग एक महीने बाद 16 अक्तूबर से न्यूजीलैंड का भारत दौरा शुरू होगा, जहां मेहमान टीम को तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इन दोनों सीरीज के बीच में न्यूजीलैंड की टीम टेस्ट सीरीज खेलने श्रीलंका भी जाएगी। जिनकी तारीखों की घोषणा होनी अभी शेष है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अफगानिस्तान ने श्रीलंका और आयरलैंड के साथ दो टेस्ट मैच खेले हैं तथा दोनों ही मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

वही ट्रेन चलती रहेगी, केवल इंजन बदल गया है : कप्तानी मिलने पर सूर्यकुमार यादव

पल्लेकेले । भारत के टी20ई कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दावा किया है कि टीम दिग्गज तिकड़ी के जाने के बाद भी क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में उसी तरह काम करना जारी रखेगी, जैसे पहले करती आई है। भारत ने पिछले महीने बारबाडोस में प्रतिष्ठित टी20 खिताब जीता था। इस जीत के साथ ही विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जड़ेजा की स्टार तिकड़ी ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप को अलविदा बोल दिया था। भारतीय टीम अब श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज खेलने की तैयारी में है।

इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के नए टी20 कप्तान सूर्यकुमार ने कहा कि टीम इसी तरह काम करती रहेगी। वही ट्रेन चलती रहेगी। केवल इंजन बदल गया है। बोगियां (गाड़ियां) वही हैं। अब 10 साल हो गए हैं जब से हम एक साथ काम कर रहे हैं, हालांकि मैं 2018 में एक अलग फ्रेंचाइजी में चला गया और वह भी कही ओर चले गए। लेकिन हम संपर्क में रहते थे और खेल के बारे में बात करते थे, भले ही हम अलग-अलग टीमों में थे।

श्रीलंकाई क्रिकेटर अस्पताल में भर्ती, इस दिग्गज को रखा स्टैंडबाय पर

पल्लेकेले । श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के एक बयान में कहा गया कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बिनुरा फर्नांडोको सीने में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके बाद, अब वे मेंडिस को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में चैरिथ असलांका की अगुवाई वाली टी20ई टीम में ले आए हैं। फर्नांडो ने 2024 लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में कोलंबो स्ट्राइकर्स के लिए 8 मैचों में 6.81 की मामूली आर्थिक दर पर 13 विकेट लेकर श्रीलंका की टी20ई टीम में वापसी की थी। स्टैंड-बाय खिलाड़ी मेंडिस ने श्रीलंका के लिए केवल दो टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्हें सिर्फ एक विकेट मिला है यह घटनाक्रम श्रीलंका के लिए एक और झटका है, जब दुष्मंथा चमीरा को ब्रोंकाइटिस और श्वसन संक्रमण से अभी भी उबरने के कारण श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था, इसके बाद नुवान तुषारा को बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण बाहर कर दिया गया था। इन दोनों के स्थान पर असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका को प्रतिस्थापन के रूप में शामिल किया गया था। भारत अपने श्रीलंका दौरे की शुरुआत 27 और 28 जुलाई को लगातार टी20 मैचों के साथ करेगा, जिसके बाद 30 जुलाई को पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में तीसरा मैच खेला जाएगा। इसके बाद दृश्य कोलंबो के आर. प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बदल जाता है, जो क्रमशः 2, 4 और 7 अगस्त को तीन एकदिवसीय मैचों की मेजबानी कर रहा है।

हॉकी की नई नर्सरी बना मिट्ठापुर, मैच में जालंधर के खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

जालंधर । जालंधर के संसारपुर गांव को किसी समय में हाकी की नर्सरी कहा जाता था। यहां से कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकले थे। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में गांव मिठ्ठापुर ने भारतीय हाकी टीम को कई ओलिंपियन और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं। इस कारण संसारपुर की जगह मिठ्ठापुर लेता हुआ दिख रहा है और अब इसे हाकी की नई नर्सरी के रूप में जाना जा रहा है। पिछले ओलिंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय हाकी टीम में कप्तान सहित तीन खिलाड़ी मिठ्ठापुर गांव से ही संबंधित थे। इनमें तत्कालीन कप्तान मनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और वरुण कुमार शामिल थे। इनमें से मनप्रीत और मनदीप इस बार भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। मठ्ठापुर के कुछ खिलाड़ियों ने पिछले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है।

पेरिस ओलंपिक का हुआ भव्य आगाज – सिंधु–शरत ने की भारतीय दल की अगुवाई

एजेंसी
पेरिस। ओलंपिक 2024 का आगाज हो गया है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में रंगारंग कार्यक्रम, संगीत, नृत्य और साहित्य के साथ फ्रांसीसी जुनून का नजारा पूरी दुनिया ने देखा। करीब चार घंटे चली सेरेमनी में पॉप स्टार लेडी गागा, आया नाकामुरा जैसे सुपर स्टार्स ने परफॉर्म किया। बारिश ने इन परफॉर्मेंस में चार-चांद लगाया। साथ ही ओलिंपिक मशाल लिए एक मिस्टीरियस मैन आकर्षण का केंद्र रहा। शाम एक शानदार ओपनिंग सेरेमनी के साथ पेरिस ओलंपिक का भव्य आगाज हो चुका है। यह पहला मौका रहा, जब किसी स्टेडियम से बाहर ओपनिंग सेरेमनी हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत ग्रीस के प्रतिनिधियों द्वारा नदी में नावों पर राष्ट्रों की परेड में लगभग 200 देशों के एथलीटों का नेतृत्व करने के साथ हुई। भारतीय दल 84वें नंबर पर आया। इसमें पीवी सिंधु और शरत

कमल तिरंगा थामे नजर आए। सबसे अंत में मेजबान फ्रांस का दल आया। खिलाड़ी सीन नदी में नाव के सहारे परेड करते नजर आए। इसमें 200 से ज्यादा देशों के करीब 7,000 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। भारत के लिए पीवी सिंधु और शरत कमल ध्वजवाहक रहे। ओपनिंग सेरेमनी के साथ ही पेरिस ओलंपिक 2024 की आधिकारिक रूप से शुरुआत हो गई है। ओपनिंग सेरेमनी के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद रहे। पॉप स्टार लेडी गागा ने शानदार गाने की प्रस्तुति दी। परेड में भारतीय दल 84वें नंबर पर आया। इस दौरान लगभग 3 लाख दर्शक मौजूद रहे।

भारत महिला एशिया कप के फाइनल में, बांग्लादेश को दी 10 विकेट से करारी शिकस्त

एजेंसी
दांबुला। रेणुका सिंह ठाकुर (4 ओवर एक मेडन 10 रन 3 विकेट) और राधा यादव (4 ओवर एक मेडन 14 रन 3 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने बांग्लादेश को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर नौवीं बार एशिया कप के फाइनल में प्रवेश किया।

81 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने बांग्लादेशी गेंदबाजों की जमकर खबर ली और केवल 11 ओवर में बिना किसी नुकसान के 83 रन बनाकर मैच 10 विकेट से भारत की झोली में डाल दिया।

मंधाना 39 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की बदौलत 55 और शेफाली 28 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत 26 रन बनाकर नाबाद रहीं।

बांग्लादेश की टीम 80 रन पर सिमटी, रेणुका और राधा की शानदार गेंदबाजी

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की

शुरुआत रेणुका और राधा ने बिगाड़ दी। केवल कप्तान निगार सुल्ताना (32) और शोमा अख्तर (19) ही कुछ संघर्ष कर सकीं। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छु सका। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 80 रन ही बना सकी।

भारत की तरफ से रेणुका और राधा ने 3- 3, पूजा वस्त्राकर और दीप्ती शर्मा ने 1- 1 विकेट लिया।

पीएम मोदी ने ओलंपिक के लिए भारतीय दल को दी शुभकामनाएं, कहा- हर एथलीट भारत का गौरव

एजेंसी
नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 का भव्य आगाज हो चुका है। ओपनिंग सेरेमनी में शटलर पीवी सिंधु और टेबल टेनिस खिलाड़ी शरथ कमल भारत के ध्वजवाहक रहे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय दल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर एथलीट भारत का गौरव है। पीवी सिंधु और शरत कमल 117 सदस्यीय भारतीय दल के दो ध्वजवाहक थे, जिनमें से 78 सदस्यों ने पेरिस में ओपनिंग सेरेमनी में भाग लिया।

भारत ने टोक्यो ओलंपिक में सात मेडल जीते थे। ये ओलंपिक इतिहास में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, लेकिन अब देश की नजर इन आंकड़ों को और बेहतर करने पर है। सबसे बड़ा मिशन भारतीय खिलाड़ियों के लिए मेडल टैली में दोहरे अंक में पहुंचना और एक से अधिक गोल्ड मेडल जीतना है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रत्येक एथलीट

को 'भारत का गौरव' कहा और उम्मीद जताई कि वो खेल की सच्ची भावना को अपनाएं।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'पेरिस ओलंपिक शुरू होने के साथ ही भारतीय दल को मेरी शुभकामनाएं। हर एथलीट भारत का गौरव है। वे सभी चमकें और खेल की सच्ची भावना को अपनाएं, अपने असाधारण प्रदर्शन से हमें प्रेरित करें।' केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने भी एक्स पर भारतीय दल को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'ओलंपिक में भारतीय दल वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।' पेरिस ओलंपिक को लेकर प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। भारतीय दल में अनुभव और युवा जोश का अच्छा मिश्रण है, जो बड़े-बड़े दिग्गजों को पछाड़ने का माद्दा रखते हैं। इस बार देशवासियों की उम्मीदें अपने खिलाड़ियों से काफी ज्यादा हैं। सबसे बड़ा मिशन भारतीय खिलाड़ियों के लिए मेडल टैली में दोहरे अंक में पहुंचना और एक से अधिक गोल्ड मेडल जीतना है। ये दोनों ही रिकॉर्ड देश के लिए ऐतिहासिक होंगे। 117 सदस्यों के दल में कई ऐसे 'सूरमा' हैं, जो इस सपने को पूरा कर सकते हैं। भारतीय एथलीट हॉकी, शूटिंग और बैडमिंटन सहित सात खेलों में चार साल में एक बार होने वाले इस आयोजन के पहले दिन एक्शन में होंगे।

श्रीलंका, पाकिस्तान को 3 विकेट से हराकर महिला एशिया कप के फाइनल में

एजेंसी
दांबुला। कप्तान चामारी अट्टापटू (63) रनों की शानदार पारी की बदौलत श्रीलंका ने महिला एशिया कप के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 4 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है जहां रविवार को भारतीय टीम के साथ उसकी खिताबी भिड़ंत होगी। 141 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 19 रन पर अपने 2 विकेट गंवा दिए। विश्मी गुणारत्ने (शून्य) और हर्षिता समाराविक्रमा (12) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कविशा दिलहारी ने कप्तान अट्टापटू के साथ पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 59 रन जोड़े।

12वें ओवर में सादिया इकबाल ने समाराविक्रमा (17) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। नीलाक्षी डिसिल्वा (शून्य), हसिनी परेरा (3) और सुगंधिका कुमारी (10) रन बनाकर आउट हुई। अनुष्का संजीवनी 22 गेंदों में 23 रन बनाकर नाबाद रही। श्रीलंका की टीम ने 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 141 रन बनाकर मुकाबला 3 विकेट से जीत लिया। पाकिस्तान की ओर से सादिया इकबाल ने 4 विकेट लिए। निदा डार और ओमाइमा सोहैल ने 1-1 बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मुनीबा अली (37) और गुल फिरोजा (25) रनों की पारियों के दम पर पाकिस्तान ने श्रीलंका को दिया 141 रनों का लक्ष्य दिया। बल्लेबाजी करने उतरी मुनीबा अली और गुल फिरोजा की सलामी जोड़ी ने पाकिस्तान को धीमी लेकिन अच्छी शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। 10वें ओवर में उदेशिका प्रबोधनी ने गुल फिरोजा को डिसिल्वा के हाथों कैच आउट कराकर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद इसी ओवर में प्रबोधनी ने मुनीबा अली को बोल्ड कर पाकिस्तान को दूसरा झटका दिया।

पंजाब एफसी ने क्रोएशियाई मिडफील्डर फिलिप मर्जलिजाक के साथ किया करार

एजेंसी
मोहाली। पंजाब एफसी ने क्रोएशियाई मिडफील्डर फिलिप मर्जि्लजक के साथ करार की घोषणा की, जो आगामी 2024-25 सीज़न से पहले उनकी पहली विदेशी साइनिंग है। क्रोएशियाई खिलाड़ी ने आखिरी बार क्रोएशियाई टॉप-फ्लाइट क्लब, एचएनके गोरसिया के लिए प्रदर्शन किया था। 31 वर्षीय खिलाड़ी का जन्म ज़ाग्रेब में हुआ था और वह मुख्य रूप से एक रक्षात्मक मिडफील्डर के रूप में खेलते हैं। उन्होंने प्रसिद्ध डिनामो ज़गरेब अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, जहां से लुका मोड्रिक, माटेओ कोवासिक, वेड्रन कोरलुका, जोस्को ग्वार्डिओल, डेजन लोवरेन, निको क्रांजकर और कई अन्य प्रसिद्ध फुटबॉलर निकले हैं। ज़ाग्रेब में रैडनिक सेसवेटे को ऋण पर भेजे जाने से पहले उन्होंने डिनामो ज़ाग्रेब के साथ अपने पहले पेशेवर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने क्रोएशियाई टॉप-फ़्लाइट

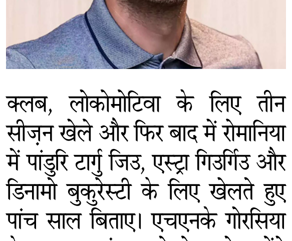

क्लब, लोकोमोटिवा के लिए तीन सीज़न खेले और फिर बाद में रोमानिया में पांडुरि टार्गु जिउ, एस्ट्रा गिउर्गिउ और डिनामो बुकुरेस्टी के लिए खेलते हुए पांच साल बिताए। एचएनके गोरसिया के साथ अनुबंध करने से पहले उन्होंने रूसी क्लब एफसी ऊफ़ा के लिए दो सीज़न खेले। फ़िलिप क्रोएशिया के लिए एक कुशल अंतरराष्ट्रीय युवा खिलाड़ी है जिन्होंने अंडर-14 से लेकर अंडर-21 तक सभी आयु वर्ग श्रेणियों में देश का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 2013 फीफा अंडर- 20 विश्व कप और 2012 यूएफा अंडर- 19 चैंपियनशिप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व किया था । करार को लेकर पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक, निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, हम आगामी सीज़न के लिए फिलिप को अपनी टीम में पाकर उत्साहित हैं। वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने यूरोप में युवा फुटबॉल के उच्चतम स्तर पर खेला है। वह मिडफ़ील्ड में ताकत जोड़ेंगे और मैदान के अंदर और बाहर लीडर बन कर उभरेगा।

मुझे अपने खिलाड़ियों से 100 फीसदी चाहिए ताकि भारत को हरा सकें : असलांका

एजेंसी
पल्लेकेले। भारत के खिलाफ होने वाले पहले टी20 से पहले श्रीलंका के नवनियुक्त कप्तान चरित असलांका ने कहा कि वह चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी मैदान पर अपना 100 फीसदी प्रदर्शन दें और सीरीज जीतें। भारत और श्रीलंका तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगे और उसके बाद इतने ही वनडे मैच खेलेंगे। असलांका ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि उनकी टीम में प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और टीम के कप्तान के रूप में, उन्होंने उन्हें मैदान पर खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की आजादी दी है। असलांका ने कहा कि मैं वास्तव में अपने खिलाड़ियों से 100त्न हासिल करना चाहता हूं और उनके लिए सकारात्मक माहौल बनाना चाहता हूं। हमारे पास बहुत सारे प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि उनसे अधिकतम लाभ लेना और उन्हें मैच जिताना है। हमने उन्हें स्वतंत्र रूप से खेलने के लिए कहा है और जब हमने उन्हें योजना दी है, तो बिना किसी डर के उन्हें क्रियान्वित करने के लिए जाएं। एक कप्तान के रूप में आप मुझसे यही उम्मीद कर सकते हैं। हाल ही में समाप्त हुए सीज़न में अपनी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) फ्रेंचाइजी जाफना किंग्स को खिताब दिलाने के बाद ऑलराउंडर को लगता है कि यह देश का प्रमुख टी20 टूर्नामेंट है और शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया जाना चाहिए असलांका ने कहा कि यदि आप एलपीएल को देखें तो यह नंबर 1 टूर्नामेंट है, हमें इस तरह के निर्णय लेने होंगे। घरेलू टी20 से हटकर एलपीएल बहुत उच्च स्तर पर है। एक कप्तान के रूप में मुझे लगता है कि यदि आप एलपीएल में प्रदर्शन करते हैं तो आपको ऐसा करना चाहिए। राष्ट्रीय टीम में खेलने का अच्छा मौका मिलेगा।

प्लेइंग 11 पर असलांका ने कहा कि टीम में 4 सलामी बल्लेबाज हैं और जैसा कि मैं सोच रहा हूं कि उनमें से तीन शीर्ष तीन में जगह बनाएंगे। उनमें से एक को बाहर होना होगा। चाहे वह अपने स्कूल रिचमंड कॉलेज, श्रीलंका अंडर-19, या हाल ही में एलपीएल जीतना हो, असलांका आयु-समूह स्तर से ही कप्तान रहे हैं।

जिम्बाब्वे को 2025 में इंग्लैंड दौरे के लिए ईसीबी से मिलेगा टूरिंग शुल्क

एजेंसी
लंदन। जिम्बाब्वे आधुनिक युग का पहला ऐसा देश बन जाएगा जिसे 2025 की गर्मियों में इंग्लैंड में एक टेस्ट मैच के लिए मेजबान बोर्ड द्वारा द्विपक्षीय क्रिकेट में टूरिंग शुल्क का भुगतान किया जाएगा।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने एजबेस्टन टेस्ट के पहले दिन के खेल के दौरान स्काई स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान इस बात की पुष्टि की। पिछले साल फाइनल वर्ल्ड पॉडकास्ट से बात करते हुए गोल्ड ने मूल रूप से सुझाव दिया था कि विभिन्न पूर्ण सदस्य देशों द्वारा अर्जित राजस्व में असमानता को दूर करने और टेस्ट क्रिकेट की गुणवत्ता को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। तब से, गोल्ड ने एक समाधान की सिफारिश की है कि मेजबान बोर्ड को यात्रा करने वाली टीमों को शुल्क का भुगतान करना है। ईसीबी, बीसीसीआई और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य वित्तीय रूप से मजबूत बोर्डों के लिए टेस्ट क्रिकेट को प्रतिस्पर्धी बनाने की आवश्यकता के

बारे में स्काई स्पोर्ट्स पर पूर्व इंग्लैंड के कप्तान माइक एथर्टन से कहा, यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। जब आप देखते हैं कि यह आईसीसी से राजस्व हिस्सेदारी है या वास्तव में द्विपक्षीय क्रिकेट से राजस्व हिस्सेदारी है, जो वास्तव में जिस तरह से इसे वितरित किया जाता है, वह काफी पुराना है। उदाहरण के लिए, अगले साल जिम्बाब्वे [इंग्लैंड] दौरे पर आ रहा है। आम तौर पर चीजें इस तरह होती हैं कि दौरा करने वाली टीम खुद देश में आती है और फिर आवास और बाकी अन्य चीजों के मामले में उसका ध्यान रखा जाता है, लेकिन दौरे पर जाने वाली टीम के लिए कोई शुल्क नहीं है। अगले साल जब हम जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेंगे, तो दौरा करने वाली टीम के लिए शुल्क होगा। हाल ही में एमसीसी वर्ल्ड क्रिकेट कनेक्ट्स संगोष्ठी में बोलते हुए, ईसीबी के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने लॉन्ग रूम में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बोर्ड की वार्षिक आय का केवल 4त्न आईसीसी राजस्व वितरण से आता है, जिसमें से अधिकांश द्विपक्षीय क्रिकेट के प्रसारण अधिकारों से आता है। नतीजतन, ईसीबी के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण था कि पुरुष और महिला दोनों प्रारूपों में खिलाड़ियों के लिए क्रिकेट का स्तर मजबूत हो - और विपक्षी प्रतिस्पर्धी हो। इसलिए ईसीबी को टेस्ट क्रिकेट के पिरामिड को मजबूत रखने में योगदान देना होगा।

उन्होंने कहा, हमें सभी प्रारूपों में अपनी पुरुष टीमों और महिला टीमों दोनों के लिए वास्तव में मजबूत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट की आवश्यकता है। और इसलिए, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि हम खेल द्वारा बनाए गए मूल्य को साझा कर सकें ताकि इसे जारी रखा जा सके और यह सभी द्वारा पहचाना जाता है। खेल में अलग-अलग रणनीति होती है लेकिन यह एक स्वीकृत सिद्धांत है।

ओलंपिक : उद्घाटन समारोह में शामिल हुए खेल और मनोरंजन जगत के सितारे

एजेंसी
पेरिस। पेरिस में ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में खेल, मनोरंजन और राजनीतिक हस्तियों की उपस्थिति ने अपनी चमक बिखेरी।

लेडी गागा, सेलीन डायोन और फ्रेंच-मालियन आर एंड बी स्टार अया नाकामुरा जैसे कलाकारों ने समारोह में हिस्सा लिया, लेडी गागा की तस्वीरें ली गई, जब वह सीन नदी की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर अपने नृत्य का अभ्यास कर रही थीं।

दुनिया भर के राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री पेरिस आए, जिनमें से नवनिर्वाचित ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने फ्रांस की छोटी यात्रा की, हालांकि उन्हें यूरोस्टार ट्रेन की जगह हवाई जहाज से यात्रा करनी पड़ी। रैपर स्नूप डॉग ने पेरिस के सेंट-डेनिस जिले की सड़कों पर ओलंपिक मशाल को ले जाते हुए दिखाया और गायक फैरेल विलियम्स ने भी मशाल को पेरिस की सड़कों पर पहुंचते ही अपना जादू चलाया, जिससे प्रशंसकों को भी काफी रोमांच का अनुभव हुआ।

फ्रांसीसी फुटबॉल नायक थिएरी

हेनरी लोकप्रिय मशाल वाहक थे। महान फुटबॉल खिलाड़ी ज़िनेदिन ज़िदान ने समारोह शुरू होने के दौरान मशाल को आगे बढ़ाने में मदद की।

अमेरिकी गायक जॉन लीजेंड और उनकी पत्नी क्रिसी को टेगेन ट्रोकाडेरो में लाल कालीन पर टहलते देखा गया, साथ ही गायक केली क्लार्कसन और एरियाना ग्रांडे और ब्रिटिश अभिनेत्री सिंथिया एरिवो भी समारोह में मौजूद थीं।

इनके अलावा समारोह में कई पूर्व खेल सितारे शामिल हुए, जिनमें पूर्व एथलीट माइकल जॉनसन, ट्रैक साइकिलिस्ट सर क्रिस होय, स्प्रिंटर कार्ल लुईस, जिमनास्ट नादिया कोमनेसी, टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स, एमिली मौरेस्मो और राफेल नडाल, साथ ही बास्केटबॉल के दिग्गज टोनी पार्कर और पॉ गैसोल, शामिल थे, इनमें से कई ने समारोह के अंतिम मिनटों में ओलंपिक मशाल की रिले में भाग भी लिया।

एशिया कप फाइनल में भी इसी लय को जारी रखना चाहेंगे : रेणुका सिंह

दाम्बुला । तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने कहा कि भारतीय टीम अभी तक महिला एशिया कप में निरंतर क्रिकेट खेल रही है और फाइनल में भी इसी लय को जारी रखते हुए रविवार को ट्राफी उठाना चाहेगी। भारत ने यहां सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 10 विकेट से रौंदकर फाइनल में जगह बनाई जिसमें 'प्लेयर ऑफ द मैच' रेणुका ने 4 ओवर में एक मेडन से 10 रन देकर 3 विकेट का शानदार स्पैल डाला। रेणुका ने मैच के बाद कहा कि हम अच्छा और निरंतर क्रिकेट खेलना चाहते हैं जैसा हम अभी तक टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। उम्मीद है कि हम एशिया कप जीतने में कामयाब होंगे। भारत खिताबी भिड़ंत में पाकिस्तान और मेजबान श्रीलंका के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता के सामने होगा। उन्होंने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि हम फाइनल में किसके खिलाफ खेल रहे हैं। हमें सिर्फ अपने मजबूत पक्ष पर ध्यान लगाए रखने की जरूरत है। हमारी योजना एक बार में एक मैच पर ध्यान लगाना है।

आधुनिक दीर्घाओं के निर्माण ने छीनी ग्रीनपार्क की दर्शक क्षमता

एजेंसी
कानपुर। साल 2009 से ग्रीनपार्क स्टेडियम से आधुनिक दीर्घाओं के निर्माण की प्रक्रिया क्या शुरु हुयी उसकी दर्शक क्षमता लगातार घटती गयी। इसके बाद ग्रीनपार्क स्टेडियम में दर्शक क्षमता को बढ़ाने के लिए बीते वर्षों में कई योजनाएं तैयार की गईं पर सब ठंडे बस्ते में चली गई। ग्रीनपार्क की दर्शक क्षमता को बढ़ाने के लिए कभी यूपीसीए के पदाधिकारियों ने ऐलान किया तो कभी खेल विभाग के अधिकारियों ने इस पर अपनी सहमति जताई, लेकिन दर्शक क्षमता नहीं बढ़ाई जा सकी। यूपीसीए के पूर्व निदेशक एसके अग्रवाल ने तो सीटों को बढ़ाने के लिए एक निजी कम्पनी के निदेशक से प्रोजेक्ट तक तैयार करवा लिया था जिसमें बी गैलरी, डी गैलरी, ई जनरल और महिला दीर्घाओं को डबल स्टोरी करने की योजना शामिल थी। उनके बीमार होने के चलते वह कार्य योजना भी अधर में ही लटक गयी थी, जिसे अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। साल 2009 में बनाए गए वीआईपी और डायरेक्टर्स पैवेलियन से लगभग इकट्ठा ही पांच से छह हजार की दर्शक क्षमता कम हो गयी तो यूपीसीए की अपनी गैलरी जिसमें लगभग चार हजार से अधिक दर्शक बैठकर मैच का आनन्द उठाते थे वह भी न्यू प्लेयर्स पैवेलियन बनने के बाद दर्शक क्षमता खो बैठा। 75 वर्षों से विभिन्न प्रकार के टेस्ट, वनडे और टी-20 मैच के गवाह बनने वाले ग्रीनपार्क स्टेडियम की वर्तमान में कम हो रही दर्शक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से मार्च 2023 में तत्कालीन जिलाधिकारी विशाखजी ने एक प्रस्ताव शासन को भेजा था। प्रस्ताव में बताया गया था कि 2015-16 में बनाए गए न्यू प्लेयर्स पवेलियन के भूतल में खिलाड़ियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। प्रथम तल पर वीवीआईपी और द्वितीय तल में आम दर्शकों के लिए दीर्घा बनाई गई थी। प्रस्ताव में बताया गया था कि ग्रीनपार्क में 12 दर्शक दीर्घा हैं। इनमें पांच दर्शक दीर्घा ऊपर से कवर्ड हैं और सात कवर्ड नहीं हैं।ऐसे में इन सातों को कवर्ड किया जाए तो दो तल बनाने पड़ेंगे और दर्शक क्षमता बढ़ जाएगी।

किस बात से परेशान हैं परिणिती चोपड़ा

शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट, बोलीं- दूसरों के लिए जीना...

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. अपनी पोस्ट से अक्सर लोगों के दिल छू जाने वालीं परिणीति ने हाल ही में एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है. इस पोस्ट को देखने के बाद से लगातार फैंस कयास लगा रहे हैं कि शादी के 10 महीने कही उनकी शादी में कुछ दिक्कत तो नहीं आ गई. पिछले साल 24 सिंतबर को ही परिणीति चोपड़ा, आप सांसद राघव चड्ढा के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं.

परिणीति चोपड़ा ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह उदास मन के साथ नाव में बैठी हैं. उनके चेहरे से साफ नजर आ रहा कि वह किसी बात से परेशान हैं. एक्ट्रेस ने अपने नो मेकअप वाले इस वीडियो के साथ एक लंबा पोस्ट भी लिखा है, जिसमें वह खुद की खुशी के लिए जीने की बात कर रही हैं.

परिणीति ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

परिणीति ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'इस महीने, मैंने कुछ समय रुककर जीवन पर विचार किया और इसने मेरे विश्वास को दोहराया है. मानसिकता ही सब कुछ हैज्महत्वहीन चीजों (या लोगों) को महत्व न दें. एक भी सेकंड बर्बाद मत करो. जिंदगी एक टिक-टिक करती घड़ी है. हर पल आपकी पसंद होना चाहिएज्कृपया दूसरों के लिए जीना बंद करें!'

जिंदगी वैसे जियो जैसे तुम चाहते हो'

उन्होंने आगे लिखा- 'अपने ट्राइब का पता लगाएं और जहरीले लोगों को अपने जीवन से बाहर निकालने से न डरें. दुनिया क्या सोचेगी इसकी परवाह करना बंद करो. परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया करने का अपना तरीका बदलें. जीवन सीमित है. यह अब हो रहा है. इसे वैसे जियो जैसे तुम इसे जीना चाहते हो.'

पोस्ट देख फैंस परेशान

शादी के ठीक 10 महीने बाद परिणीति का ये पोस्ट देखने के बाद से उनके फैंस परेशान हैं. कई यूजर्स तो इस पोस्ट को करने का कारण पूछ रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- 'क्या यह पोस्ट किसी के लिए है?', दूसरे ने लिखा, 'बहुत बढ़िया कहाज्ऐसा लगता है जैसे हम सभी को समान परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है. हमें ऐसे लोगों पर एक पल भी बर्बाद नहीं करना चाहिए.' एक अन्य यूजर ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा, 'मुझे आशा है कि आप ठीक हैं. हम हमेशा आपके लिए मौजूद हैं.' एक अन्य ने फैन ने लिखा- 'क्या आप शादी के बाद से परेशान हैं?'

साल में 4 फिल्में करते हैं अक्षय कुमार

पर ट्रोल्स ने मारा ताना, अब एक्टर ने कसा तंज, बोले- बेटा, याद रखना...

अक्षय कुमार बॉलीवुड के उन स्टार्स में से हैं, जो साल में एक बाद एक 4 फिल्में करते हैं. लेकिन पिछले 2 सालों उनकी एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पा रही हैं. 'बच्चन पांडे', 'सम्राट पृथ्वीराज', 'रक्षा बंधन', 'कटपुतली', 'राम सेतु', 'सेल्फी', 'मिशन रानीगंज', 'बड़े मियां छोटे मियां' जैसी कई फ्लॉप फिल्में देने के हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'सरफिरा' भी लोगों को लुभा नहीं पा रही हैं. लगातार एक के बाद एक फिल्में फ्लॉप होने के बाद सोशल मीडिया पर लोग एक्टर को एक साथ इतनी सारी फिल्में करने को लेकर उन पर कटाक्ष कर रहे हैं. ट्रोल्स पर अब खिलाड़ी कुमार ने तंज कसा है.अक्षय कुमार के करियर के लिए ये कठिन समय है. फिल्मों में काम मिल रहा है लेकिन वो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पा रही हैं. ट्रोल्स उनके साल में 4 से 5 फिल्में करने पर सवाल उठा रहे हैं. वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि एक साथ झोली भरकर फिल्में करने के बजाय उन्हें एक ही फिल्म पर ध्यान देना चाहिए. ट्रोल्स के तानों के बाद अब खिलाड़ी कुमार ने अपने अंदाज में ट्रोल्स को खरी-खरी सुनाई है.

ट्रोल्स को कैसे दिया जवाब

ग़ज़ल अलघ (Ghazal Alagh) के साथ एक बातचीत में अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचनाओं का जवाब दिया. उन्होंने कहा, 'मेरे लिए कहा जाता है ये चार फिल्म क्यों करता है साल मेंज्इसको एक फिल्म करनी चाहिएज्चलो मैं एक पिक्चर कर लेता हूं बाकी दिन क्या करूंगा? तेरे घर में आऊं? बेटा, याद रखना भाग्यशाली होते हैं वो लोग जिन्हें काम मिलता है. यहां रोज कोई ना कोई बोलता है बेरोजगारी चल रही है. ये चल रहा है, वो चल रहा हैज्जिसको काम मिल रहा है उसको तो करने दो.'

सालों किया इंडस्ट्री पर राज

सालों तक अक्षय कुमार लगातार हिट फिल्मों के साथ बॉक्स ऑफिस पर छाए रहे. हालांकि, वह इस समय मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, उनकी हाल की कई फिल्में खराब प्रदर्शन कर रही हैं.

फ्लॉप फिल्मों से ली सीख

फोर्ब्स इंडिया के साथ एक पुराने इंटरव्यू में, उन्होंने अपनी हालिया फ्लॉप फिल्मों और असफलता से सीखे गए सबक पर अपनी बात की थी. उन्होंने कहा था कि हर फिल्म के पीछे बहुत सारा खून, पसीना और जुनून होता है. किसी भी फिल्म को असफल होते देखना दिल तोड़ने वाला होता है. लेकिन आपको उम्मीद की किरण देखना सीखना होगा. हर असफलता आपको सफलता का मूल्य सिखाती है और उसके प्रति भूख को और भी बढ़ा देती है. सौभाग्य से, मैंने अपने करियर की शुरुआत में ही इससे निपटना सीख लिया था.'

असफल होने से दुख होता है लेकिन...

एक्टर ने कहा था, 'बेशक, यह आपको दुख पहुंचाता है और प्रभावित करता है, लेकिन इससे फिल्म की किस्मत नहीं बदलेगी.

बॉबी देओल-आलिया भट्ट के बीच खून-खराबा से भरपूर होगा एक्शन, टाइट सिक्योरिटी के बीच चल रही अल्फा की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग में बिजी हैं. हर कोई इस स्पाई यूनिवर्स फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है. 'अल्फा' में आलिया भट्ट का एक्शन अवतार भी देखने को मिलेगा. अब फिल्म को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आया है. आलिया भट्ट इन दिनों बॉबी देओल के साथ मुंबई में 'अल्फा' फिल्म के लिए एक धमाकेदार एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रही हैं.आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट और बॉबी देओल इस समय मुंबई में हैं, जहां वे फिल्म सिटी में तगड़ी सुरक्षा के बीच एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे हैं. सोर्स ने बताया कि यह एक जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस होगा, जिसे आप ब्रूटल कह सकते हैं. इस सीन में आलिया और बॉबी देओल धमाकेदार फाइट करते हुए नजर आएंगे. जो इसमें खूब-खराबे से भरपूर होगा.

फिल्म सेट पर तैनात हैं 100 सिक्योरिटी गार्ड

सोर्स ने आगे बताया कि शूटिंग लोकेशन पर कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की गई है. यह फिल्म के जरूरी सीन्स में से एक है. सेट पर भारी सुरक्षा का इंतजाम किया गया है, जहां कोई भी एंटर नहीं कर सकता है. सेट पर करीब 100 गार्ड्स को तैनात किया गया है.

स्पाई यूनिवर्स की हिस्सा बनीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट की स्पाई यूनिवर्स 'अल्फा' टाइटल का ऐलान इस महीने की शुरुआत में किया गया था. एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए फैंस को जानकरी दी थी कि उनकी फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग शुरू हो गई है. वीडियो क्लिप में अल्फा लिखा हुआ आता है और फिर आलिया भट्ट की आवाज सुनाई देती है. वह कहती हैं कि, 'ग्रीक अल्फाबेट का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का मोटो. सबसे पहले, सबसे तेज, सबसे वीर, ध्यान से देखे तो हर शहर में एक जंगल है और हर जंगल में राज करेगा एक अल्फा.'

फराह खान के सिर से हटा मां का साया, मेनका ईरानी का निधन

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री से एक बेहद ही दुखद खबर सामने आई है. मशहूर फिल्ममेकर फराह खान और साजिद खान की मां मेनका ईरानी इस दुनिया में नहीं रहीं. 79 साल के उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है. काफी लंबे समय से उनकी तबीयत कुछ ठीक नहीं चल रही थी. हाल ही में उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में एडमिट कराया गया था. हालांकि, अस्पताल में उनका निधन हो गया.रिपोर्ट्स की मानें तो इससे पहले भी एक दफा उन्हें नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. हालांकि, फिर तबीयत ठीक होने पर उन्हें वहां से डिस्चार्ज कर दिया गया था और वो अपने घर आ गई थीं. हालांकि, फिर अचानक से उनकी तबीयत बिगड़ी. जिसके बाद अब ये दुखद खबर सामने आई है.

हाल ही में मनाया था 79वां बर्थडे

कुछ समय पहले ही उनका 79वां जन्मदिन था. मां के बर्थडे पर फराह खान ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं और मां के नाम एक इमोशनल पोस्ट भी लिखा था. फराह लिखा था, पिछले ही महीने पता चला कि मैं अपनी मां मेनका से कितना प्यार करती हूं. उनके जैसा बहादुर और मजबूत इंसान मैंने नहीं देखा. कई बार सर्जरी होने के बाद उनका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है. मां को बर्थडे विश करते हुए फराह ने आगे लिखा था, हैप्पी बर्थडे मॉम. आज तुम्हारे घर वापस आने का सबसे अच्छा दिन है.

मां को बर्थडे विश करते हुए फराह ने आगे लिखा था, हैप्पी बर्थडे मॉम. आज तुम्हारे घर वापस आने का सबसे अच्छा दिन है. फराह ने ये पोस्ट 12 जुलाई को किया था. वहीं अब उसके 14 दिन बाद ही फराह के सिर से मां का साया हट गया. मेनका ईरानी का जावेद अख्तर से भी खास रिश्ता था. जावेद अख्तर की पहली पत्नी हनी ईरानी और मेनका दोनों बहन थीं.मां के बर्थडे पर साजिद खान का भी पोस्ट सामने आया था. उन्होंने एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें साजि-फराह दोनों मां के साथ दिख रहे थे. साजिद ने लिखा था. साजिद ने लिखा था, हैप्पी बर्थडे मम्मी.

एक ही फिल्म में किया था काम

मेनका ईरानी ने अपने करियर में एक ही फिल्म में काम किया था. साल 1963 में 'बचपन' के नाम से एक फिल्म आई थी, जिसमें सलमान खान के पिता सलीम खान, बुधो आडवाणी, जीवन धर जैसे एक्टर्स नजर आए थे. मेनका भी इस फिल्म का हिस्सा थीं. हालांकि, ये फिल्म चल नहीं पाई थी. इसके बाद उन्होंने किसी भी पिक्चर में काम नहीं किया.

जैसे ही फराह की मां के निधन की खबर सामने आई, उसके बाद इस दुख की घड़ी में साथ देने बॉलीवुड सितारे उनके घर पर पहुंचने लगे. एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सलमान के पिता सलीम खान नजर आ रहे हैं. ये वीडियो फराह के घर के बाहर है. फरदीन खान, मनीष पॉल भी फराह के घर पर पहुंचे हैं.